वर्ष-07 - अंक 281
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
शनिवार ,18 जुलाई 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

राष्ट्रीय डिजिटल इनोवेशन समिट-2026 में उत्तर प्रदेश ने पेश 3
खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन........................... 4
उच्च शिक्षा में नए आयाम स्थापित कर रही है नारी शक्ति 11

जालंधर से पीएम मोदी का चुनावी शंखनाद

पंजाब को 5,472 करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए पंजाब की कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और आर्थिक स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब में विकास की गति थम गई है और राज्य गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। गैंगवार, फिरौती और अपराध की घटनाओं से व्यापारी और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि थानों तक पर हमले हो रहे हैं और अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं रह गया है।

जालंधर(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पंजाब दौरे के दौरान राज्य को 5,472 करोड़ की रेल और सड़क परियोजनाओं की सौगात दी। जालंधर में आयोजित जनसभा के दौरान उन्होंने अमृत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया और अमृतसर के छरहटा से वाराणसी तक शुरू की गई संत रविदास एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही उन्होंने दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया। विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए पंजाब की कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और आर्थिक स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब में विकास की गति थम गई है और राज्य गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। गैंगवार, फिरौती और अपराध की घटनाओं से व्यापारी और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि थानों तक पर हमले हो रहे हैं और अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं रह गया है। नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब का भविष्य दांव पर लगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नशा तस्कर खुलेआम सक्रिय हैं और युवाओं को नशे की दलदल में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग राजनीति बदलने का दावा करते थे, आज उनकी कार्यशैली पूरे देश के सामने है। प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों के कुछ नेताओं का उल्लेख करते हुए भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं पर गंभीर आरोपों के बावजूद विपक्ष न्यायपालिका के फैसलों पर सवाल उठाता है और वोट बैंक की राजनीति करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि घूसखोरी, वसूली, अवैध कब्जे और भ्रष्टाचार कुछ दलों की पहचान बन चुके हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने कई केंद्रीय योजनाओं पर अपने नाम का प्रचार किया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का नाम बदलकर जनता को भ्रमित किया गया और महिलाओं से जुड़े वादों को भी पूरा नहीं किया गया। प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा पंजाब के विकास के लिए भेजे गए धन का सही उपयोग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यदि केंद्रीय सहायता का पारदर्शी ढंग से इस्तेमाल होता तो गांवों की सड़कें, मंडियां और अन्य बुनियादी सुविधाएं बेहतर होतीं। उन्होंने राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विकास के नाम पर कर्ज बढ़ रहा है, जबकि जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने किसानों और कर्मचारियों के मुद्दे भी उठाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किसानों को 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिलता है, जबकि पंजाब के किसानों को सीमित सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और अन्य लंबित मांगों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पंजाब में विकास की नई गति के लिए 'डबल इंजन सरकार' आवश्यक है। उन्होंने दावा किया कि जहां केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होती है, वहां विकास कार्य अधिक तेज़ी और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ते हैं। उन्होंने पंजाब की जनता से राज्य के विकास, रोजगार, किसानों की समृद्धि और बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए भाजपा का समर्थन करने की अपील की।

गाजियाबाद को 868 करोड़ की सौगात

सीएम योगी ने विकास के साथ विपक्ष को घेरा

गाजियाबाद(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाजियाबाद को 868 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने कई परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया और विकासखंड मुरादनगर में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक अजितपाल त्यागी, गिरीशपाल त्यागी सहित परिवार के सदस्य, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय राजपाल त्यागी को जनसेवा के प्रति समर्पित लोकप्रिय नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने छह बार विधायक बनकर जनता का विश्वास जीता। उन्होंने कहा कि जब राजनीति जनसेवा का माध्यम बनती है, तभी नेता लोगों के दिलों में स्थान बना पाता है। मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जिले की तस्वीर बदली है। बेहतर सड़कें, स्वच्छ नगर निगम व्यवस्था, रैपिड रेल और आधुनिक आधारभूत ढांचे ने गाजियाबाद को नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि पहले जिन परियोजनाओं को बजट के अभाव में रोक दिया गया था, उन्हें वर्तमान सरकार ने आगे बढ़ाया। आज मेरठ से दिल्ली की दूरी रैपिड रेल के जरिए काफी कम हो गई है। सीएम योगी ने कानून-व्यवस्था और सुशासन का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति अलग थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश विकास और निवेश का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि सुशासन और सुरक्षा के कारण ही प्रदेश में तेजी से विकास संभव हो पाया है। कांवड़ यात्रा का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें कांवड़ यात्रा को लेकर दंगों की आशंका जताती थीं, जबकि उनकी सरकार ने बेहतर प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। उन्होंने कहा, 'अधिकारियों ने कहा था कि दंगे हो सकते हैं, लेकिन मैंने कहा था कि मैं हूं, मेरी गारंटी है।' उन्होंने कहा कि हरिद्वार से निकलने वाली देश की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा आज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो रही है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से यात्रा की गरिमा और अनुशासन बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि आस्था का सम्मान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद के प्राचीन दूधेश्वरनाथ मंदिर में कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का भी अवलोकन किया। कृषि विभाग के स्टॉल पर उप कृषि निदेशक आशीष कुमार सिंह ने उन्हें सोलर लाइट ट्रैप, प्राकृतिक खेती और श्री अन्न (मिलेट्स) के उत्पादन एवं प्रचार-प्रसार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने और श्री अन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। गौरतलब है कि गाजियाबाद पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शामली में ?617.70 करोड़ की 90 विकास परियोजनाओं तथा बिजनौर में ?1,003 करोड़ की 76 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण कर प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने का संदेश दिया।

संक्षिप्त ख़बरें

आसाराम की अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। जोधपुर में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की अंतरिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए आसाराम ने इलाज के लिए कुछ समय की अंतरिम जमानत देने की मांग की है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह आसाराम की ताजा मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत कर यह स्पष्ट करे कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति वास्तव में कितनी गंभीर है और क्या उन्हें इलाज के लिए अंतरिम जमानत की आवश्यकता है। राजस्थान सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि फिलहाल आसाराम की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य है। उन्होंने कहा कि करीब तीन महीने पहले आसाराम अयोध्या और काशी विश्वनाथ की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने पैदल चलकर दर्शन भी किए थे। हालांकि, सरकार अदालत के निर्देशानुसार ताजा मेडिकल रिपोर्ट और संबंधित जानकारी प्रस्तुत करेगी।

लखनऊ में कार के अंदर मिला दरोगा का शव, मौत की वजह बनी रहस्य

लखनऊ। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को गाजीपुर थाने की सर्वोदयनगर चौकी पर तैनात दरोगा अजय कुमार उर्फ अजय ठाकुर (36) का शव उनकी कार के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। कार अंदर से लॉक थी और दरोगा के नाक व मुंह से खून निकल रहा था। पुलिस ने शीशा तोड़कर शव को बाहर निकाला। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस के अनुसार अजय कुमार मूल रूप से हापुड़ जिले के मेहताब सेन (इंद्रगढ़ी) गांव के रहने वाले थे और वर्तमान में पारा क्षेत्र के हंसखेड़ा स्थित विनायकपुरम कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहे थे। वह वर्ष 2021 से 2024 तक पारा थाने में भी तैनात रह चुके थे और वर्तमान में गाजीपुर थाने की सर्वोदयनगर चौकी पर कार्यरत थे। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया कि दरोगा गुरुवार दोपहर से ड्यूटी पर नहीं पहुंचे थे। सहकर्मियों ने कई बार मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई। शुक्रवार को सर्विलांस के जरिए मोबाइल फोन की लोकेशन मोहान रोड स्थित बुद्धेश्वर चौराहे के पास मिली।

'हिंदू' धार्मिक नहीं सांस्कृतिक पहचान: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर प्रचलित धारणाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संघ के बारे में यह गलत नैरेटिव बनाया गया है कि वह 'हिंदू राष्ट्र' का निर्माण करना चाहता है। उन्होंने कहा कि आरएसएस के लिए 'हिंदू' कोई धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित एक व्यापक जीवन-दृष्टि है। राजनाथ सिंह शुक्रवार को नई दिल्ली में श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी द्वारा लिखित पुस्तक RSS @100: A Century of Service, Unity & SacrificeÓ के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संघ के बारे में लंबे समय से ऐसा विमर्श तैयार किया गया है, जिससे उसकी विचारधारा को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि आरएसएस के लिए 'हिंदू' शब्द किसी विशेष धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, जीवन शैली और मानवीय मूल्यों का प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित यह अवधारणा समाज में एकता, सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करती है। राजनाथ सिंह ने पुस्तक के लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक संघ की स्थापना से लेकर उसके 100 वर्षों के सफर, राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और स्वयंसेवकों के योगदान को प्रमाणिक रूप से प्रस्तुत करती है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पुस्तक संघ के वास्तविक स्वरूप और उसके सेवा कार्यों को आमजन तक सही संदर्भ में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में राजनीति, शिक्षा, साहित्य और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी अनेक प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। पुस्तक में आरएसएस के एक शताब्दी लंबे इतिहास, संगठनात्मक विकास, सामाजिक कार्यों और स्वयंसेवकों के योगदान का विस्तृत विवरण दिया गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी संगठन का मूल्यांकन उसके कार्यों और समाज के प्रति योगदान के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने पिछले सौ वर्षों में सेवा, समर्पण और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिन्हें समझने के लिए इस पुस्तक का अध्ययन उपयोगी होगा।

मेक्सिको के तट पर 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

मेक्सिको सिटी(एजेंसी)। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट के पास शुक्रवार को 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भूकंप के बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने क्षेत्र के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी। हालांकि, शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप का केंद्र मेक्सिको के प्यूर्टो मादेरो शहर के निकट था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 10 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी तेज महसूस किए गए। भूकंप के बाद ग्वाटेमाला सिटी और अल सल्वाडोर के कई हिस्सों में भी तेज झटके महसूस किए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्वाटेमाला की राजधानी में कई इमारतें हिलने लगीं, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और वे घरों व कार्यालयों से बाहर निकल आए।

महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स का निधन

एंटीगुआ(एजेंसी)। विश्व क्रिकेट ने अपने सबसे महान खिलाड़ियों में से एक को खो दिया। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह 28 जुलाई को अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। उनके निधन पर क्रिकेट वेस्टइंडीज सहित दुनिया भर के क्रिकेट जगत ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। सर गारफील्ड सोबर्स, जिन्हें क्रिकेट प्रेमी 'सर गैरी सोबर्स' के नाम से भी जानते हैं, को क्रिकेट इतिहास का सबसे संपूर्ण ऑलराउंडर माना जाता है। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग-तीनों विभागों में उनकी असाधारण प्रतिभा ने उन्हें खेल के महानतम खिलाड़ियों की श्रेणी में स्थापित किया। सोबर्स ने वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैचों की 160 पारियों में 8,032 रन बनाए। उनका बल्लेबाजी औसत 57.78 रहा, जो उस दौर के लिहाज से बेहद शानदार माना जाता है। अपने करियर में उन्होंने 26 शतक, 30 अर्धशतक, दो दोहरे शतक और एक तिहरा शतक लगाया। उनका नाबाद 365 रन का स्कोर लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट का विश्व रिकॉर्ड रहा। गेंदबाजी में भी सोबर्स ने अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 235 विकेट हासिल किए। उनका गेंदबाजी औसत 34.04 और इकोनॉमी 2.33 रही। उन्होंने छह बार एक पारी में पांच विकेट और आठ बार चार विकेट लेने का कारनामा किया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6 विकेट पर 73 रन रहा।

डीएल एजेंसियों की मनमानी की होगी जांच

परिवहन आयुत ने बनाई तीन सदस्यीय समिति

लखनऊ(एजेंसी)। ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनाने वाली निजी एजेंसियों पर भ्रष्टाचार और कर्मचारियों से कथित अवैध वसूली के आरोपों की जांच के लिए परिवहन विभाग ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है। परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने समिति को 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही शिकायतों के संकलन और परीक्षण के लिए एक अलग आईटी सेल का भी गठन किया गया है। परिवहन विभाग ने सिल्वर टच, रोजमार्टा और फोकाम लिमिटेड को ड्राइविंग लाइसेंस तैयार करने, प्रिंटिंग और डाक के माध्यम से वितरण की जिम्मेदारी दे रखी है। इन एजेंसियों ने प्रदेशभर में करीब 320 निजी कर्मचारियों की नियुक्ति की है। आरोप है कि नौकरी दिलाने के नाम पर कर्मचारियों से तीन से चार लाख रुपये तक वसूले गए। इसके अलावा वेतन का अग्रिम भुगतान लेने और कार्यालय में उपयोग होने वाले कंप्यूटर सहित अन्य उपकरण भी कर्मचारियों से ही खरीदवाए गए।

तीन देशों के दौरे पर जाएंगी राष्ट्रपति मुर्मू, मोल्दोवा, उत्तरी मैसेडोनिया और रोमानिया से मजबूत होंगे रिश्ते

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 से 25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तरी मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर जाएंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य तीनों देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देना और यूरोप के साथ रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने शुक्रवार को बताया कि यह यात्रा ऐतिहासिक महत्व की है। मोल्दोवा और उत्तरी मैसेडोनिया की किसी भारतीय राष्ट्रपति द्वारा यह पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी, जबकि रोमानिया की यात्रा तीन दशक से अधिक समय बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति का पहला राजकीय दौरा होगी। इससे पहले 1994 में भारतीय राष्ट्रपति ने रोमानिया का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि यह यात्रा मध्य और पूर्वी यूरोप के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों तथा यूरोपीय संघ के साथ रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करेगी। राष्ट्रपति मुर्मू 20 जुलाई को मोल्दोवा पहुंचेंगी। यह यात्रा वहां की राष्ट्रपति माइया सांडू के निमंत्रण पर हो रही है। दौरे के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू अपनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी और मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसू से भी मुलाकात करेंगी। इसके अलावा वह मोल्दोवा-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों से संवाद करेंगी, भारत-मोल्दोवा व्यापार मंच को संबोधित करेंगी और वहां रह रहे भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, दवा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। राष्ट्रपति मुर्मू 21 और 22 जुलाई को उत्तरी मैसेडोनिया की यात्रा पर रहेंगी। इस दौरान वह राष्ट्रपति गोर्दाना सिल्यानोव्स्का-दावकोवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। साथ ही प्रधानमंत्री ह्रिस्तियान मित्सकोस्की और संसद के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगी। राष्ट्रपति वहां की संसद को संबोधित करेंगी और भारत-उत्तरी मैसेडोनिया व्यापार मंच में भी हिस्सा लेंगी।

एनडीए संसदीय दल की बैठकों का नया नाम 'मंगल मिलन', 21 जुलाई से होगी नई शुरुआत

मंगलवार को होने वाली नियमित बैठकों को मिला नया नाम, मानसून सत्र के दौरान होगी पहली बैठक

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपनी संसदीय दल की बैठकों को नया नाम देने का फैसला किया है। अब इन बैठकों को 'मंगल मिलन' के नाम से जाना जाएगा। सूत्रों के अनुसार, चूंकि एनडीए संसदीय दल की बैठकें सामान्यतः मंगलवार को आयोजित होती हैं, इसलिए इस नाम को अंतिम रूप दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत पहली 'मंगल मिलन' बैठक 21 जुलाई को संसद भवन परिसर में आयोजित होगी। यह बैठक संसद के मानसून सत्र शुरू होने के एक दिन बाद होगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में मानसून सत्र की रणनीति और विभिन्न विधायी कार्यों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, एनडीए बैठकों के नाम में बदलाव को लेकर केंद्रीय मंत्रिमंडल की हालिया बैठक में भी चर्चा हुई थी। मंत्रियों को इस निर्णय की अनौपचारिक जानकारी दी गई थी। इस बीच, संसद के मानसून सत्र से पहले केंद्र सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ संसद के सुचारु संचालन और प्रमुख विधेयकों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि यदि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राष्ट्रीय सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) को औपचारिक मान्यता प्रदान करते हैं, तो उसके फ्लोर नेताओं को भी सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को पार्टी का फ्लोर लीडर, शताब्दी रॉय को उपनेता और काकोली घोष दस्तीदार को मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) बनाया गया है। पिछले महीने पश्चिम बंगाल के 20 सांसदों ने टीएमसी नेतृत्व से अलग होकर एनसीपीआई का दामन थामा था। हाल ही में एनसीपीआई के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर लोकसभा में अपने 20 सांसदों के लिए बैठने की व्यवस्था और नए संसद भवन में पार्टी कार्यालय आवंटित करने की मांग भी रखी। संसद के मानसून सत्र से पहले इन घटनाक्रमों को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

टिकट न मिलने पर भी मिलेगा रेल हादसे का मुआवजा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने रेल दुर्घटना मुआवजे से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि किसी रेल हादसे में मृत यात्री के पास टिकट बरामद न होना उसके परिवार को मुआवजा देने से इनकार करने का आधार नहीं हो सकता। न्यायालय ने रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल (आरसीटी) और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के फैसलों को निरस्त करते हुए मृतक की पत्नी को आठ लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि रेलवे अधिनियम एक कल्याणकारी कानून है और इसकी व्याख्या पीड़ितों के हित में उदारतापूर्वक की जानी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल टिकट न मिलने से किसी व्यक्ति को अवैध यात्री नहीं माना जा सकता। मामला नवंबर 2015 का है, जब चंद्रकांत ठक्कर रायपुर से अहमदाबाद जा रहे थे। यात्रा के दौरान अहमदाबाद-हावड़ा मेल से गिरने से उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद उनका बैग भी गायब हो गया, जिसमें टिकट रखा था। टिकट न मिलने के आधार पर रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल और बाद में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उनकी पत्नी लता का मुआवजा दावा खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए कहा कि रेलवे अधिनियम की धारा 124ए 'नो-फॉल्ट लायबिलिटी' (बिना गलती के दायित्व) के सिद्धांत पर आधारित है। इसका उद्देश्य दुर्घटना पीड़ितों या उनके परिजनों को बिना अनावश्यक कानूनी बाधाओं के शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराना है। अदालत ने कहा कि दावेदार प्रारंभिक स्तर पर हलफनामे के माध्यम से यह बता सकता है कि मृतक वैध यात्री था।

संक्षिप्त खबरें

पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराने पर विक्रय प्राधिकार पत्र होगा निरस्त

कीटनाशक विक्रेताओं को पंजीकरण कराना अनिवार्य- जिला कृषि रक्षा अधिकारी

अम्बेडकरनगर। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने कीटनाशक कारोबार को पारदर्शी एवं नियमबद्ध बनाने के लिए इंटीग्रेटेड पेस्टीसाइड मैनेजमेन्ट सिस्टम (IPMS) पोर्टल पर कीटनाशक विक्रेताओं को पंजीकरण कराना अनिवार्य है। जिसके क्रम में जनपद-अम्बेडकरनगर के अधिकांश कीटनाशक विक्रेताओं द्वारा IPMS पोर्टल पर पंजीकरण करा लिया गया है, फिर भी जनपद के कुछ विक्रेताओं द्वारा अभी तक IPMS पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया गया है, बार-बार निर्देशित करने के बावजूद भी अभी तक पंजीकरण नहीं करने/कराने वाले कीटनाशक विक्रेताओं के विक्रय प्राधिकार-पत्र को निरस्त कर दिया जायेगा तथा भविष्य में यदि उनके द्वारा कीटनाशक विक्रय करते हुए पाया जाता है तो उनके विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए वह पूर्ण रूप से स्वयं जिम्मेदार होगें।

मतदेय स्थलों के संभाजन पर डीएम ने दलों संग की बैठक

1200 मतदाताओं के मानक के अनुरूप मतदेय स्थलों के संभाजन की प्रक्रिया पर हुई विस्तृत चर्चा, सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त की गई

अम्बेडकरनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रति मतदेय स्थल अधिकतम 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर मतदेय स्थलों के संभाजन की प्रक्रिया के अंतर्गत, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्धारित समय-सारणी के क्रम में मतदेय स्थलों के संभाजन के आलेख्य प्रकाशन के उपरांत आज जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में वर्तमान सांसदों, विधायकों एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्सना बंधु भी उपस्थित रहीं। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में वर्तमान में कुल 2171 मतदेय स्थल हैं, जबकि संभाजन के उपरांत 2149 मतदेय स्थल प्रस्तावित किए गए। सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आज लोक निर्माण विभाग (PWD) कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण की गई। उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से सुरक्षित सड़क अवसंरचना विकसित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया। अभियान के इंजीनियरिंग घटक के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) एवं लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्य भी निरंतर प्रगति पर हैं।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की संगोष्ठी सम्पन्न

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस के अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र द्वारा डी बी ए सभागार में अपराह्न 1:00 बजे एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव ने किया! जबकि कुशल संचालन चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट ने किया।पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने संगोष्ठी में कहा कि न्याय केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा, मानवाधिकारों का संरक्षण, विधि के शासन की स्थापना तथा समाज में न्याय के प्रति विश्वास बनाए रखना भी इसका मूल उद्देश्य है। वक्ताओं ने कहा कि बदलते समय में न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित, सुलभ एवं तकनीक-सक्षम बनाने की आवश्यकता है, ताकि प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के समय पर न्याय मिल सके। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता रियाजुद्दीन खान ने कहा कि न्यायपालिका, अधिवक्ताओं एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से ही न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील व्यवस्था का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने यह भी संकल्प लिया कि वे संविधान के मूल्यों, विधि के शासन तथा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने के लिए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे। अंत में डी बी ए अध्यक्ष ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस हमें न्याय, समानता एवं मानव गरिमा के मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजन अधिवक्ताओं के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ समाज में विधिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कोटेदार के घटतौली की जांच में हुई पुष्टि

रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित

प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों की शिकायत पर जांच टीम ने 12 जुलाई को की थी जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले कप्तानगंज ग्राम पंचायत नरहरपुर के कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ राशन वितरण में गड़बड़ी/अनिमियतता की पुष्टि होने पर जांच टीम ने खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को रिपोर्ट प्रेषित की थी । जांच अधिकारी के द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर खण्ड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेज दिया है। सूत्रों की माने तो जांच टीम ने कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ साक्ष्य के साथ रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को प्रेषित किया था जिसको लेकर माना जा रहा है कि अब कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ (उचित दर विक्रेता) कोटेदार की दुकान कन निलंबित होने की कार्यवाही निश्चित हो गई है। कभी भी किसी भी समय उच्चाधिकारियों द्वारा (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार की दुकान के निलंबन की कार्यवाही हो सकती है। आप को बता दे कि विकासखण्ड कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नरहरपुर में (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों ने लामबंद हो घटतौली का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल समेत अन्य उच्चाधिकारियों से शिकायत किया था जिस

प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों की शिकायत पर जांच टीम ने 12 जुलाई को की थी जांच

पर एडीओ पंचायत कप्तानगंज सुशील कुमार श्रीवास्तव ने जांच टीम गठित किया था। जांच टीम ने जांच करके जांच रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज को प्रेषित किया था। जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये जांच रिपोर्ट के आधार पर कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। उक्त प्रकरण में खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजा गया है।

नवागंतुक तहसीलदार मनोज कुमार ने संभाला कार्यभार

कोंच(जालौन)- शासन से स्थानांतरित होकर जनपद जालौन में आए मनोज कुमार ने तहसीलदार कोंच के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। शुक्रवार को तहसीलदार कोंच के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत मनोज कुमार ने स्टॉफ के लोगों से परिचय प्राप्त कर कार्यालय का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का शत प्रतिशत क्रियान्वयन कराया जाएगा। राजस्व से जुड़े मामलों में पीड़ित को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जनता से बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। नवागंतुक तहसीलदार मनोज कुमार मूलरूप से जनपद औरैया के निवासी हैं और वह जिला शामली से स्थानांतरित होकर यहां आए हैं। इससे पहले वह जिला झांसी, हमीरपुर, कानपुर देहात आदि में पदस्थ रहे हैं।

खुशबू ने रचा इतिहास, नीट में सफलता से बढ़ाया क्षेत्र का मान

डॉक्टर बनकर मानव सेवा का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आलापुर (अंबेडकरनगर)। ग्राम पंचायत सतरही की बेटी खुशबू गौतम ने नीट (NEET) परीक्षा में 720 में से 527 अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता से परिवार समेत पूरे इलाके में खुशी का माहौल है। खुशबू पूर्व ब्लॉक प्रमुख संगीता देवी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलिराम गौतम की पुत्री हैं। खुशबू ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य केवल डॉक्टर बनना नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा करना है। उन्होंने बताया कि उनके दिवंगत बाबा धर्मराज का सपना था कि वह डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करें और अब वह उस सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलिराम गौतम ने कहा कि नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि खुशबू की उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी। खुशबू का परिवार लंबे समय से सामाजिक एवं जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। उनकी दादी मैना देवी वर्तमान में सतरही ग्राम पंचायत की प्रधान हैं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य भी विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। खुशबू की इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खुशबू की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण परिवेश की बेटियां भी कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सफलता हासिल कर सकती हैं।

शिवरतनगंज पुलिस द्वारा चोरी का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शिवरतनगंज अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार सवार अभियुक्त धीरज पुत्र सुरेश निवासी आजाद नगर थाना गंगाघाट जनपद उन्नाव उम्र 28 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। कार सं0 यूपी 35 वीवाई 2378 FRONX के कागज मांगने पर दिखा न सका। कार की तलाशी से किराना का सामान व 5200 रुपये नगद बरामद हुआ। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि बरामद सामान व रुपये चोरी के हैं जिसे उसने दिनांक 08.07.2026 को अपने दो अन्य साथियों के साथ इसी कार से आकर कस्बा शिवरतनगंज में स्थित 01 किराना की दुकान का शटर तोड़कर चोरी किया था। उक्त चोरी के संबन्ध में थाना शिवरतनगंज पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। बरामदगी के आधार पर उपरोक्त अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। बरामदगी व गिरफ्तारी के संबंध में थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध जनपद उन्नाव में विभिन्न धाराओं में 15 अभियोग पंजीकृत है।

उद्यान विभाग ने राज्य औद्यानिक विकास योजनांतर्गत कार्यक्रमों पर मांगा प्रस्ताव

अम्बेडकरनगर। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास (राज्य सेक्टर) योजना वर्ष 2026-27 अन्तर्गत प्रोजेक्ट आधारित कार्यक्रमें यथा- ट्रैक्टर (2WD) एवं (4WD), पावर टिलर (08 बीएचपी तक), पावर टिलर (08 बीएचपी से अधिक), पावर नैपसेक स्प्रेयर (12-16 लीटर), लो-कास्ट मशरूम उत्पादन इकाई आदि के प्रस्ताव आमंत्रित किये गये है इच्छुक औद्यानिक कृषक अपना पंजीकरण dbt.uphorticulture.in पर करायकर इच्छुक कार्यक्रम का परियोजना प्रस्ताव कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी अम्बेडकरनगर को प्रस्ताव की प्रति उपलब्ध कराने की अपील की जाती है। विस्तृत जानकारी हेतु दूरभाष संख्या- 7651894223 पर या किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में सम्पर्क कर जानकारी ले सकते है।

नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया का अमेठी में प्रथम आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गौरीगंज, अमेठी। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया के जनपद अमेठी में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने जनपद की सीमा से लेकर जिला कार्यालय तक भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं जयघोष के साथ कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित स्वागत समारोह की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने की।अपने संबोधन में क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता एवं सशक्त बूथ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को डिजिटल लर्निंग कार्यक्रम, बूथ सशक्तिकरण अभियान तथा 'बूथ जीता, चुनाव जीता' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता तकनीकी रूप से दक्ष होकर सरकार की उपलब्धियों एवं संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाए।स्वागत समारोह के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष का भगवान श्रीराम की प्रतिमा, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में राज्य मंत्री एवं तिलोई विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी, पूर्व मंत्री एवं जगदीशपुर विधायक सुरेश पासी, पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र 'मटियारी', क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा काशी प्रसाद तिवारी, क्षेत्रीय महामंत्री संतोष पटेल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शुक्ला, पूर्व जिला महामंत्री राकेश त्रिपाठी, जिला मंत्री आशा बाजपेई, जिला मन्त्री मनोज जायसवाल, जिला महामंत्री कृष्ण कुमार यादव, जिला महामंत्री विषुव मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष भवानी दत्त दीक्षित, ब्लॉक प्रमुख गौरीगंज उमेश सिंह, रविंद्र सिंह, सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला मंत्री प्रभात शुक्ला ने किया। समारोह के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा आगामी चुनावों में प्रत्येक बूथ पर विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

समाजसेविका की पहल ने सैकड़ों महिलाओं में जगाया आत्मविश्वास

आत्मनिर्भर जीवन की नई दिशा मिली 'बहनों को आत्मनिर्भर देखना मेरा सपनाः कंचन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। महिला सशक्तिकरण को केवल नारों तक सीमित न रखकर उसे धरातल पर साकार करने का संकल्प जब सेवा और समर्पण से जुड़ता है,तो उसकी मिसाल बनती हैं समाजसेविका कंचन, उनके द्वारा आयोजित 15 दिवसीय निःशुल्क सिलाई व ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण केवल हुनर सिखाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अनेक महिलाओं के आत्मविश्वास, स्वाभिमान और आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव बन गया।समापन समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं ने भावुक होकर समाजसेविका कंचन गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षुओं ने कहा कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें केवल सिलाई और ब्यूटीशियन का कौशल ही नहीं दिया, बल्कि जीवन में अपने दम पर आगे बढ़ने का विश्वास भी दिया है। उन्होंने कहा कि अब वे स्वरोजगार अपनाकर अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी।पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा से बातचीत करते हुए समाजसेविका कंचन गुप्ता ने अपने मन की भावनाएं साझा करते हुए कहा, 'मेरा सपना हमेशा से यही रहा है कि हमारी मातृशक्ति आत्मनिर्भर बने, आत्मसम्मान के साथ जीवन जिए और किसी पर आश्रित न रहे। यदि मेरे इस छोटे से प्रयास से किसी बहन के जीवन में नई उम्मीद जगी है, तो यही मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।' उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पूरे समर्पण, अनुशासन और उत्साह के साथ सीखने का प्रयास किया।उन्होंने विश्वास जताया कि यह कौशल आने वाले समय में अनेक परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का माध्यम बनेगा।कंचन गुप्ता की इस जनहितकारी पहल की पूरे जनपद में व्यापक सराहना हो रही है। सामाजिक संगठनों, प्रबुद्ध नागरिकों ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक अभियान बताया।वरिष्ठ समाजसेवी पी.के. तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने कहा कि समाजसेवा की वास्तविक परिभाषा वही है,जिसमें बिना किसी स्वार्थ के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास हो, और कंचन गुप्ता उसी सोच के साथ निरंतर कार्य कर रही हैं।प्रशिक्षुओं ने आग्रह किया कि ऐसे निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। जनपदवासियों ने भी कंचन गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके प्रयास आने वाले समय में महिला सशक्तिकरण की एक मजबूत मिसाल बनेंगे।समाज के अनेक लोगों का मानना है कि ऐसे सेवा कार्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां नहीं होते,बल्कि पूरे समाज को नई दिशा देने वाले प्रयास होते हैं। कंचन गुप्ता की यह पहल भी महिलाओं में आत्मविश्वास, स्वावलंबन और सम्मान जनक जीवन की भावना को मजबूत करने वाला एक प्रेरणादायक कदम बनकर उभरी है। उनके इस प्रयास ने यह संदेश दिया है कि जब सेवा का उद्देश्य समाज के उत्थान से जुड़ा हो, तो छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव की आधारशिला बन जाते हैं।

मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

आगामी 31 जुलाई तक विभागीय पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026- 27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की निम्नलिखित योजनाओं के अन्तर्गत जनसामान्य को ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in दिनांक 16.07.2026 से दिनांक 31.07.2026 तक खोला गया है जिसके माध्यम से नीचे लिखी गई योजनाओं जैसे (1) मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, (2) सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना (3) उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अन्तर्गत- (i) मछली विक्रय हेतु मोपेड विद आइसबाक्स परियोजना, (ii) माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजनान्तर्गत श्रेणी-1, 2 व 3 के जलाशय वाले जनपदों में केज स्थापना। (4) अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में मात्स्यिकी के विकास हेतु नए तालाब निर्माण व प्रथम वर्ष निवेश, (5) उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना (6) विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना हैं। उपरोक्त योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु योजनावार अलग- अलग आवेदन करने होंगे। योजनान्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण को विभागीय वेबसाइट http://fisheries.up.gov.in पर देखा जा सकता है।

उक्त योजनाओं में यदि भविष्य में कोई संशोधन होता है तो संशोधित प्रविधान लागू होंगे। योजना में पूर्व के वर्षों में निरस्त/प्रतीक्षारत आवेदन वाले आवेदक पुनः आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त योजना के सम्बन्ध मे मत्स्य विभाग के जनपदीय कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, साबुन विभाग गली, निकट बस स्टैण्ड, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर से किसी भी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उच्च शिक्षा के प्रति एनसीसी कैडेट्स ने निकाली जागरूकता रैली

कोंच (जालौन)। स्थानीय मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने शुक्रवार को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नगर में रैली निकाली। प्राचार्य डॉ. विजय विक्रम सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कैडेट्स ने शिक्षा के महत्व से जुड़े नारे लगाए, पंपलेट वितरित किए और तहसील परिसर में लघु नाटक प्रस्तुत कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुशासन का संदेश दिया।रैली में शामिल कैडेट्स 'शिक्षा है असली धन, इससे रोशन होगा जन-जन''आधी रोटी खाएंगे, कॉलेज जरूर जाएंगे' तथा 'बेटा-बेटी एक समान, शिक्षा से बनेंगे महान' जैसे प्रेरक वाक्य लिखी तख्तियां बैनर हांथों में लेकर नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे।

रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप अभियान से सड़क सुरक्षा को मिली नई रफ्तार

विद्यालयों में शपथ, पोस्टर प्रतियोगिताओं और इंजीनियरिंग सुधार कार्यों के माध्यम से सुरक्षित सड़क व्यवहार का दिया गया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिला प्रशासन, अम्बेडकर नगर एवं आईआईटी मद्रास के ज्ञान एवं तकनीकी सहयोग से संचालित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न जागरूकता एवं अवसंरचना सुधार संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों/मार्गों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों की साइकिलों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए, जिससे रात्रि के समय उनकी दृश्यता बढ़ सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। इसके साथ ही सड़क किनारे लगाए गए बैरिकेड्स एवं अन्य आवश्यक स्थानों पर भी रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए, जिससे रात्रिकालीन यातायात को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। अधिकारियों ने नागरिकों को बताया कि इस प्रकार के छोटे लेकिन प्रभावी सुरक्षा उपाय सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी क्रम में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के नियमित उपयोग, यातायात नियमों के प्रति सजग रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों के भीतर प्रारम्भिक अवस्था से ही सुरक्षित सड़क व्यवहार की भावना विकसित करना तथा उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। इसी के तहत विभिन्न विद्यालयों में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति विभिन्न माध्यमों से प्रस्तुत किया। चित्रों और संदेशों के माध्यम से उन्होंने सुरक्षित यातायात, जिम्मेदार सड़क व्यवहार, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के महत्व तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति अपने विचार साझा किए। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति उनकी समझ और संवेदनशीलता को भी उजागर किया।

एन सी एल गेट से हौसलाबुलंद चोरों ने उड़ाई बाईक

पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर लगाई बाईक चोरों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग

शक्तिनगर/सोनभद्र- स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत एन सी एल खड़िया फैक्ट्री गेट से गुरुवार को बाईक संख्या UP64- AL1699 गायब हो गई। जिसके क्रम में बीना निवासी वाहन स्वामी मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि गुरुवार को सुबह एन सी एल खड़िया गेट पर खड़ा करके सुबह ड्यूटी चला गया। ड्यूटी समाप्त होने के उपरांत गेट पर आया जहाँ बाईक न पाकर हतप्रध हो गया। जिसके बावत गेट पर उपस्थित सुरक्षाकर्मियों से पूछ ताछ की गयी किन्तु उनके द्वारा संतोषजनक जबाब न देकर सी सी टी वी फुटेज देखने की नसीहत दे डाली। सबसे बड़ा सवाल है कि जब सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मी इस तरह का बेतुका जबाब देने लगे तो कारखाने में कार्य करने वाले मजदूर जाएं तो कहाँ। जिसकी शिकायत उत्तर प्रदेश पुलिस ई- थाना की रिपोर्ट संख्या- 20260000729964दिनाकः 16-07-2006 को रिपोर्ट दर्ज कराई व थाना शक्तिनगर को तहरीर देकर बाईक चोरों को तत्काल गिरफ्तार करने की लगाई गुहार।

भारत सरकार के टेक्सटाइल प्रबंध निदेशक ने टेक्सटाइल इकाइयों का किया निरीक्षण

टेक्सटाइल क्षेत्र के विकास एवं बुनकरों की समस्याओं के निदान के संबंध में भारत सरकार के टेक्सटाइल प्रबंध निदेशक एवं जिलाधिकारी ने बुनकरों व उद्यमियों के साथ की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भारत सरकार के टेक्सटाइल प्रबंध निदेशक अश्वनी पाण्डेय एवं जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के टेक्सटाइल उद्योग के समग्र विकास, बुनकरों की समस्याओं के समाधान तथा उत्पादन एवं विपणन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में जनपद के टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े बुनकरों, उद्यमियों एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक की। बैठक के दौरान बुनकरों एवं उद्यमियों ने टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी विभिन्न समस्याओं/अपेक्षाओं यथा फ्लैट रेट, साइजिंग, मार्केटिंग, यार्न डिपो की स्थापना तथा अन्य तकनीकी एवं व्यावसायिक चुनौतियों के संबंध में प्रबंध निदेशक एवं जिलाधिकारी को अवगत कराया। इस अवसर पर अश्वनी पाण्डेय ने कहा कि फ्लैट रेट सहित अन्य महत्वपूर्ण समस्याओं को शासन स्तर पर अवगत कराया जाएगा।

बैठक के उपरांत प्रबंध निदेशक ने टांडा स्थित नीट्रा ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बुनकरों को समय-समय पर आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण एवं वस्त्र परीक्षण (टेस्टिंग) की गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि हो सके। इसके पश्चात उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रैपियर लूम एवं वायर पिन मशीन सहित विभिन्न मशीनों के संचालन एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन किया गया तथा उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की गई। इसी क्रम में उन्होंने सकरावल पूरब स्थित उद्यमी इस्तियाक़ अहमद के पावरलूम प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया गया। वहां संचालित मशीनों एवं उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए अधिकारियों ने स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्त्रों यथा-स्टॉल, गमछा, लुंगी, अरबी रूमाल एवं स्कूल ड्रेस सहित अन्य वस्त्र उत्पादों का भी अवलोकन किया गया तथा उसकी सराहना की गई। बैठक एवं निरीक्षण के दौरान उपायुक्त (प्रभारी) उद्योग एच.पी. मौर्य, सहायक आयुक्त उद्योग अजय शर्मा, उद्यमी मित्र अखिलेश पटेल, पार्थ थ्रेड के निदेशक अंबिका प्रसाद पाण्डेय, सीएफसी के निदेशक कासिम अंसारी, राकेश श्रीवास्तव सहित टांडा क्षेत्र के अनेक बुनकर एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में एसपी ने ली परेड की सलामी

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश -दिनांक 17.07.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण/ किया गया। निरीक्षण के उपरांत पुलिस कर्मियों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से दौड़ एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई तथा उन्हें सदैव फिट, अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ रहकर जनसेवा एवं कानून-व्यवस्था के दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा यू0पी0-112 एवं जनपद के विभिन्न थानों से आए वाहनों का गहन निरीक्षण करते हुए वाहनों की तकनीकी स्थिति, दंगा नियंत्रण उपकरण, वायरलेस सेट, प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। इस दौरान वाहन चालकों एवं संबंधित पुलिस कर्मियों को वाहनों के नियमित रख-रखाव, उपकरणों की सतत कार्यशीलता सुनिश्चित करने तथा किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित एवं प्रभावी पुलिस प्रतिक्रिया देने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा क्वार्टर गार्द, परिवहन शाखा, स्टोर, मेस, गैस गोदाम, बैरक एवं पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, सुरक्षा मानकों के अनुपालन एवं समस्त व्यवस्थाओं को उच्च गुणवत्ता के साथ बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

उत्तर प्रदेश ने पेश किया एआई और डिजिटल भविष्य का विजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग तथा ईलेट्स टेक्नोमीडिया के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी लखनऊ स्थित द सेंट्रम में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय डिजिटल इनोवेशन समिट-2026 के पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल गवर्नेंस और तकनीकी नवाचार को लेकर व्यापक विमर्श हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर के नीति निर्माताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और स्टार्टअप्स ने भाग लेकर डिजिटल परिवर्तन की संभावनाओं और भविष्य की रणनीतियों पर विचार साझा किए। सम्मेलन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अवसंरचना, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, साइबर सुरक्षा, डेटा सेंटर, स्टार्टअप और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना तथा सरकार और उद्योग के बीच सहयोग को और मजबूत बनाना है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक मजबूत एआई इकोसिस्टम विकसित कर रहा है, जिसमें नीति, नवाचार और सुशासन का प्रभावी समन्वय होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार स्टेट एआई मिशन, एआई स्टैक, एआई सिटी, डीप-टेक हब और आधुनिक डिजिटल अवसंरचना के माध्यम से निवेश, रोजगार और तकनीकी नवाचार को नई गति दे रही है। ईलेट्स टेक्नोमीडिया के संस्थापक, सीईओ एवं एडिटर-इन-चीफ डॉ. रवि गुप्ता ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य के सुशासन की आधारशिला बन रही है। उन्होंने सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को नागरिक-केंद्रित और जिम्मेदार डिजिटल समाधान विकसित करने के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर 'उत्तर प्रदेशः शेपिंग द फ्यूचर - एआई एंड डिजिटल इनोवेशन' विषयक ई-गव विशेषांक का विमोचन भी किया गया। प्रकाशन में राज्य की एआई, डिजिटल गवर्नेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, स्टार्टअप इकोसिस्टम और उभरती तकनीकों से जुड़ी उपलब्धियों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन, विश्वस्तरीय डिजिटल अवसंरचना और तेजी से विकसित हो रहे नवाचार तंत्र के कारण उत्तर प्रदेश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम तकनीक और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरि ओम ने भविष्य की तकनीकों के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि उद्योग, शिक्षण संस्थानों और सरकार के बीच बेहतर समन्वय ही एआई आधारित अर्थव्यवस्था की सफलता सुनिश्चित करेगा। सम्मेलन के दौरान देश-विदेश की अग्रणी तकनीकी कंपनियों ने एआई, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल संप्रभुता, स्मार्ट गवर्नेंस और सुरक्षित डिजिटल अवसंरचना से जुड़े नवीनतम समाधान प्रस्तुत किए। विशेषज्ञों ने भरोसेमंद एआई, डेटा सुरक्षा और नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में आधुनिक तकनीकों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। विभिन्न पैनल चर्चाओं में एआई आधारित सुशासन, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्रस्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, डेटा सेंटर इकोसिस्टम, स्टार्टअप, कौशल विकास और भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

हाइड्रोजन ट्रेन विकसित भारत की नई पहचान

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश रच रहा नए कीर्तिमानः केशव मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आधुनिक तकनीक, हरित ऊर्जा और सतत विकास के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन विकसित भारत के संकल्प, नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। शुक्रवार को जारी बयान में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हाइड्रोजन आधारित रेल सेवा भारत की स्वच्छ, हरित और भविष्य उन्मुख परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल देश की तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया के सामने हरित विकास और आधुनिक अवसंरचना का नया मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन जैसी नवाचार आधारित परियोजनाएं देश को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर कर रही हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन राष्ट्र को समर्पित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की मजबूत आधारशिला साबित होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई तकनीकों और स्वच्छ ऊर्जा पर आधारित ऐसी पहलें भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने के साथ-साथ सतत विकास के लक्ष्य को भी गति देंगी।

संदिग्ध अवस्था में मिला शव सिनाख्त जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालगांव सीतापुर। तालगांव कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत खदनिया गांव के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव गांव के निवासी सुनील (पुत्र श्रीराम) के खेत की मेड़ पर मौजूद एक नीम के पेड़ के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, घटनास्थल का दृश्य कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। नीम के पेड़ पर एक टूटा हुआ दुपट्टा लटका हुआ मिला है, जबकि मृतक का शव पेड़ से लगभग 12 फुट की दूरी पर नीचे जमीन पर पड़ा हुआ था। फॉरेंसिक टीम ने मौके से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं, जिनका बारीकी से अध्ययन किया जा रहा है। मृतक की जेब से पहचान संबंधी कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, केवल एक माचिस बरामद हुई है। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के लिए उसकी हुलिया और कपड़ों का विवरण जारी किया है। मृतक ने सफेद शर्ट और पैंट पहन रखी है, जिसके साथ सफेद रंग की बेल्ट लगी है। उसके पैरों में कोई जूते या चप्पल नहीं थे। शर्ट के कॉलर पर 'यू फैशन केसरीगंज' लिखा हुआ है और मृतक के दाहिने हाथ पर'कुंजवाती, नाम गुदा हुआ है। इस पूरे मामले पर कोतवाली प्रभारी अनूप शुक्ला ने बताया कि फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। आस-पास के गांवों और थानों में संपर्क कर मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा और उसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिराहिमपुर में भव्य भंडारे के बाद गाजे-बाजे के साथ निकली मूर्ति विसर्जन यात्रा, पूरे गांव में दिखा उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ)। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिराहिमपुर में धार्मिक आस्था और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। भव्य भंडारे के सफल आयोजन के बाद श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ मूर्ति विसर्जन यात्रा निकाली। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। मूर्ति विसर्जन यात्रा में गांव के बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं और बहनों-बेटियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयकारों के बीच नाचते-गाते हुए विसर्जन स्थल तक पहुंचे। पूरे मार्ग पर भक्तों में अपार उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। इससे पहले आयोजित भव्य भंडारे में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति और ग्रामवासियों ने मिलकर सभी श्रद्धालुओं की सेवा की, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गांव के लोगों ने बताया कि इस तरह के

मूर्ति विसर्जन यात्रा में गांव के बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं और बहनों-बेटियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयकारों के बीच नाचते-गाते हुए विसर्जन स्थल तक पहुंचे। पूरे मार्ग पर भक्तों में अपार उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। इससे पहले आयोजित भव्य भंडारे में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति और ग्रामवासियों ने मिलकर सभी श्रद्धालुओं की सेवा की, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

धार्मिक और सामाजिक आयोजन आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करते हैं। मूर्ति विसर्जन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम बिना किसी बाधा के संपन्न हुआ। पूरे आयोजन ने बिराहिमपुर ग्राम पंचायत को भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक एकजुटता के रंग में रंग दिया। ग्रामीणों ने भविष्य में भी इसी तरह के धार्मिक आयोजनों को मिल-जुलकर संपन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया।

हमारा संकल्प बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करना प्रदान : हिमांशु सिंह प्रबंधक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के अंतर्गत रानीखेड़ा बखारी महमूदपुर में सीएमटी कॉन्वेंट स्कूल में बच्चों बेहतर शिक्षा प्रदान करने हेतु स्कूल के प्रबंधक हिमांशु सिंह ने हमारे संवाददाता को बताया कि हमारे स्कूल में जो भी बच्चे पढ़ने आते हैं उनके शारीरिक मानसिक विकास को भी ध्यान में रखा जाता है और हमारे स्कूल में सभी टीचरों द्वारा प्रत्येक बच्चे को प्रतिदिन क्लास में बेहतर तरीके से पढ़ाया जाता है और सभी बच्चों को होमवर्क भी दिया जाता है जो बच्चे पढ़ने में कमजोर होते हैं उन बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे स्कूल से जो भी बच्चे पढ़कर उनका करियर बेहतर बने और बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु पूरा ध्यान दिया जाता है हमारे स्कूल में बच्चों के आने-जाने के लिए स्कूल वैन व्यवस्था भी उपलब्ध है ।

संक्षिप्त खबरें

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड कर्मचारी यूनियन की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

लखनऊ। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड कर्मचारी यूनियन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में बोर्ड के संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिद्धार्थ यादव विशिष्ट अतिथि तथा आर.डी. कुरील अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोर्ड के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि कर्मचारी यूनियन का चुनाव 31 मई 2026 को संपन्न हुआ था। चुनाव में कमलेश कुमार वर्मा अध्यक्ष और हरिगेंद मौर्य महामंत्री निर्वाचित हुए। इसके अलावा सुघर सिंह यादव एवं हरिकरन सिंह को उपाध्यक्ष, प्रतिभास श्रीवास्तव को मंत्री, आशीष कुमार को संगठन मंत्री, राम भरत को कोषाध्यक्ष, उमेश कुमार गौड़ को प्रचार मंत्री बनाया गया।

नोट छपाई के टेंडर को लेकर अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नोटों की छपाई से जुड़े टेंडर को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कमीशनखोरी और निजीकरण की प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है, जिससे देश की आर्थिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शुक्रवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि भ्रष्ट भाजपा शासन में अब क्या नोटों का भी निजीकरण कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने कभी नहीं सोचा था कि कमीशनखोरी का मॉडल इस स्तर तक पहुंच जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि देश की मुद्रा ही आत्मनिर्भर नहीं होगी, तो अर्थव्यवस्था और देश आत्मनिर्भर कैसे बनेंगे।

रामनगर के निर्माणाधीन नाले का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-2 के कुंडरी रकाबगंज वार्ड स्थित रामनगर क्षेत्र में निर्माणाधीन नाले का स्थलीय निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जल निकासी, स्वच्छता और बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद राजीव बाजपेयी, जोनल सेनेटरी ऑफिसर राम सकल, नगर अभियंता झिल्लू राम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने निर्माणाधीन नाले का निरीक्षण करते हुए कहा कि कार्य में अनावश्यक देरी से स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाकर इसे निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नाले से

निकल रहे मलबे और अवशिष्ट सामग्री (फॉलिंग वेस्ट) को तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे और आवागमन बाधित न हो। इसके अलावा रामनगर में विभिन्न स्थानों पर पड़े निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी वेस्ट) को तत्काल हटाने तथा भविष्य में ऐसे कचरे के अनियंत्रित निस्तारण पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश नगर अभियंता को दिए गए। नगर आयुक्त ने क्षेत्र में साफ पानी के रिसाव की समस्या का भी संज्ञान लिया और महाप्रबंधक, जलकल को पाइपलाइन की मरम्मत तत्काल कराने के निर्देश दिए, जिससे पेयजल की बर्बादी रोकी जा सके। न्यू तिलक नगर क्षेत्र में नाले की पुलिया का निरीक्षण करते हुए उन्होंने पुलिया पर ग्रिल लगाने के निर्देश दिए, ताकि नाले में कूड़ा फेंकने पर रोक लग सके और जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे। इसके अलावा रामनगर स्थित पुराने बाढ़ पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण कर उसके उन्नयन एवं पुनर्स्थापन का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पंपिंग स्टेशन की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है। नगर आयुक्त ने पंपिंग स्टेशन के समीप स्थित सरकारी भूमि का चिन्हांकन कर उसकी फेंसिंग कराने के निर्देश भी दिए, ताकि भूमि सुरक्षित रहे और भविष्य में जनहित के कार्यों के लिए उसका उपयोग किया जा सके।

मिर्जापुर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की 18 छात्राओं ने सीयूईटी में हासिल की सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, मड़िहान (मिर्जापुर) की छात्राओं ने सीयूईटी (CUET) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का गौरव बढ़ाया है। संस्थान की 18 छात्राओं ने परीक्षा में सफलता प्राप्त कर यह साबित किया कि उचित मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से सीमित संसाधनों वाले विद्यार्थी भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि प्रदेश की प्रतिभाशाली छात्राओं को सीयूईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मिर्जापुर स्थित सर्वोदय विद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया गया है। यह पहल एक्स नवोदयन फाउंडेशन, वाराणसी और टाटा एआईजी के सहयोग से संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में कुल 34 छात्राओं को निःशुल्क आवासीय कोचिंग उपलब्ध कराई गई थी। इनमें से 31 छात्राओं ने सीयूईटी परीक्षा में हिस्सा लिया और 18 छात्राओं ने सफलता हासिल की। सफल छात्राओं में पूजा रंजन, श्वेता पाल, खुशबू, लक्ष्मी रावत, मालती, अंकिता, अनीता, मनीषा, प्रेमलता, अंकिता कुमारी, कोमल, सपना, अंशिका, प्रियंका, फूल कुमारी, अनुराधा, खुशी और आंचल शामिल हैं। इस उपलब्धि पर समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विभाग की गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क आवासीय कोचिंग व्यवस्था का उत्कृष्ट परिणाम है। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल शिक्षा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को उनकी मंजिल तक पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये बेटियां भविष्य में समाज और राष्ट्र का नाम रोशन करेंगी।

अजय शुक्ला 'अंजू' बिसवां के सांसद प्रतिनिधि हुए मनोनीत

बिसवां, सीतापुर। जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं समाजसेवी अजय शुक्ला 'अंजू', निवासी घूरामऊ बंगला, सीतापुर, को सीतापुर से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर ने बिसवां विधानसभा क्षेत्र का सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया है। अजय शुक्ला 'अंजू' के मनोनयन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व एवं संगठनात्मक अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा तथा बिसवां विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को नई मजबूती और गति प्राप्त होगी। कांग्रेसजनों ने कहा कि अजय शुक्ला 'अंजू' लंबे समय से सामाजिक एवं जनहित के कार्यों से जुड़े रहे हैं। उनके सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने से क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को और बल मिलेगा तथा आमजन की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सांसद तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कलर्स के 'बरेली के बच्चन' ने लखनऊ में अपनी कास्ट के साथ एक शादी का रिसेप्शन का आयोजन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 17 जुलाई 2026 कलर्स का शो 'बरेली के बच्चन' अपनी मज़ेदार कॉमेडी, दिल छू लेने वाले पारिवारिक रिश्तों और देसी अफरा तफरी से दर्शकों को खूब भा रहा है। दर्शकों का मनोरंजन जारी रखते हुए, शो की स्टारकास्ट प्रविष्ट मिश्रा, रमनीक कटारिया, अंश मनुजा और सचिन जीत सिंह हाल ही में लखनऊ पहुँची, ताकि उन्हें मिल रहे ज़बरदस्त प्यार का जश्न मनाया जा सके खासकर उस राज्य से, जिसकी संस्कृति और जीवनशैली ने शो की दुनिया को प्रेरित किया है। उत्तर प्रदेश की परंपराओं, अपनापन और परिवारिक जुड़ाव से भरा यह शो आम भारतीय परिवारों की झलक दिखाता है, जहाँ हंसी मज़ाक हर घर में गूंजता है और रिश्ते ज़िंदगी की मुश्किलों पर जीत हासिल करते हैं। लखनऊ का यह

दौरा शो के लिए एक भावनात्मक होमकमिंग रहा, जिसने बच्चन परिवार की आत्मा को उन दर्शकों के और करीब ला दिया जो इसकी संस्कृति, भाषा और जड़ों को तुरंत पहचान लेते हैं। शो 'बरेली के बच्चन' की कहानी बच्चन परिवार की ज़िंदगी पर आधारित है, जिसका अनोखा ऑल मेल हाउसहोल्ड दोस्ती, मज़ेदार घटनाओं और जुगाड़ से चलता है। कृष्णा (प्रविष्ट) अचानक संगम (रमनीक) को परिवार की बहू बनाकर घर ले आता है, यह सोचकर कि यह सिर्फ एक अस्थायी इंतज़ाम है। उसे अंदाज़ा नहीं होता कि यह मासूम सा फैसला सबकी ज़िंदगी बदल देगा और पूरे मोहल्ले को उत्सुक कर देगा, साथ ही परिवार के लिए एक नया भावनात्मक और मनोरंजक अध्याय शुरू करेगा। संगम के ससुर जब नवविवाहितों के लिए भव्य रिसेप्शन रखने की ज़िद करते हैं, तो कृष्णा और संगम मुश्किल में पड़ जाते हैं क्योंकि दोनों जानते हैं कि उनकी शादी सिर्फ एक दिखावा है। अब सवाल यह है कि क्या बच्चन परिवार समाज की नज़रों का सामना कर पाएगा या फिर संगम को इस नकली रिश्ते को रिसेप्शन में निभाना पड़ेगा? लखनऊ दौरे के बारे में, प्रविष्ट मिश्रा ने कहा, 'मैं दर्शकों का शुक्रगुज़ार हूँ जिन्होंने 'बरेली के बच्चन' पर इतना प्यार बरसाया और हमारी पूरी टीम की मेहनत को सार्थक बनाया। लंबे समय तक मेरा किरदार कृष्णा अपनी अचानक हुई शादी को लेकर परेशान रहा, लेकिन अब उसे यकीन है कि सब कुछ धीरे धीरे ठीक हो जाएगा, भले ही संगम इतना आशावादी नहीं है। उसकी गलतफहमियाँ अब बेहद मज़ेदार और चुटीले अंदाज़ में टूटने वाली हैं और यही इस ट्रैक को रोमांचक बनाता है। हम भारतीय अक्सर 'लोग क्या कहेंगे' में उलझे रहते हैं और यह ट्रैक दिखाता है कि बच्चन परिवार इसे कैसे संभालता है। अपने होम स्टेट के शहर लखनऊ में शो की आत्मा को सेलिब्रेट करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। इस राज्य के परिवारों का हमारे बच्चन परिवार से जुड़ाव देखना मेरे लिए बहुत बड़ी सौगात है।' शो के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, रमनीक कटारिया ने कहा, 'संगम बहू बनकर बच्चन परिवार में आती है, यह सोचकर कि वह सिर्फ एक रात रुकेगी, लेकिन वहाँ बिताया हर पल उसे ऐसे अनुभव देता है जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

ऐशबाग जंक्शन समेत 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन, अपर्णा यादव ने बताई बड़ी उपलब्धि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संबोधित करते हुए अपर्णा यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे आधुनिक, सुरक्षित और यात्री-केंद्रित सुविधाओं से सुसज्जित हो रही है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना केवल रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की सांस्कृतिक विरासत, स्वच्छता, सुगमता और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय का भी प्रतीक है।

लखनऊ। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत ऐशबाग जंक्शन सहित देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर्णा यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे आधुनिक, सुरक्षित और यात्री-केंद्रित सुविधाओं से सुसज्जित हो रही है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना केवल रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की सांस्कृतिक विरासत, स्वच्छता, सुगमता और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नए स्वरूप में विकसित ऐशबाग जंक्शन यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति देगा। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी परियोजनाएं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने पुनर्विकसित स्टेशन का अवलोकन किया तथा भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

संपादकीय

होर्मुज : सुरक्षा पहले, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं

भारत सरकार ने हाल ही में जहाज मालिकों, शिप मैनेजरों और भर्ती एजेंसियों को सलाह दी है कि अगली सूचना तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की नई तैनाती न की जाए। यह कदम खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव, व्यापारिक जहाजों पर हमलों और भारतीय नाविकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि भारत की उस नीति का संकेत है जिसमें विदेशों में काम कर रहे अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि इस निर्णय के दूरगामी आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव भी हो सकते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों महत्वपूर्ण है ? होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री रास्ता वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। भारत भी अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा भाग खाड़ी देशों से आयात करता है, इसलिए इस मार्ग की सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के कारण होर्मुज क्षेत्र में कई व्यापारिक जहाज हमलों का शिकार हुए हैं। कुछ घटनाओं में भारतीय नाविक भी प्रभावित हुए और एक भारतीय सीफेरर की मौत के बाद भारत सरकार ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। इसके बाद समुद्री प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से भारतीय नाविकों की नई तैनाती रोकने की सलाह जारी की। यह प्रतिबंध स्थायी नहीं बल्कि परिस्थितियों के सामान्य होने तक एहतियाती कदम माना जा रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक समुद्री कर्मी उपलब्ध कराने वाले देशों में शामिल है। लाखों भारतीय विभिन्न विदेशी जहाजों पर कार्यरत हैं। ऐसे में होर्मुज मार्ग पर तैनाती रुकने से अनेक नाविकों की नई नियुक्तियां प्रभावित हो सकती हैं। जहाजरानी कंपनियों को वैकल्पिक क्रू की व्यवस्था करनी पड़ेगी। कुछ भारतीय नाविकों की आय प्रभावित हो सकती है। समुद्री रोजगार बाजार में अनिश्चितता बढ़ सकती है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर क्या प्रभाव ? फिलहाल यह आदेश केवल भारतीय नाविकों की तैनाती से जुड़ा है, तेल आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। यदि होर्मुज मार्ग पूरी तरह बाधित होता है तो भारत सहित पूरी दुनिया में कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हो सकती है। इससे महंगाई, परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर भी असर पड़ेगा। भारत पिछले कुछ वर्षों से तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। ऐसे कदम भविष्य के संकटों से निपटने में मदद कर सकते हैं। क्या यह फैसला उचित है ? मानवीय दृष्टि से देखें तो यह निर्णय उचित प्रतीत होता है। किसी भी आर्थिक लाभ से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों का जीवन है। जब किसी क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति हो और व्यापारिक जहाज लगातार निशाने पर हों, तब सरकार का पहला दायित्व अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। हालांकि दूसरी ओर यह भी सच है कि लंबे समय तक प्रतिबंध रहने पर भारतीय समुद्री उद्योग और नाविकों के रोजगार पर दबाव बढ़ सकता है। इसलिए सरकार को सुरक्षा के साथ-साथ प्रभावित नाविकों के हितों का भी ध्यान रखना होगा। आगे की राह- भारत को केवल अस्थायी प्रतिबंध लगाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। भविष्य के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं— समुद्री सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना। संकटग्रस्त क्षेत्रों में भारतीय नाविकों के लिए बेहतर सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार करना। प्रभावित नाविकों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने में सहायता देना ऊर्जा आयात के स्रोतों में और विविधता लाना। समुद्री जोखिमों की निगरानी के लिए आधुनिक तंत्र विकसित करना। होर्मुज जलडमरूमध्य पर भारतीय नाविकों की तैनाती रोकने का निर्णय सुरक्षा की दृष्टि से एक सतर्क और जिम्मेदार कदम है। यह बताता है कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। हालांकि इसके आर्थिक और रोजगार संबंधी प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि क्षेत्रीय तनाव जल्द कम होता है तो यह प्रतिबंध अस्थायी साबित होगा, लेकिन यदि स्थिति लंबी खिंचती है तो भारत को समुद्री व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और नाविकों के रोजगार के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करनी होगी।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन

हंता वायरस और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों के मामले सामने आने के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक समग्र और प्रभावी वैक्सीन का विकास बहुत आवश्यक हो गया है। अभी दशकों से वैज्ञानिक वैक्सीन के विकास में ज्यादातर एक ही पैटर्न का अनुसरण करते आ रहे हैं। जब एक खतरनाक वायरस सामने आता है तो वैज्ञानिक उसे पहचान कर एक वैक्सीन बनाते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को अब लगता है कि उन्होंने शायद वैक्सीन विकास के उस मॉडल को उलटने का एक तरीका ढूंढ़ लिया है। एक समग्र वैक्सीन की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक वैक्सीन डिजाइन की है। शोधकर्ताओं का दावा है कि दुनिया में पहली बार एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई पूरी तरह से नई वैक्सीन में कई तरह के वायरस के खिलाफ काम करने और दुनिया को भविष्य में होने वाली महामारी से बचाने की क्षमता है। इस वैक्सीन ने शुरुआती मानव सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे उम्मीद जगी है कि भविष्य की वैक्सीन न सिर्फ जाने-पहचाने वायरसों से बल्कि उनके नए वेरिएंट और उन रोगाणुओं से भी बचा सकती हैं जो अभी सामने आने वाले हैं। यह सफलता एक ऐसी टेक्नोलॉजी पर आधारित है जो एआई का इस्तेमाल करके एक ऐसी तत्व को डिजाइन करती है जिसे शोधकर्ता 'सुपर-एंटीजन' कहते हैं। यह वैक्सीन का मुख्य हिस्सा है जो इम्यून सिस्टम को संक्रमण को पहचानने और उससे लड़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। किसी एक वायरस की किस्म को लक्षित करने के बजाय, इस टेक्नोलॉजी का उद्देश्य वायरस के पूरे परिवारों से सुरक्षा प्रदान करना है।अभी प्रचलित वैक्सीन आमतौर पर वायरस के मौजूदा संस्करण का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं। नि:संदेह इस तरीके से लाखों जानें बची हैं, लेकिन इस विधि की कुछ कमियां भी हैं। इन्फ्लूएंजा और सार्स-कोव-2 जैसे वायरस लगातार परिवर्तित होते रहते हैं, जिससे विज्ञानियों को नए स्ट्रेन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए वैक्सीन को बार-बार अपडेट करना पड़ता है।कैम्ब्रिज टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया। दुनिया भर के निगरानी कार्यक्रम से इकट्ठा किए गए आनुवंशिक डेटा का इस्तेमाल करके शोधकर्ताओं ने विभिन्न कोरोनावायरस से मिली जानकारी को मशीन-लर्निंग सिस्टम में डाला। एआई ने वायरस के फीचरों का विश्लेषण किया और उन तत्वों की पहचान की जिनके रोगाणुओं के विकसित होने पर बदलने की संभावना सबसे कम थी। फिर टीम ने एक एंटीजन डिजाइन किया जो किसी एक खास स्ट्रेन के बजाय कई तरह के मिलते-जुलते वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स उत्पन्न कर सकता है।

पहले मानव परीक्षण में 39 स्वस्थ वॉलंटियर शामिल थे और इसे खास तौर पर यह पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था कि वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोनावायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोनावायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना ? ?है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अब तक देखा गया इम्यून रिस्पॉन्स मामूली रहा है और असल दुनिया में सुरक्षा के बारे में कोई भी नतीजा निकालने से पहले बहुत बड़े अध्ययन की जरूरत है। वैज्ञानिकों का एक अन्य दल वायरसों को लक्षित करने के लिए साउंड वेव का इस्तेमाल कर रहा है। ये साउंड वेव मेडिकल स्कैन में पहले से इस्तेमाल हो रही हैं। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों में वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि किस तरह अल्ट्रासाउंड के ब्लास्ट इन्फ्लूएंजा ए और सार्स-कोव-2 को विखंडित कर सकते हैं, जो कोविड-19 का कारण बनता है। प्रयोग से पता चला है कि अल्ट्रासाउंड वेव से होने वाले सूक्ष्म कंपन वायरस के कणों के आसपास की झिल्लियों को तोड़ने के लिए काफी हैं, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं। बाजील में साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक टीम ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। टीम में शामिल वैज्ञानिकों को यकीन है यह तरीका एक दिन ऐसे वायरस के लिए एंटीवायरल और केमिकल डिसइंफेक्टेंट का विकल्प बन सकता है, जिनकी बाहरी झिल्ली कमजोर होती है। ये प्रयोग अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ किए गए, जिसमें वायरस 3-20 मेगाहर्ट्ज रेंज में अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी के संपर्क में आए। शोधकर्ताओं ने भौतिक बदलावों के स्नैपशॉट लिए और फिर टेस्ट किया कि क्या ट्रीट किए गए सार्स-कोव-2 सैंपल अभी भी मेजबान कोशिकाओं के लैब मॉडल को संक्रमित कर सकते हैं। वायरस की बाहरी परत के नष्ट होने के साफ सबूत मिले और इसके बाद सार्स-कोव-2 की मॉडल मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता तेजी से कम हो गई।दरअसल, यह तरीका अकूस्टिक रेजोनेंस (ध्वनिक प्रतिध्वनि) पर निर्भर करता है। इसमें अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी और वायरस कणों का आकार दोनों मायने रखते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि साउंड वेव की फ्रीक्वेंसी वायरस के आवरण की प्राकृतिक कंपन फ्रीक्वेंसी से मेल खाती है, जिससे प्रवर्धित कंपन होते हैं जो इसे नष्ट कर देते हैं। असल में सिर्फ वायरस ही साउंड वेव की एनर्जी पर रिस्पॉन्ड करता है, मेजबान कोशिकाओं पर नहीं। टेस्ट की गई कंडीशन में वायरस के कण आसपास की कोशिकाओं की तुलना में कहीं ज्यादा कमजोर दिखे। टीम को उम्मीद है कि उनका नया तरीका दूसरे वायरल इन्फेक्शन पर भी काम करेगा, और उन्होंने पहले ही यह जांच शुरू कर दी है कि डेंगू, ज़ीका और चिकनगुनिया को उसी तरह कैसे टारगेट किया जा सकता है। अल्ट्रासाउंड आम तौर पर दर्द रहित होता है और इस्तेमाल में आसान होता है। इसे ठीक से लक्षित किया जा सकता है। इसी वजह से शोधकर्ता इसका इस्तेमाल करने के कई नए तरीके खोज रहे हैं, जिनमें दिमाग में दर्द से राहत और कैंसर का इलाज शामिल है। नई खोज रोमांचक है, लेकिन यह अभी इलाज नहीं है। अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी को और बेहतर बनाने के अलावा अभी भी बहुत काम करना बाकी है। यह स्टडी जानवरों या इंसानों पर किसी प्रयोग के बजाय लैब टेस्ट तक सीमित थी और सिर्फ दो अलग-अलग तरह के वायरसों पर की गई थी। यह महज एक शुरुआत है लेकिन इस टेक्नोलॉजी ने खतरनाक वायरसों से निपटने का एक बिल्कुल नया तरीका पेश किया है।

स्पोर्ट्स डेटा एनालिस्ट का संभावनाशील पेशा

एक समय था जब खेलों में खिलाड़ी के प्रदर्शन का आकलन मुख्य रूप से कोच के अनुभव और निरीक्षण के आधार पर किया जाता था। लेकिन आज क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, टेनिस और यहां तक कि एथलीट जैसे खेलों में भी डेटा की जबर्दस्त भूमिका उभरकर आयी है। किसी बल्लेबाज के किस गेंदबाज के खिलाफ रिकॉर्ड कैसे हैं, किस ओवर में वह अधिक रन बनाता है, फुटबॉल खिलाड़ी कितनी दूरी तय करता है, हॉकी टीम किस क्षेत्र से अधिक गोल करती है, इन सब बातों का विश्लेषण अब डेटा यानी आंकड़ों के माध्यम से ही किया जाता है। इन आंकड़ों को समझने, उनके विश्लेषण करने तथा उन्हें उपयोगी रणनीति में बदलने का काम स्पोर्ट्स डेटा एनालिस्ट करता है। यह एक ऐसा कैरियर है जो खेलों के प्रति जुनून और तकनीकी कौशल का अनोखा मिश्रण प्रस्तुत करता है। भारत में खेल उद्योग के विस्तार के कारण इस क्षेत्र में अवसर बहुत तेजी से बढ़े हैं।स्पोर्ट्स डेटा एनालिस्ट खिलाड़ियों और टीमों के प्रदर्शन से जुड़े आंकड़ों का अध्ययन करता है। उसका मुख्य उद्देश्य डेटा के आधार पर ऐसी जानकारी निकालना होता है, जो टीम या खिलाड़ी के प्रदर्शन को बेहतर बनाए। स्पोर्ट्स डेटा एनालिस्ट के प्रमुख कार्य हैं- खिलाड़ी या खिलाड़ियों के प्रदर्शन का विश्लेषण करना। विरोधी टीम की रणनीति का अध्ययन करना। विभिन्न मैचों के आंकड़ों का संग्रह और उनका मूल्यांकन करना। प्रदर्शन रिपोर्ट तैयार करना। चोट की संभावनाओं से जुड़े पैटर्न को पहचानना। कोच और प्रबंधन को रणनीतिक सुझाव देना। वीडियो विश्लेषण और डेटा विजुलाइजेशन करना।इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए किसी खेल का खिलाड़ी होना जरूरी नहीं है। हालांकि हों, तो अतिरिक्त लाभ होता है। जहां तक न्यूनतम शैक्षिक योग्यता की बात है तो 12वीं गणित या विज्ञान से होना लाभकारी होता है, पर किसी भी विषय में स्नातक होना भी फायदेमंद है। स्पोर्ट्स डेटा एनालिस्ट बनने के लिए सबसे उपयुक्त स्नातक पाठ्यक्रम हैं- बीएससी गणित, बीएससी सांख्यिकी, बीटेक कंप्यूटर साइंस, बीटेक (डेटा साइंस), बीएससी, स्पोर्ट्स साइंस, बीए अर्थशास्त्र। जहां तक उच्च शिक्षा की बात है तो इस क्षेत्र में इन उच्च शैक्षिक पाठ्यक्रमों से ज्यादा लाभ मिलता है- एमएससी डेटा साइंस, एमएससी स्टैटिस्टिक्स, एमबीए स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, मास्टर इन स्पोर्ट्स एनालिटिक्स, पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन डेटा एनालिटिक्स।स्पोर्ट्स डेटा एनालिस्ट बनने के लिए उम्मीदवार में कुछ कौशलों का होना बहुत जरूरी है, मसलन- सांख्यिकी की समझ, डेटा विश्लेषण स्किल, एक्सेल पर काम करने की दक्षता, एसक्यूएल, पाइथन, पावर बीआई, जैसी कंप्यूटर लैंग्वेज पर भी कमांड जरूरी है। साथ ही डेटा विजुलाइजेशन की क्षमता, खेलों की गहरी समझ, विश्लेषणात्मक सोच आदि कुशलताएं इस क्षेत्र में कैरियर बनाने की मंशा रखने वाले के लिए जरूरी हैं। क्योंकि आज अधिकांश खेल संगठन ऐसे पेशेवरों को रखना चाहते हैं, जो केवल डाटा को पढ़े नहीं बल्कि उसे रणनीति में भी इस्तेमाल कर सके। भारत में स्पोर्ट्स एनालिटिक्स अभी नया क्षेत्र है। लेकिन कई प्रतिष्ठित संस्थान संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करे रहे हैं, जो इस प्रकार से हैं - इंडियन स्टैटिस्टिक्स इंस्टीट्यूट जहां सांख्यिकी और डेटा विश्लेषण के क्षेत्र की महत्वपूर्ण पढ़ाई होती है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास- यहां डेटा साइंस और प्रोग्रामिंग से जुड़े उत्कृष्ठ कार्यक्रम उपलब्ध हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी देहली - यहां डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी बंगलुरू- यहां डेटा साइंस और एनालिटिक्स की पढ़ाई होती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स -खेल विज्ञान और खेल प्रदर्शन से जुड़े कार्यक्रमों के लिए ये बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में जाने के लिए अलग-अलग पाठ्यक्रमों की पढ़ाई की अनुमानित लागत है : स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों की लागत 50 हजार से 5 लाख रुपये तक है। डेटा साइंस प्रमाणपत्र के लिए 1 लाख से 2 लाख रुपये के बीच में है। वहीं मास्टर्स कार्यक्रम की लागत 1 से 15 लाख रुपये है। जहां तक नौकरी देने वाली संस्थानों की बात है तो वो इस प्रकार हैं-hudl.com, stats perfors.com, crickviz.com, sport zinterspive.net , sports mechanich.in. इनके अलावा इंडियन प्रीमियम लीग से जुड़ी विभिन्न फ्रेंचाइजीस, प्रो-कबड्डी लीग की टीमें तथा इसी तरह से और कई महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जो स्पोर्ट्स डेटा एनालिस्ट को नौकरी देते हैं। जहां तक वेतन की बात है तो शुरुआती वेतन 4 लाख से 8 लाख रुपये सालाना तक होता है। जबकि 3 से 5 साल का अनुभव मिलने के बाद बड़े आराम से 8 लाख से 15 लाख सालाना तक मिल जाता है। अन्य वरिष्ठ विश्लेषकों को जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विश्लेषण क्षमता रखते हैं, सालाना 30 से 70 लाख रुपये तक मिल सकते हैं। इस क्षेत्र में फ्रीलांसर के लिए भी कमाई के अच्छे खासे मौके हैं।

मेष- आज का दिन आपके लिए काफी सकारात्मक रहने वाला है। बहुत दिनों के बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है, जिससे कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। मैनेजमेंट और मार्केटिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को उनके शानदार काम के लिए सराहना या बड़ा सम्मान मिलने की संभावना है।

वृषभ-आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आने वाला है। जो युवा घर से दूर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं, उनका दिन काफी अच्छा बीतेगा। छात्रों को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिसमें शिक्षकों का पूरा मार्गदर्शन रहेगा।

मिथुन-आज आपके घर-परिवार में किसी मांगलिक या धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है। निवेश से जुड़े कार्यों में आपकी व्यस्तता बनी रहेगी और इस दौरान अनुभवी लोगों की सलाह आपके बहुत काम आएगी।

कर्क -आज आपको सही समय पर सही निर्णय लेने की जरूरत है, क्योंकि वक्त की कद्र करके ही आप बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। मित्रों के साथ आपसी संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे।

सिंह-आज का दिन आपके लिए मिले-जुले अनुभव लेकर आएगा। किसी करीबी मित्र से मिलकर मन हल्का होगा और कुछ जरूरी मुद्दों पर सार्थक बातचीत होगी। आज व्यर्थ के कामों या सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बर्बाद करने से बचें, अन्यथा आपके जरूरी काम लटक सकते हैं।

कन्या -आज कार्यक्षेत्र में आपको कई नए और बेहतर मौके मिल सकते हैं। बीते कई दिनों से आपकी जो मेहनत चल रही थी, उसका सुखद परिणाम आज आपके सामने आ सकता है। पारिवारिक बिजनेस में बड़े बेटे की मदद मिलने से काम आसान हो जाएगा।

तुला -आज का दिन आपके लिए बेहद शानदार रहने वाला है। जो लोग विदेश जाने का सपना देख रहे हैं, उनकी कोशिशें रंग ला सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को किसी बड़ी कंपनी से बुलावा आ सकता है। अपनी तार्किक और मधुर वाणी से आप लोगों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक -आज आपकी दिनचर्या पूरी तरह व्यवस्थित रहेगी, जिससे आपके सभी कार्य सुचारू रूप से चलते जाएंगे। किसी को दिया गया कर्ज वापस मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी नई योजना पर नए सिरे से काम शुरू करना फायदेमंद रहेगा।

धनु -आज व्यापार के क्षेत्र में किया गया कोई पुराना समझौता आपको अचानक बड़ा लाभ दे सकता है। समाज के प्रबुद्ध और प्रतिष्ठित लोगों के साथ बैठने का अवसर मिलेगा।

मकर-आज का दिन आपको करियर और व्यापार में नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप किसी बड़े व्यावसायिक समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, तो वरिष्ठों की सलाह लेकर आगे बढ़ें, सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंभ -आज आपके सोचे हुए सभी कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। ख्याल रखें कि आज आप जो भी शुरुआत करेंगे, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। करियर के मामले में आज आपको विदेश से किसी बड़ी नौकरी का प्रस्ताव अच्छे पैकेज के साथ मिल सकता है।

मीन -आज का दिन जीवन में आगे बढ़ने के कई अच्छे मौके लेकर आया है। कारोबार को बढ़ाने के लिए आपको किसी ऐसे अनुभवी व्यक्ति का साथ मिल सकता है, जो भविष्य में आपके लिए मददगार होगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। ऑटो पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक सामान या मोबाइल से जुड़ा व्यवसाय करने वाले जातकों को आज बड़ा मुनाफा होने के संकेत हैं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठ पर शिकंजा अब राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं

जांच एजेंसियों के अनुसार यह गिरोह बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या को अवैध रूप से भारत में प्रवेश दिलाने के साथ उन्हें फर्जी आधार कार्ड पैन कार्ड पासपोर्ट और अन्य भारतीय पहचान पत्र उपलब्ध कराता था। इसके बाद उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने की व्यवस्था भी की जाती थी। ईडी की कार्रवाई के दौरान पश्चिम बंगाल के एक संस्थान से लगभग 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम वजन के सोने के सिक्के बरामद होना इस बात का संकेत है कि इस पूरे अवैध कारोबार में बड़ी मात्रा में धन का लेनदेन हो रहा था।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पश्चिम बंगाल सहित चार राज्यों में की गई छापेमारी ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अवैध घुसपैठ केवल सीमा पार करके भारत में प्रवेश करने का मामला नहीं है बल्कि इसके पीछे एक संगठित और आर्थिक रूप से मजबूत नेटवर्क काम करता है। जांच एजेंसियों के अनुसार यह गिरोह बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या को अवैध रूप से भारत में प्रवेश दिलाने के साथ उन्हें फर्जी आधार कार्ड पैन कार्ड पासपोर्ट और अन्य भारतीय पहचान पत्र उपलब्ध कराता था। इसके बाद उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने की व्यवस्था भी की जाती थी। ईडी की कार्रवाई के दौरान पश्चिम बंगाल के एक संस्थान से लगभग 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम वजन के सोने के सिक्के बरामद होना इस बात का संकेत है कि इस पूरे अवैध कारोबार में बड़ी मात्रा में धन का लेनदेन हो रहा था। भारत की सीमाएं केवल भौगोलिक रेखाएं नहीं हैं बल्कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा की पहचान हैं। यदि कोई व्यक्ति वैध दस्तावेजों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भारत आता है तो वह कानून का सम्मान करता है लेकिन यदि कोई अवैध तरीके से सीमा पार करता है और फिर फर्जी दस्तावेजों के सहारे देश में बस जाता है तो यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। यही कारण है कि ऐसी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ का मुद्दा कई वर्षों से चर्चा का विषय रहा है। समय समय पर सुरक्षा एजेंसियों ने ऐसे मामलों का खुलासा किया है जिनमें सीमा पार से आए लोगों ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारतीय नागरिक होने का दावा किया। कई मामलों में यह भी सामने आया कि दलालों और स्थानीय नेटवर्क की मदद से उन्हें रोजगार आवास और पहचान पत्र उपलब्ध कराए गए। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ भी ऐसे लोगों तक पहुंचने लगा जो इसके वास्तविक हकदार नहीं थे। रोहिंग्या शरणार्थियों का विषय मानवीय दृष्टि से संवेदनशील अवश्य है लेकिन किसी भी देश के लिए उसकी सुरक्षा सर्वोपरि होती है। यदि कोई व्यक्ति कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना देश में प्रवेश करता है और उसकी पहचान तथा गतिविधियों का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं होता तो सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह चिंता का विषय बन जाता है। भारत को अपने कानूनों और राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही ऐसे मामलों का समाधान करना चाहिए। ईडी की कार्रवाई इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने केवल घुसपैठियों पर नहीं बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र पर प्रहार किया है। मनी लॉन्ड्रिंग के माध्यम से जो धन अर्जित किया जा रहा था उसका उपयोग अवैध गतिविधियों को बढ़ाने में किया जा सकता था। जब तक इस वित्तीय नेटवर्क को समाप्त नहीं किया जाएगा तब तक ऐसे गिरोह नए रास्ते खोजते रहेंगे। इसलिए धन के स्रोतों की पहचान कर उन्हें पूरी तरह बंद करना आवश्यक है। इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू फर्जी दस्तावेजों का निर्माण है। आधार कार्ड पैन कार्ड पासपोर्ट और मतदाता पहचान पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज यदि गलत तरीके से बन जाते हैं तो इससे देश की पूरी पहचान प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यह केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। इसलिए जिन अधिकारियों कर्मचारियों या एजेंटों की मिलीभगत से ऐसे दस्तावेज बनाए गए हों उनके खिलाफ भी कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। भारत की लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की प्रभावी निगरानी अब पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सीमा पर ड्रोन कैमरे सेंसर और चौबीसों घंटे निगरानी की व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए। सीमा सुरक्षा बल को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सके। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का सहयोग भी इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि स्थानीय नागरिक संदिग्ध गतिविधियों की सूचना समय पर दे सकते हैं। इसके साथ ही देश के भीतर भी व्यापक सत्यापन अभियान चलाया जाना चाहिए। जिन लोगों की नागरिकता और पहचान संदिग्ध हो उनकी निष्पक्ष जांच हो और यदि वे अवैध रूप से भारत में रह रहे हों तो कानून के अनुसार उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया अपनाई जाए। यह कार्य पूरी पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के तहत होना चाहिए ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशानी न हो और दोषी कानून के शिकंजे से बच न सके। अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने वाले दलालों और संगठित गिरोहों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए उदाहरण बने। केवल गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है बल्कि उनकी अवैध संपत्ति जब्त की जाए उनके बैंक खातों की जांच हो और उन्हें ऐसी कठोर सजा मिले जिससे कोई अन्य व्यक्ति इस प्रकार के अपराध में शामिल होने का साहस न कर सके। यदि सजा त्वरित और प्रभावी होगी तो इसका निवारक प्रभाव भी दिखाई देगा। राज्य और केंद्र सरकारों के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है। कई बार अलग अलग एजेंसियों के पास महत्वपूर्ण जानकारी होती है लेकिन समय पर उसका आदान प्रदान नहीं हो पाता। एक संयुक्त डिजिटल प्रणाली विकसित की जानी चाहिए जिसमें सीमा सुरक्षा बल पुलिस ईडी खुफिया एजेंसियां और अन्य संबंधित विभाग आवश्यक सूचनाएं साझा कर सकें। इससे अवैध नेटवर्क का शीघ्र पता लगाने में सहायता मिलेगी। भारत एक लोकतांत्रिक और संवेदनशील राष्ट्र है लेकिन संवेदनशीलता का अर्थ यह नहीं कि कानून तोड़ने वालों को छूट दी जाए। देश में रहने का अधिकार केवल उन्हीं लोगों को होना चाहिए जो भारतीय कानूनों का पालन करते हैं और वैध प्रक्रिया के माध्यम से यहां आते हैं। अवैध घुसपैठ न केवल सुरक्षा के लिए खतरा है बल्कि रोजगार संसाधनों और सरकारी योजनाओं पर भी अतिरिक्त दबाव डालती है। इसलिए इस समस्या को केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा मानकर नहीं बल्कि राष्ट्रीय नीति के स्तर पर गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। ईडी की हालिया कार्रवाई यह संदेश देती है कि अब जांच एजेंसियां केवल सीमा पार करने वालों तक सीमित नहीं रहेंगी बल्कि उन्हें संरक्षण देने वाले पूरे नेटवर्क को भी कानून के दायरे में लाएंगी। यही रणनीति आगे भी जारी रहनी चाहिए। सीमा पर चौकसी मजबूत हो अवैध दस्तावेज बनाने वाले गिरोहों का पूरी तरह सफाया हो और घुसपैठियों तथा उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ इतनी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति भारत में अवैध तरीके से प्रवेश करने या बसने का दुस्साहस न कर सके। राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है और इसकी रक्षा के लिए कठोर निर्णय तथा प्रभावी कार्रवाई दोनों अनिवार्य हैं।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

मकान का ताला तोड़ लाखों के जेवरात पर चोरों का हाथ साफ, गांव में दहशत

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के जमुआँवा गांव में चोरों ने सूने पड़े मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने मुख्य गेट और कमरों के ताले तोड़कर आलमारी व बक्सों में रखे करीब पांच लाख रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। घटना 15 जुलाई की रात की बताई जा रही है। पीड़ित दल बहादुर यादव ने बताया कि मकान में उनका बड़ा बेटा राघव और बहू रहते हैं। घटना के समय दोनों रिश्तेदारी में गए हुए थे, जबकि वह स्वयं गांव स्थित अपने दूसरे घर पर थे। बुधवार सुबह खेत जाते समय उनकी नजर मकान के टूटे हुए मुख्य गेट पर पड़ी। अंदर जाकर देखा तो कमरों के ताले टूटे थे और सामान बिखरा पड़ा था। आलमारी और बक्सों में रखे जेवरात गायब मिले। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। पीड़ित का कहना है कि बेटा और बहू के लौटने के बाद ही चोरी हुए जेवरात और अन्य सामान का सही आकलन हो सकेगा। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नदीगांव में 18 वर्षीय नवयुवक झूला फांसी पर

कोंच (जालौन)- कस्बा नदीगांव के मोहल्ला कटरा मोहाल में एक नवयुवक ने फांसी पर झूलकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, कस्बा/थाना नदीगांव के वार्ड नंबर एक कटरा मोहाल निवासी राघवेंद्र (18) पुत्र रघुवंशी शुक्रवार की सुबह घर पर दूध लाया और फिर चाय नाश्ता कर करीब 8 बजे दूसरी मंजिल पर बने अपने कमरे में चला गया। बताया जा रहा है कि इस समय घर पर नीचे की मंजिल पर उसकी माँ ही मौजूद थी जबकि पिता सहित बाकी के परिजन घर से बाहर कहीं गए हुए थे। इसी दरम्यान राघवेंद्र ने कमरे में लगे पंखे से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब मां ने कमरे में जाकर बेटे को फांसी पर झूलता देखा तो वह चीख पड़ी और इसकी सूचना बाहर लोगों को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने बताया कि घर में किसी प्रकार की कोई कलह और तनाव की बात ही नहीं थी फिर भी राघवेंद्र ने यह आत्मघाती कदम उठाया यह समझ से परे है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि जांच और पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था, एक बहिन है जिसकी शादी हो चुकी ही। मृतक खुद की लोडर गाड़ी से पुराने टायर सहित कबाड़ का सामान खरीदने बेचने का धंधा करता था।

यूडीए की लापरवाही से शहर में धड़ल्ले से हो रहे अवैध निर्माण

न नोटिस, न स्वीकृत नक्शे की जांच, नियमों को ताक पर रखकर जारी निर्माण कार्य

उन्नाव। शहर में अवैध निर्माण का सिलसिला लगातार जारी है, जबकि संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई न होने पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि बिना स्वीकृत मानचित्र और आवश्यक औपचारिकताओं के कई स्थानों पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे निर्माणों पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में शहर की नियोजित व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। आरोप है कि कई निर्माण स्थलों पर न तो किसी प्रकार का नोटिस चस्पा किया गया है और न ही स्वीकृत नक्शे का सार्वजनिक रूप से कोई विवरण उपलब्ध है। इसके बावजूद निर्माण कार्य निर्बाध रूप से जारी है। विभाग की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आमजन के बीच चर्चा है कि यह केवल विभागीय उदासीनता है या फिर अवैध निर्माणों को लेकर किसी प्रकार की मिलीभगत।

गौरीबाजार मार्ग पर टूटी पुलिया, बड़े वाहनों की आवाजाही ठप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। रुद्रपुर के खजुवा चौराहे से मंदिर मार्ग होते हुए गौरी बाजार को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर बना पुलिया क्षतिग्रस्त होने से इस मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन रोक दिया गया। दुग्धेश्वर नाथ मंदिर के सामने बैरिकेड कर पुलिया क्षतिग्रस्त होने का बोर्ड लगा दिया गया है जबकि पुलिया के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दिया है।बावजूद इसके ट्रकों का आगमन जारी है । कपरवार के उग्रसेन सेतु में होल होने के नाते रुद्रपुर नगर से ट्रकों और बसों का आगमन बढ़ गया है ।जिसके कारण रुद्रपुर के बस स्टेशन खजुहा चौराहा आदर्श चौराहा और सेमरौना चौराहे पर दिन-रात भीषण जाम की स्थिति बन रही है। ट्रकों और बड़े-बड़े ट्रेलरों के आगमन से समूचा रुद्रपुर नगर जाम के झाम में जूझ रहा है। ड्यूटी के नाम पर एक दो सिपाही लगाए गए हैं। रुद्रपुर असवनपार और रुद्रपुर करहकोल मार्ग पर ट्रकों के आगमन बढ़ने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को सड़क पर हुए रेनकट के चलते एक गिट्टी लदी ट्रक पलट गई।हालांकि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। बता दें की सावन का महीना नजदीक है। सावन में कांवरिया जल लेकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। एक महीने तक चलने वाले मेले में शहर में अत्यधिक भीड़ की स्थिति बनती है। ऐसे में मंदिर मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया का मरम्मत नहीं किया गया तो स्थिति भयावह हो सकती है। नवागत उप जिलाधिकारी राजकुमार गुप्ता ने पीडब्ल्यूडी के अभियंता को जल्द पुलिया की मरम्मत करने और नगर क्षेत्र की सड़कों का निरीक्षण कर सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम करने का निर्देश दिया।

मुरदेवा चौपाल में विधायक ने सुनीं जनसमस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। विकास खंड खजनी की ग्राम पंचायत मुरदेवा में शुक्रवार को आयोजित ग्राम चौपाल विकास, जनसुनवाई और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त मंच बनी। कार्यक्रम की अध्यक्षता खजनी के लोकप्रिय विधायक श्रीराम चौहान ने की। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्रीराम चौहान ने ग्रामीणों को केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ लें तथा किसी भी समस्या की जानकारी सीधे प्रशासन को दें।

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली, आवास, पेंशन, राशन, राजस्व तथा अन्य स्थानीय समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। विधायक ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कई मामलों में मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि शेष समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर भूजल सप्ताह के अंतर्गत जल संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विधायक ने उपस्थित ग्रामीणों को जल बचाने, वर्षा जल संचयन अपनाने तथा भूजल स्तर को सुरक्षित रखने की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को एक-एक पौधा वितरित किया गया। विधायक श्रीराम चौहान ने स्वयं पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया और सभी से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने तथा उसकी देखभाल करने का आह्वान किया।

पहले ही प्रयास में नीट पास कर नित्या शुक्ला ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के रायगढ़ निवासी दवा व्यवसायी कौशलेश शुक्ला की बेटी नित्या शुक्ला ने पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 6817 हासिल की है। नित्या ने बताया कि नियमित पढ़ाई और लगातार तैयारी से उन्हें यह सफलता मिली। उन्होंने अपनी पढ़ाई में अनुशासन और निरंतर अभ्यास को सबसे अहम बताया। नित्या शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। उनके बड़े भाई दिव्यांश शुक्ला भी पिछले वर्ष नीट उत्तीर्ण कर मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। बेटी की सफलता से पिता कौशलेश शुक्ला, मां अर्चना शुक्ला और बाबा सेवानिवृत्त शिक्षक शिवप्रकाश शुक्ला बेहद खुश हैं। घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह, भैयाजी, दीपक त्रिवेदी, रणवीर सिसोदिया, दीपक सिंह, जयप्रकाश सिंह, सनी और जयहिंद सहित कई लोगों ने नित्या को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गोरखपुर पुलिस में बड़ा फेरबदल, 22 पुलिसकर्मियों के तबादले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनहित एवं पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गोरखपुर पुलिस प्रशासन ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 22 उपनिरीक्षकों एवं एक आरक्षी के कार्यक्षेत्र में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया है। वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नए तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी सूची के अनुसार उपनिरीक्षक ओम प्रकाश गुप्ता को पुलिस लाइन से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पीआरओ बनाया गया है। वहीं राजेन्द्र कुमार को पीपीगंज से धर्मशाला चौकी, आभांश मिश्रा को सहजनवा से जंगल कौड़िया चौकी, रजनीश मिश्रा को चौरी-चौरा से डुमरीखास चौकी तथा अनीश सिंह को पिपराइच से बैलो चौकी का प्रभारी बनाया गया है। इसी क्रम में आदित्य उपाध्याय को रहमतनगर से जंगल धूषण, आनन्द उपाध्याय को रामगढ़ताल से रहमतनगर, शशिकिरण सिंह को कौव्वाबाग, रजत त्रिपाठी को नथमलपुर, आलोक शुक्ला को एयरफोर्स चौकी तथा अनूप सिंह को पुलिस लाइन से गजपुर चौकी भेजा गया है। इसके अलावा देशराज सरोज को पादरी बाजार, पंकज कुमार को सूर्यविहार, आदर्श पाण्डेय को घघसरा, अंकुर सिंह को बरही, आशुतोष कुमार वर्मा को चीनीमील, शालिनी पाण्डेय को जाफराबाजार, जयप्रकाश त्रिपाठी को पटनाघाट, हरिओम सिंह को नौकायान तथा राजेन्द्र सिंह को हरनही चौकी का दायित्व सौंपा गया है। प्रशासनिक आदेश में विनोद राय को सम्मन सेल से पैरवी हाईकोर्ट, सम्मन सेल तथा आरक्षी प्रवीण त्रिपाठी को रामगढ़ताल थाने से पैरवी हाईकोर्ट, सम्मन सेल में तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि यह फेरबदल जनहित, कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा पुलिस कार्यप्रणाली में गति और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे बिना विलंब अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर अनुपालन सुनिश्चित करें। इस व्यापक तबादला सूची को पुलिस महकमे में महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम माना जा रहा है, जिससे विभिन्न थाना क्षेत्रों और चौकियों में पुलिसिंग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

खाद के लिए भटक रहे किसान, उर्वरक केंद्रों पर लंबी कतारें

धान की रोपाई के बीच फार्मर रजिस्ट्री बनी बाधा, किसानों ने व्यवस्था सरल करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। धान की रोपाई के महत्वपूर्ण दौर में महराजगंज क्षेत्र के किसान उर्वरक के लिए परेशान हैं। साधन सहकारी समितियों और निजी उर्वरक विक्रेताओं के यहां सुबह से देर शाम तक किसानों की लंबी कतारें लगी हैं। कई किसानों का कहना है कि फार्मर रजिस्ट्री न होने के कारण उन्हें खाद मिलने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इससे समय पर खेतों में उर्वरक नहीं पहुंच पा रहा है और फसल पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि खेती पूरी तरह समय पर निर्भर करती है। धान की रोपाई के बाद यदि निर्धारित समय पर उर्वरक नहीं मिला, तो फसल की बढ़वार और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। कई किसान लगातार कई दिनों से समितियों और दुकानों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें अपेक्षित मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही है।

क्षेत्र के किसानों ने मांग की है कि कृषि कार्य की व्यावहारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उर्वरक वितरण व्यवस्था को सरल बनाया जाए। उनका कहना है कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभी नहीं हो सकी है, उन्हें आधार कार्ड अथवा अन्य वैध पहचान पत्र के आधार पर भी उर्वरक उपलब्ध कराया जाए, ताकि खेती का कार्य प्रभावित न हो। किसानों का कहना है कि सरकार की मंशा किसानों को सुविधा देने की है, इसलिए वितरण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिससे पात्र किसान समय पर खाद प्राप्त कर सकें।

किसानों की प्रमुख मांगें

फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता पर पुनर्विचार किया जाए।

आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र के आधार पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।

धान रोपाई के मौसम में पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

समितियों एवं निजी दुकानों पर वितरण व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया जाए।

अन्नदाता का सवाल 'जब समय पर खेतों तक खाद ही नहीं पहुंचेगी, तो बेहतर उत्पादन कैसे होगा? ' धान की रोपाई के इस महत्वपूर्ण समय में किसान प्रशासन और शासन से शीघ्र हस्तक्षेप की अपेक्षा कर रहे हैं, ताकि उर्वरक की उपलब्धता सुचारु हो सके और खेती का कार्य बिना बाधा के आगे बढ़े।

काम करते समय हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आकर राजमिस्त्री की मौत

कोंच (जालौन)- मकान निर्माण के दौरान हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से एक राजमिस्त्री की मौत हो गई। हादसे के समय वह अपने भाई और भतीजे के साथ निर्माण कार्य कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कनासी निवासी रामसेवक कुशवाहा (52) राजमिस्त्री का कार्य करते थे। शुक्रवार को वह अपने भाई वीरेंद्र और भतीजे रोहित के साथ ग्राम चकधारी निवासी देवेंद्र गुर्जर के मकान का निर्माण कर रहे थे। बताया गया कि करीब छह से सात फीट ऊंची दीवार पर छज्जा डालने का काम चल रहा था। इसी दौरान रामसेवक के हाथ में पकड़ी सिल्वर की फंटी ऊपर निकली हाईटेंशन बिजली लाइन से छू गई। फंटी में करंट दौड़ने से वह गंभीर रूप से झुलस गए और अचेत होकर नीचे गिर पड़े। हादसे के बाद साथ काम कर रहे भाई और भतीजे ने तत्काल मकान मालिक को सूचना दी। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच लाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर नदीगांव पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि मृतक तीन भाइयों में एक थे। उनके परिवार में पुत्र श्याम और पुत्री राधा हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

महराजगंज को मिली नई खंड विकास अधिकारी, श्रद्धा सोनकर ने संभाली जिम्मेदारी

महराजगंज (रायबरेली)। विकासखंड महराजगंज को आखिरकार नई खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) मिल गई हैं। जिलाधिकारी रायबरेली के अनुमोदन के क्रम में श्रद्धा सोनकर की तैनाती महराजगंज विकासखंड के खंड विकास अधिकारी के रूप में की गई है। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से महराजगंज विकासखंड में खंड विकास अधिकारी का पद रिक्त चल रहा था, जिसके कारण विकास कार्यों के संचालन और प्रशासनिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा था। अब श्रद्धा सोनकर की नियुक्ति के बाद विकासखंड के लंबित कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। नई बीडीओ की तैनाती से ग्राम पंचायत सचिवों, जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्रीय लोगों में उत्साह का माहौल है। लोगों का मानना है कि उनके नेतृत्व में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और आमजन की समस्याओं के समाधान में भी तेजी आएगी।

सदर तहसील में एसडीएम ज्ञान प्रताप सिंह ने संभाला कार्यभार

लापरवाही बर्दाश्त नहीं, हर फरियादी की समस्या का होगा समयबद्ध निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सदर तहसील के नवागत उप जिलाधिकारी (एसडीएम) ज्ञान प्रताप सिंह ने शुक्रवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने जनसुनवाई को प्राथमिकता देते हुए कार्यालय पहुंचे फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। पहले ही दिन उनकी सक्रिय कार्यशैली से फरियादियों में नई उम्मीद जगी। कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसडीएम ज्ञान प्रताप सिंह ने नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल एवं पटल प्रभारियों के साथ बैठक कर प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी फाइल एक दिन से अधिक लंबित नहीं रहेगी और सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। विशेष रूप से किसानों और आम जनता से जुड़े मामलों को तत्काल हल करने पर जोर दिया गया।

एसडीएम ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता प्रत्येक फरियादी की समस्या का शीघ्र और प्रभावी समाधान करना है, ताकि किसी भी व्यक्ति को एक ही समस्या के लिए बार-बार तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में सुधार लाकर जवाबदेही तय की जाएगी और जनता को पारदर्शी एवं बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने दो टूक कहा कि पहले क्या होता था, इससे उन्हें कोई सरोकार नहीं है। अब पूरी व्यवस्था को सुचारु और जनहितैषी बनाया जाएगा। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने पटल पर नियमित रूप से उपस्थित रहकर जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ज्ञान प्रताप सिंह की इस पहल से सदर तहसील की कार्यसंस्कृति में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

गोला तहसील पर नवागत एसडीएम मनीष कुमार ने पहुंच कर किया कार्यभार ग्रहण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। शासन द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के तहत शुक्रवार को जनपद मुख्यालय से 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी मनीष कुमार गोला तहसील मुख्यालय पर पहुंच कर विधिवत् उपजिलाधिकारी गोला का कार्यभार ग्रहण कर लिया। तदोपरांत कार्यालय में उपस्थित होकर पहले गोला तहसील पर कार्यरत सक्षम अधिकारी एवं कर्मचारियों से विधिवत् रूबरू हुए। और अपने विचारों एवं कार्य शैली के विषय में सभी के साथ साझा किए।साथ ही तहसील की व्यवस्था को भी विधिवत् समझे। उसके बाद आने वाले आगंतुकों से भी मिले। बताते चले कि नवागत एसडीएम मूल रूप से हमीरपुर जनपद के निवासी है। उच्च शिक्षा बुंदेलखंड विश्व विद्यालय से संपन्न हुई है। वर्ष 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी के रूप में चयनित होने के बाद उनकी पहली नियुक्ति फतेहपुर जनपद में हुई, जहां उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं की शुरुआत किया। तदोपरांत 4 जुलाई 2023 को उनका स्थानांतरण ललितपुर जनपद में हुआ। ललितपुर में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। अपने लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्होंने पाली तहसील के उपजिलाधिकारी, ललितपुर सदर न्यायिक उपजिलाधिकारी तथा बाद में सदर उपजिलाधिकारी के रूप में कार्य किया। इस दौरान राजस्व, कानून-व्यवस्था और जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर उनकी कार्यशैली की सराहना की गई।

ललितपुर में कार्यकाल पूर्ण होने के बाद उनका स्थानांतरण जनपद गोरखपुर हो गया। इस जनपद में गोला तहसील पर बतौर उपजिलाधिकारी पहली तैनाती हुई है। गोला तहसील में नए एसडीएम के रूप में उनकी तैनाती को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। क्षेत्र के लोगों को उम्मीद है कि उनके अनुभव और सक्रिय कार्यशैली का लाभ आम जनता को मिलेगा तथा राजस्व और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी। उन्होंने एक औपचारिक भेट में पत्रकारों को बताया कि शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाना मेरी पहली प्राथमिकता में होगा।पीड़ितों को विधिसम्मत न्याय दिलाने के साथ साथ शासन के दिशा निर्देश का पालन होगा। पीड़ितों की पीड़ा को विधिवत सुना जाएगा और निस्तारण का प्रयास किया जाएगा।

नौतनवा में फरार अपराधी अमरमणि त्रिपाठी के दिखने से दहशत

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने मांगी सुरक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवा, महाराजगंज। पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह पाण्डेय ने नौतनवा थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर फरार अपराधी अमरमणि त्रिपाठी की तत्काल गिरफ्तारी और अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग की है। यह शिकायती पत्र क्षेत्राधिकारी नौतनवा और पुलिस अधीक्षक महाराजगंज को भी भेजा गया है। पाण्डेय का आरोप है कि 13 जुलाई 2026 को दिन में लगभग 3 बजे अमरमणि त्रिपाठी अपने साथियों और एक पुलिस के जवान के साथ उनके सरोजिनी नगर, वार्ड 15 स्थित आवास व जनसंपर्क कार्यालय के आस-पास संदिग्ध हालत में घूम रहा था। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि अमरमणि त्रिपाठी क्षेत्र की रेकी कर रहा था और आने-जाने के रास्ते देख रहा था, जिससे उनके परिवार को जान-माल का खतरा है।नरसिंह पाण्डेय के अनुसार अमरमणि त्रिपाठी पर लूट, हत्या, बलात्कार और अपहरण समेत 36 मुकदमे दर्ज हैं। वह कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट चुका है और रिमिशन पर रिहा होने के बाद अब राहुल अपहरण कांड में फरार चल रहा है।

पत्र में यह भी उल्लेख है कि अमरमणि के साथ एक पुलिस का जवान भी मौजूद था, जिसका साक्ष्य आवेदक के पास उपलब्ध है। पाण्डेय ने तीनों अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, आरोपी को गिरफ्तार करने और पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की अपील की है। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया गया। पुलिस का कहना है कि प्रार्थना पत्र मिला है और मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में 400 स्कूल वैन चालकों ने की हड़ताल, चक्का जाम की भी तैयारी

आगरा। परिवहन और यातायात पुलिस की कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को 400 से अधिक स्कूल वैन चालकों ने हड़ताल कर दी। चालकों के अचानक हड़ताल के एलान से अभिभावकों को सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने और दोपहर में उन्हें लाने के लिए दौड़ लगानी पड़ी। लगातार कार्रवाई के विरुद्ध स्कूल वैन चालक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को आरटीओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया। यहां के बाद वह पुलिस कमिश्नरेट डीसीपी यातायात से मिलने पहुंचे। शुक्रवार को भी शहर के सभी स्कूल वैन चालकों ने चक्का जाम का एलान किया है। चालकों का कहना है कि शुक्रवार को परिवहन और यातायात पुलिस अधिकारियों से वार्ता होगी, बात नहीं बनी तो शनिवार तक चक्का जाम रहेगा। जिले में 165 से अधिक सीबीएसई और सीआइएससीई से संबद्ध स्कूल हैं। जिनमें 1100 से अधिक स्कूल बस हैं। इसके अलावा दो हजार स्कूल वैन हैं। ताजा मामला डायट के बगल में राधिका पार्लर के ऊपर बन रहे मकान के निर्माण का बताया जाता है।

शासकीय कार्य में लापरवाही एवं कर्मचारी आचरण नियमावली के उल्लंघन पर लेखपाल निलंबित

फार्मर रजिस्ट्री अभियान में ड्यूटी के दौरान अनुचित व्यवहार एवं आदेशों की अवहेलना करना पड़ा भारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद में संचालित फार्मर रजिस्ट्री अभियान के दौरान शासकीय कार्यों में लापरवाही तथा कर्मचारी आचरण नियमावली के उल्लंघन के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए तहसील तरबगंज के लेखपाल संदीप कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई तहसीलदार तरबगंज की जांच आख्या के आधार पर की गई है।जांच के अनुसार श्री संदीप कुमार यादव, लेखपाल क्षेत्र दौलतपुर, परगना नवाबगंज, तहसील तरबगंज, की ड्यूटी 13 एवं 14 जुलाई, 2026 को राजस्व ग्राम दुर्जनपुर में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री शिविर में लगाई गई थी। अभियान के दौरान पंचायत विभाग के कर्मचारी द्वारा दूरभाष के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री की अद्यतन प्रगति संबंधी सूचना मांगी गई, लेकिन संबंधित लेखपाल ने अपेक्षित जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

जांच में कर्मचारी आचरण नियमावली के उल्लंघन की पुष्टि, प्रशासन ने दिखाई सख्ती

तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि संबंधित लेखपाल का आचरण शासकीय सेवक से अपेक्षित मर्यादा एवं अनुशासन के अनुरूप नहीं था। साथ ही, उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना, विभागीय समन्वय में बाधा उत्पन्न करना तथा सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतना प्रथम दृष्टया सिद्ध पाया गया। इसे शासन की प्राथमिकता वाले अभियान में गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए सक्षम प्राधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई की गई।

निलंबन अवधि में रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय तरबगंज से रहेंगे संबद्ध

प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान श्री संदीप कुमार यादव को रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय से संबद्ध किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय योजनाओं एवं अभियानों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा कर्मचारी आचरण नियमावली के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन तथा जनहित से जुड़े कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जोनिहिया-मुंडा कोडरा मार्ग की बदहाली से राहगीर परेशान, मरम्मत की उठी मांग

सहजनवा ब्लॉक अंतर्गत भीटी रावत एनएच-28 से सटे जोनिहिया-मुंडा कोडरा मार्ग की हालत इन दिनों बेहद खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग भीटी रावत से अंदरूनी क्षेत्रों को जोड़ते हुए घघसरा-बखिरा मार्ग तक पहुंचने का प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिस पर प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क से रोजाना स्कूली छात्र-छात्राएं, स्कूल बसें, किसान, व्यापारी और अन्य वाहन चालक गुजरते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर स्थिति के कारण आए दिन लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जिससे वाहन चालकों को सड़क पर चलना जोखिम भरा साबित हो रहा है।

ग्रामीण संतोष, महेश, रामहित, वीरेन्द्र और राजकुमार ने बताया कि कई बार दोपहिया वाहन चालक गड्ढों में फंसकर गिर चुके हैं। जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) से बात की गई। उन्होंने बताया कि सड़क का निरीक्षण किया जा चुका है और इसके चौड़ीकरण एवं मरम्मत के लिए 5.30 मीटर चौड़ी सड़क का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव स्वीकृत होते ही सड़क पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

फिरोजाबाद में बड़ा एनकाउंटर,: संबलपुर एक्सप्रेस से भाग रहे दो इनामी बदमाश ढेर

स्वतंत्र प्रभात

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में शुक्रवार को पुलिस और दो इनामी बदमाशों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में दोनों बदमाश मारे गए। मारे गए बदमाशों की पहचान अंकित और सुमित के रूप में हुई है। दोनों पर एक दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे और वे इटावा में डॉक्टर से हुई लूट की वारदात के मुख्य आरोपी बताए जा रहे हैं। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोलीबारी में इटावा एसओजी के दो सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर होने पर आगरा रेफर किया गया है।

संबलपुर एक्सप्रेस में सवार थे आरोपी, स्टेशन पर की गई घेराबंदी

इटावा एसओजी को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी गाजियाबाद से झारखंड जा रही संबलपुर एक्सप्रेस में सवार हैं। सूचना के आधार पर शुक्रवार सुबह करीब 11:45 बजे शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की घेराबंदी की गई। पुलिस को देखते ही दोनों बदमाश ट्रेन से उतरकर भागने लगे और एसओजी टीम पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में एसओजी के सिपाही डेविड चौहान और पुष्पेंद्र गोली लगने से घायल हो गए। एक जवान के पेट और दूसरे के कंधे में गोली लगी। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। फायरिंग के बाद बदमाशों ने स्टेशन पर अफरा-तफरी मचा दी। आगरा जोन के एडीजी एस.के. भगत के अनुसार, भागते समय बदमाशों ने एक बच्चे को पकड़कर लोगों में दहशत फैलाई और फिर एक मोटरसाइकिल छीनकर थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के नीम खेरिया (नगला) गांव की ओर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही फिरोजाबाद, इटावा और मैनपुरी पुलिस सहित आगरा एवं कानपुर जोन की पुलिस को अलर्ट किया गया। करीब 300 पुलिसकर्मियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर खेतों में व्यापक सर्च एवं कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू किया। खेतों में छिपे बदमाशों ने पुलिस पर दोबारा फायरिंग की। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाश गोली लगने से मौके पर ही ढेर हो गए।

मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारी

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही आगरा जोन के एडीजी एस.के. भगत, फिरोजाबाद के एसएसपी आदित्य लांग्हे, इटावा के एसएसपी ब्रजेश श्रीवास्तव तथा एएसपी अभय नाथ त्रिपाठी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने दोनों बदमाशों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं तथा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एडीजी एस.के. भगत ने पुलिस टीम की सराहना की

एडीजी एस.के. भगत ने कहा कि इटावा और फिरोजाबाद पुलिस ने अदम्य साहस का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि इटावा पुलिस के पास सटीक सूचना थी, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। बदमाशों ने पुलिस पर जानलेवा हमला किया, एक बच्चे को बंधक बनाया और बाइक लूटकर भागने का प्रयास किया, लेकिन संयुक्त पुलिस अभियान के दौरान करीब दो से तीन घंटे चली कार्रवाई के बाद दोनों को मार गिराया गया। घायल दोनों पुलिसकर्मियों का इलाज जारी है, जिनमें एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रक ने रौंदा; जवान की मौत

सेना में चयन के बाद ज्वाइनिंग का था इंतज़ार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना बिधनू क्षेत्र के किसान नगर मार्ग पर सूरज नगर के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने दौड़ लगा रहे दो युवकों को टक्कर मार दी, हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया, घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया,इस भीषण हादसे में भारतीय सेना में चयनित हो चुकें एक होनहार युवक की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दर्दनाक मौत हो गई,, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया, युवक के चयन होने पर घर में खुशियों का माहौल था वहीं इस हादसे के बाद परिवार में खुशियां चीख पुकार मे बदल गई, जानकारी के मुताबिक बिधनू थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले जमरेही गांव निवासी एक युवक का चयन भारतीय सेना की टीए विंग में हुआ था,, मृतक के भाई ने रोते हुए बताया कि भाई का सेना में जाने का सपना पूरा हो चुका था,उसका ज्वाइनिंग लेटर आने ही वाला था,, स्थानीय लोगों ने तुरंत सड़क दुघर्टना की सूचना बिधनू थाना पुलिस को दी ,, पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनो लहूलुहान युवकों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया, युवक की नाजुक हालत को देखते हुए बड़े अस्पताल के लिए रिफर कर दिया, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था अस्पताल ले जाते समय जवान की रास्ते में ही मौत हो गई,, परिजनों में कोहराम मच गया,, जवान बेटे की मौत की खबर जमरेही गांव पहुंची, तों गांव में सन्नाटा पसर गया, परिजनों के साथ साथ ग्रामीणों की आंखें नम हो गई,, बिधनू पुलिस ने मृतक के शव को पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया,, ट्रक चालक और वाहन की तलाश के लिए घटनास्थल और सूरज नगर के आसपास लगे सीसीटीवी, जनसेवा केंद्र, दुकानों,और हाइवे के सीसीटीवी फुटेज को गहनता से खंगाला जा रहा है,, घायल युवक का अस्पताल में इलाज जारी है।

संक्षिप्त खबरें

2027 के यूपी बोर्ड के प्राइवेट परीक्षार्थियों के लिए सात अग्रसारण केंद्र घोषित

कानपुर ग्रामीण। कानपुर यूपी बोर्ड द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2027के प्राइवेट परीक्षार्थियों के पंजीकरण और आवेदन पत्र अग्रसारण की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ज़िले में सात अग्रसारण केंद्र घोषित किए गए हैं,, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि शहरी क्षेत्र सदर घाटमपुर,नरवल, और बिल्हौर, तहसीलों के राजकीय विद्यालयों को अग्रसारण केंद्र बनाया गया है,, राजकीय बालिका इंटर कालेज चुन्नी गंज, राजकीय बालिका इंटर कालेज सिंहपुर, राजकीय बालिका इंटर कालेज भौती, राजकीय बालिका इंटर कालेज बिधनू, राजकीय बालिका इंटर कालेज घाटमपुर, राजकीय बालिका इंटर कालेज नरवल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आलिया पुर शामिल हैं, प्रत्येक केंद्र पर अधिकतम 500 , हाईस्कूल,और 700 इंटरमीडिएट कुल 1200 प्राइवेट परीक्षार्थियों के आवेदन पत्रों का पंजीकरण और अग्रसारण किया जाएगा,, प्रदेश के बाहर के परिक्षार्थियों,विदेशी नागरिकों तथा अन्य शिक्षा बोर्डो से आने वाले छात्रों का पंजीकरण बालिका इंटर कालेज चुन्नी गंज में होंगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस आज जसराना तहसील में जनता की समस्याएं सुनेंगे डीएम व एसएसपी

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में आज शनिवार को तहसील जसराना में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं को सुनेंगे तथा उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। इसके अतिरिक्त जनपद की सभी तहसीलों के सभागारों में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा, जहां संबंधित अधिकारी जन शिकायतों का निस्तारण करेंगे। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रातः 10 बजे से समाधान दिवस में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर जन शिकायतों का प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी।

फिरोजाबाद में 'भूजल सप्ताह' का शुभारंभ, जल संरक्षण का लिया संकल्प

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जनपद फिरोजाबाद में 16 जुलाई से 22 जुलाई, 2026 तक आयोजित होने वाले 'भूजल सप्ताह' का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। 'जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं कोई विकल्प' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भूजल स्तर में सुधार तथा जल की बर्बादी रोकने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने जल संरक्षण से संबंधित प्रचार सामग्री, पोस्टर और मार्गदर्शिका बुकलेट का विमोचन किया। कार्यक्रम में बताया गया कि इस बुकलेट के माध्यम से आमजन को वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) एवं भूजल पुनर्भरण की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग जल संरक्षण के प्रति जागरूक होकर इन उपायों को अपनाएं। 16 से 22 जुलाई तक चलने वाले भूजल सप्ताह के दौरान जनपद के सभी विकास खंडों, ग्राम पंचायतों एवं शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल चौपाल, स्कूली बच्चों के लिए निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, तालाबों के जीर्णोद्धार, तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियों के निरीक्षण एवं सुदृढ़ीकरण जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि लगातार गिरता भूजल स्तर गंभीर चिंता का विषय है।

भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक नागरिक को जल संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा तथा पानी की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करते हुए वर्षा जल संचयन को जन-आंदोलन का रूप देना होगा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जल निगम, विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मत्स्य विभाग की योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, 31 जुलाई तक करें आवेदन

फिरोजाबाद। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य ने बताया कि जनपद फिरोजाबाद में वर्ष 2026-27 के लिए मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न लाभकारी योजनाओं हेतु विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक व्यक्ति 16 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मछली विक्रय हेतु मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना के लिए आमंत्रित किए गए हैं। इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक योजना हेतु अलग-अलग ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा।

फर्जी डिग्रियां, सरकारी दस्तावेज तैयार करने वाले तीन साईबर कैफे संचालकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बड़ी मात्रा में फर्जी दस्तावेज, मोहरें, डिग्रियां, मार्कशीट, आधार,पेन बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। थाना कल्याणपुर क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले तीन साईबर कैफे संचालकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमाम आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण पत्र,टीसी, पेनकार्ड, सरकारी मोहरें, विधायकों की मोहरें, मार्कशीट आदि सरकारी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। ये तुरंत ग्राहक को आईडी बनाकर दे देते थे और उसके बदले मोटी रकम वसूलते थे। यह जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस एम कासिम आबिदी ने बताया कि कुछ समय से मुखबिर के द्वारा सूचना मिल रही थी कि कल्याणपुर क्षेत्र में कुछ साईबर कैफे हैं जो कूटरचित दस्तावेज तैयार करके बेचते हैं। आज पुलिस ने इन कैफ़े पर छापा मारा तो तमाम सरकारी व अन्य संस्थाओं के फर्जी दस्तावेज बरामद किए। पुलिस ने इन कैफ़े के संचालकों तेजस पाल, नितेश और अनुराग को गिरफ्तार किया है। इनके पास कुछ अन्य लोग आते थे जो इनसे फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे और उसके बदले इनको कुछ पैसा देते थे और वो लोग इन दस्तावेजों के बदले लोगों से मोटी रकम वसूलते थे, पुलिस तलाश कर रही है कि ये लोग कौन थे, उनकी जानकारी की जा रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस एम कासिम आबिदी ने बताया कि ये कैफ़े संचालक तजाकिस्तान के एक नंबर से संचालित अनधिकृत पोर्टल के माध्यम से फर्जी दस्तावेज तैयार करते थे। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि करीब 3-4 साल से ये लोग यह काम कर रहे हैं।

सांसद रमेश अवस्थी के आम महोत्सव में उमड़ा जन सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां सांसद रमेश अवस्थी द्वारा 19 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा आम महोत्सव लोगों के बीच चर्चा में सराहना का पात्र बना हुआ है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता से अपने कैरियर की शुरुआत करने वाले वह देश के पहले ऐसे समाजसेवी है, जो राजनीति में प्रवेश करने यानी सांसद बनने के पहले से फलों के राजा आम महोत्सव का आयोजन कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य देश की सबसे बड़ी ताकत कृषि परंपरा को नई दिशा, उसे व्यापक पहचान,उसके किसानों को सम्मान और उनको बेहतर मंच देना है। किदवई नगर स्थित संस्कार मैदान में इस बार भी भव्य आयोजित हुए आम महोत्सव में उमड़ी हजारों की भीड़ के बीच फिल्म अभिनेता रंजीत विधायक महेश त्रिवेदी, राहुल बच्चा सोनकर, सलिल विश्नोई, सरोज कुरील, भाजपा जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ,डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह आदि भी दशहरी, लंगड़ा, चौसा, सफेदा समेत 300 से अधिक प्रजातियों के आमों की लगाई गई प्रदर्शनी देखने पहुंचे। इस भव्य महोत्सव के दौरान लोगों ने आम की विभिन्न प्रजातियों सहित जामुन का भी लुफ्त उठाया। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आए आम उत्पादक किसानों को सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान ही मनाए गए सादगी पूर्ण जन्मदिन पर सांसद रमेश अवस्थी के सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट पुत्र सचिन अवस्थी को शुभकामनाएं देने वालों की भी भीड़ लगी रही। इसी क्रम में यह भी अवगत कराते चलें कि यहां नगर सांसद बनने के बाद हर किसी के सुख दुख में सदैव साथ खड़े होने वाले जनहित में अपनी धुन के पक्के जुझारू, तेजतर्रार और व्यवहार कुशल सांसद रमेश अवस्थी ने जन समस्याओं के खिलाफ विकास की जो गंगा बहानी शुरू की है ,उससे यह भी साबित होता प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनहितकारी नीतियों के अनुरूप आम जनता के हित में अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करने वाले सांसद रमेश अवस्थी के लगातार जारी कठोर परिश्रम पूर्ण प्रगाढ़ सेवा भाव के फलस्वरूप निकट भविष्य में जो सार्थक परिणाम सामने आएगा, उससे कानपुर में जन समस्याएं हल करने के साथ ही सर्वाधिक विकास कार्य कराने का रिकार्ड भी टूटकर रहेगा। जन सेवा ही संकल्प और जनहित ही प्राथमिकता जैसे अपने नारे के अनुरूप अपना सर्वाधिक समय जनता की सेवा में व्यतीत करने वाले व्यवहार कुशलता से जनित लोकप्रियता के भी धनी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भाजपा सांसद रमेश अवस्थी का जारी यह सार्थक सफल प्रयास भाजपा को और अधिक मजबूती प्रदान करने वाला भी माना जा रहा है। कानपुर दक्षिण में पहली बार आयोजित इस भव्य आम महोत्सव के दौरान जन सेवा भाव के मामले में सांसद रमेश अवस्थी के ही पद चिन्हों पर चलने वाले उनके सरल, शालीन और सहज स्वभाव के दोनों पुत्रों सचिन और शुभम अवस्थी द्वारा लोगों से भावपूर्ण मिलन और उनका आत्मीय स्वागत भी सराहना पूर्ण चर्चा का विषय रहा।

नाला बंद होने से लोक निर्माण की सड़क पर भरा पानी

खंड विकास अधिकारी ईशा हर्षित अग्निहोत्री ने बताया मामला जानकारी में नहीं जानकारी कर कार्यवाही की जाएगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली /क्यों लड़िया। स्वास्थ्य विभाग 1 जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम चल रहा है जिसमें हर जगह साफ सफाई रखना का निर्देश दिया जाता रहा है परंतु यहीं पर लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई पक्की सड़क के ऊपर गांव की गंदी नाली का पानी भरा हुआ है। जिसके कारण संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है इस गंदे पानी से होकर क्यों लड़िया में स्थित भारतीय स्टेट बैंक मैं जाने वाले उपभोक्ताओं को इसी गंदे पानी से होकर जाना पड़ रहा है इसी तरह डॉक्टर संदीप गंगवार के क्लीनिक पर जाने के लिए भी इसी पानी से होकर जाना पड़ रहा है यह मामला कहानी दूर का नहीं परंतु की क्यों लड़िया का है । ब्लॉक मुख्यालय से मात्र 300 मीटर की दूरी पर यह गंदा पानी लोक निर्माण विभाग की सड़क पर भरा हुआ है जिसके कारण सड़क पर निकालने वालों को भी संकट का सामना करना पड़ रहा है इस मामले में ग्राम पंचायत सचिव नरेश सागर से बात की गई तो बताया गया नल बंद होने के कारण सड़क पर पानी भरा है दुकानदारों ने नाली बंद कर दी है। इस पर खंड विकास अधिकारी भदपुरा ईशा हर्षिता अग्निहोत्री ने बताया मामला जानकारी में नहीं है फिर भी इसे दिखवाकर निस्तारण करने का प्रयास किया जाएगा यह सड़क क्यों लड़िया से नकटी नारायणपुर होती हुई मेथी चौराहा हाईवे पर जाकर मिलती है इस पर 24 घंटे आवा गवन जारी रहता है परंतु इस पर किसी ने भी कार्यवाही करने का साहस नहीं जुटाया है । पूर्व जिला पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान पति रविंद्र कुमार गंगवार ने स्वतंत्र प्रभात से बात करते हुए कहा इस पानी के निकलने के लिए असलम सरिया सीमेंट की दुकान से लेकर ब्लॉक के पश्चिम गेट तक नाला बना हुआ है जिसे दबंगों द्वारा पाठ कर बंद कर दिया गया है जिसके कारण पानी का निकास नहीं हो पा रहा है उन्होंने एक बार जेसीबी लाकर नाल खुलवाने की बात कही तो कुछ लोगों ने उन्हें आर पार की लड़ाई की चेतावनी दी थी।

जिस कारण इस नाले को खुलवाया नहीं जा सका उन्होंने कहा इस नल को खुलवाने के लिए प्रशासन को पहल करनी चाहिए तभी सड़क से जल भराव से मुक्ति मिल सकती है परंतु अभी तक यह पानी नहर में जाता रहा परंतु अब नहर विभाग ने इस पानी को लेने से मन कर दिया है जिस कारण सड़क पर पानी भरा है इस पर उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा प्रशासन अपनी मौजूदगी में नल को खुलवाये जो भी खर्च आएगा उसे ग्राम पंचायत वहन कर लेगी।

कलक्ट्रेट गेट पर दंपती ने बेटी संग की आत्मदाह की कोशिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। कलक्ट्रेट गेट पर पेट्रोल उड़ेलकर एक दंपती ने अपनी बच्ची के साथ आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए पेट्रोल भरी बोतल छीन ली और तीनों को सुरक्षित बचाते हुए बड़ी अनहोनी को टाल दिया। मीरगंज निवासी लाल सिंह अपनी पत्नी और बेटी के साथ करीब 11:45 बजे कलक्ट्रेट पहुंचे थे। पुलिस-प्रशासन की लापरवाही से क्षुब्ध होकर लाल सिंह ने पत्नी-बेटी संग सामूहिक आत्मदाह करने का इरादा कर लिया। कलक्ट्रेट गेट पर भारी भीड़भाड़ के बीच लाल सिंह ने बोतल में भरा पेट्रोल तीनों पर छिड़ककर आग लगाने की कोशिश की। लेकिन तभी वहां तैनात इंटेलिजेंस दरोगा और कुछ पुलिसकर्मियों की निगाह उन पर पड़ गई और तत्परता दिखाते हुए तीनों को कब्जे में लेकर पेट्रोल की बोतल और माचिस छीन ली। इस तरह बड़ी अनहोनी को टालते हुए पुलिस कर्मियों ने लाल सिंह,उसकी पत्नी और बेटी को बचा लिया। बाद में लाल सिंह ने बताया कि उनके घर के निकास को लेकर पड़ोसियों से 40 वर्ष पुराना विवाद है। थाना दिवस, संपूर्ण समाधान दिवस में तमाम शिकायतें कीं और संबंधित अधिकारियों से मिलकर इंसाफ की गुहार भी लगाई लेकिन समाधान नहीं हुआ। लाल सिंह का आरोप है कि मीरगंज एसडीएम कार्यालय का एक होमगार्ड उन्हें लंबे समय से परेशान कर रहा था। इसी से आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली सदर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एहतियातन दंपती और बच्ची को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने शुरू की जांच कोतवाली सदर पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि शिकायत और आरोपों की जांच की जाएगी। इसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई होगी।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, 20 जुलाई को फिरोजाबाद कलक्ट्रेट में होगा डीसीएचबी प्रशिक्षण

फिरोजाबाद। भारत सरकार, गृह मंत्रालय के जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार जनगणना-2027 के अंतर्गत जिला जनगणना हस्त पुस्तिका (डीसीएचबी) तैयार करने के लिए ग्राम निर्देशिका (वीडी) एवं नगर निर्देशिका (टीडी) के आंकड़ों के संकलन संबंधी एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 20 जुलाई 2026 को दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक कलक्ट्रेट सभागार, फिरोजाबाद में आयोजित होगा। कार्यक्रम जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) एवं जिला जनगणना अधिकारी कल्पना जायसवाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जनगणना निदेशालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है।

शहर में ओवर स्पीड 297 वाहनों के चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर- नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 08 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 03 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 40 ट्रक, 08 बस, 86 चार पहिया /दो पहिया 134 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 04 ट्रक, 04 बस, 98 चार पहिया /दो पहिया 106 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । गंगा बैराज पर 57 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर ने आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें। ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें । यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें । शराब पीकर वाहन न चलायें । नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

ईओ के खिलाफ सभासद रात भर डटे रहे धरने पर

रात में बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों की मौजूदगी पर पुलिस रही सक्रिय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर पालिका परिषद कोंच की अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव के खिलाफ लामबंद कुछ सभासद रात भर धरने पर बैठे रहे। पालिका कार्यालय के अंदर पोर्च में गुरुवार सुबह 11 बजे से सभासदों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू हो हुआ था जो देर रात से लेकर अभी भी जारी है। धरने पर बैठे सभासद नगर पालिका की ईओ मोनिका उमराव की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। दिलचस्प यह है कि देर रात करीब 8 बजे दर्जनों महिला और पुरुष सफाईकर्मी हाथों में झाड़ू थामकर नगर पालिका कार्यालय पहुंच गए। सफाईकर्मियों ने बताया कि उन्हें पालिका के निर्देश पर मौके पर भेजा गया था। किसी भी संभावित टकराव की आशंका की सूचना मिलते ही पुलिस भी एहतियात के तौर पर नगर पालिका कार्यालय पहुंची और स्थिति पर नजर बनाए रखी। हालांकि, कुछ देर बाद सफाईकर्मी वापस लौट गए। सभासदों का आरोप है कि सड़क निर्माण कार्यों में कथित धांधली, लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें और नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न कराए जाने जैसी समस्याओं का कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं किया गया। इसी के चलते उन्हें यह प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ा है। धरने पर बैठे सभासदों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों का संतोषजनक समाधान नहीं होगा, तब तक यह आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। वहीं, पालिका ईओ मोनिका उमराव ने मौके पर इतनी बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों के पहुंचने के संबंध में कहा कि कर्मचारी रुटीन सफाई व्यवस्था के लिए पालिका में एकत्रित हुए थे, जबकि सभासदों का कहना है कि सफाई कर्मियों को षड्यंत्र के तहत बुलाया गया था। धरने में सभासद रघुवीर कुशवाहा, महेंद्र कुशवाहा, अमित यादव, विनोद सोनी, प्रतिनिधि अशोक गुर्जर, गौरव तिवारी, शकील अंसारी, सरताजुद्दीन, लकी दुबे सहित अन्य सभासद मौजूद रहे।

ईओ ने धरने पर बैठे सभासद महेंद्र को किया नोटिस जारी

नोटिस देकर सभासद महेंद्र को अर्दब में लेने की ईओ की कोशिश सामने आई है। अपने खिलाफ सभासदों के धरने से नाराज अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव ने सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा को नोटिस जारी कर उसका जवाब तत्काल मांगा है। हालांकि सभासद ने नोटिस लेने से इंकार कर दिया है। नोटिस में उन्होंने कहा है कि 16 जुलाई 2026 को वह उनके ऑफिस में करीब 11 बजे आए और काली माता मंदिर के सामने उस भूमि पर जबरन सड़क बनवाने की मांग करने लगे जिस पर कोर्ट का स्थगन आदेश है। जब उनके द्वारा उन्हें इस संबंध में बताया गया तो वह क्रोधित होकर धरना प्रदर्शन की धमकी देते हुए पालिका कार्यालय में ही बैठ गए तथा अन्य सभासदों को भी बुला लिया। इस धरना प्रदर्शन की कोई पूर्व सूचना भी उन्हें नहीं दी गई। इस तरीके से अनुचित कार्यों के दबाव बनाने के आशय से अवैध रूप से सरकारी कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है जो धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अनुसार विधि विरुद्ध है। अतः नोटिस प्राप्ति के तत्काल बाद जवाब देना सुनिश्चित करें अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी वह ऐसे कई लोगों को नोटिस थमा चुकी हैं।

संक्षिप्त खबरें

गलती से ट्रांसफर हुए 10 हजार रुपये साइबर हेल्प डेस्क ने वापस कराए

भदोही। साइबर हेल्प डेस्क थाना औराई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गलती से दूसरे खाते में ट्रांसफर हुए 10 हजार रुपये पीड़ित को वापस दिला दिए। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई कार्रवाई के तहत बाड़ी उचेठा निवासी संजय कुमार यादव ने ऑनलाइन साइबर शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के बाद साइबर हेल्प डेस्क ने धनराशि वापस कराई। रकम खाते में वापस मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस और साइबर हेल्प डेस्क का आभार जताया। पुलिस ने लोगों से साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन 1930 या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

पूर्व विधायक उदयभान सिंह के भूमि विवाद में हाईकोर्ट ने एसपी से मांगा हलफनामा

गोपीगंज। औराई के पूर्व विधायक उदयभान सिंह उर्फ डॉ. सिंह से जुड़े भूमि विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भदोही के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसपी) से हलफनामा तलब किया है। न्यायालय ने पूछा है कि निजी भूमि विवाद में स्थानीय पुलिस किन परिस्थितियों में हस्तक्षेप कर रही है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने रिट-सी संख्या 26569/2026 की सुनवाई करते हुए कहा कि संबंधित भूमि के नामांतरण (म्यूटेशन) का विवाद राजस्व परिषद में विचाराधीन है तथा उस पर स्थगन आदेश प्रभावी है। ऐसे में पुलिस किसी भी पक्ष को भूमि पर भौतिक कब्जा दिलाने के लिए हस्तक्षेप नहीं कर सकती। याची उदयभान सिंह की ओर से अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि विवादित भूमि का मामला सक्षम राजस्व न्यायालय में लंबित है। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई न्यायोचित नहीं है। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि भूमि के कब्जे को लेकर पक्षकारों के बीच विवाद है, तो उन्हें सक्षम न्यायालय का रुख करना चाहिए। पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित है और वह किसी भी पक्ष का समर्थन करते हुए निजी भूमि विवाद में हस्तक्षेप नहीं करेगी। न्यायालय ने भदोही के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को अगली सुनवाई तक शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह स्पष्ट करना होगा कि स्थानीय पुलिस ने किन परिस्थितियों में उक्त मामले में हस्तक्षेप किया। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

22 साल पुराने भूमि विवाद में रचा गया था साजिश का जाल

25 हजार का इनामी आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर चमन सिंह के नेतृत्व में थाना सुरियावां पुलिस ने एक बेहद गंभीर और सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र का खुलासा किया है। पुलिस ने छह माह से फरार 25 हजार रुपये के इनामी मुख्य अभियुक्त पंकज उपाध्याय को महाराष्ट्र के जलगांव से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार थाना सुरियावां में दर्ज मुकदमे की गहन, निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक विवेचना के दौरान मौखिक, दस्तावेजी, इलेक्ट्रॉनिक (सीसीटीवी फुटेज) तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। जांच में सामने आया कि मुख्य अभियुक्त पंकज उपाध्याय ने अपने सहयोगियों सुनील सरोज, प्रिंस गौतम उर्फ डॉक्टर तथा अन्य लोगों के साथ मिलकर करीब 22 वर्ष पुराने भूमि विवाद और व्यक्तिगत रंजिश के चलते वादी पक्ष को फंसाने की सुनियोजित साजिश रची थी।

विवेचना में यह भी सामने आया कि आरोपियों की योजना पहले वादी पक्ष को फर्जी मुकदमों में फंसाने और बाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत झूठा अभियुक्त बनाकर जेल भिजवाने की थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से इस तरह के आपराधिक षड्यंत्र रचकर लोगों को झूठे मामलों में फंसाने और अनुचित लाभ लेने का प्रयास कर रहे थे।करीब छह माह से

फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी मुख्य अभियुक्त पंकज उपाध्याय की तलाश में पुलिस लगातार प्रयासरत थी। आखिरकार भदोही पुलिस ने महाराष्ट्र के जलगांव में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया कि मामले में साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा षड्यंत्र में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी गहन जांच जारी है। दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को सुरक्षा और कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों की पुलिस ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकारों तथा अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने महिला हेल्पलाइन 181, महिला शक्ति लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा 112 तथा पुलिस कंट्रोल रूम 1076 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

इसके अलावा यूपीकॉप ऐप के माध्यम से उपलब्ध पुलिस सेवाओं, सोशल मीडिया एवं साइबर अपराधों जैसे फिशिंग, साइबर

स्टॉकिंग, फर्जी प्रोफाइल और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी जागरूक किया गया। महिलाओं को पॉक्सो अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत उनके कानूनी अधिकारों की भी जानकारी दी गई। भदोही पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तत्काल निकटतम पुलिस थाने अथवा संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। पुलिस ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देते हुए अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को प्रभावी बनाना है।

डिलीवरी ब्वाय की सीडी डीलक्स बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध

गोपीगंज। नगर के बड़े शिव मार्ग पर शुक्रवार को दिन दहाड़े एक डिलीवरी ब्वाय की बाइक अज्ञात चोर उड़ा ले गए। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, ज्ञानपुर थाना क्षेत्र के मिसिरपुर निवासी राकेश पुत्र शिवशंकर उपाध्याय एक डिलीवरी ब्वाय है। वह बड़े शिव मार्ग स्थित सभासद मोहित उमर की एजेंसी के सामने अपनी सीडी डीलक्स बाइक खड़ी कर सामान लेने गया था। कुछ देर बाद लौटने पर बाइक अपने स्थान से गायब मिली। बाइक की तलाश के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें एक अज्ञात युवक बाइक लेकर मिर्जापुर रोड की ओर जाता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद पीड़ित ने मामले की सूचना मंडी चौकी पुलिस को देते हुए तहरीर सौंपी। बताया गया कि चोरी हुई बाइक राकेश के एक रिश्तेदार की थी, जिसे वह काम के सिलसिले में लेकर आया था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोर की तलाश में जुट गई है। वहीं, दिनदहाड़े हुई बाइक चोरी की घटना से स्थानीय व्यापारियों और लोगों में चिंता का माहौल है।

वाहिदा नगर पावर हाउस की लापरवाही पर जनता का अल्टीमेटम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। भीषण गर्मी और उमस के बीच वाहिदा नगर पावर हाउस की विद्युत व्यवस्था को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि अघोषित बिजली कटौती, बार-बार शटडाउन और घंटों बाधित रहने वाली आपूर्ति के कारण आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। वहीं धान की रोपाई के मौसम में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से फसल पर भी संकट गहराता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना पूर्व सूचना के लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती है। कई बार हैवी लोड और शटडाउन का हवाला देकर दिनभर बिजली काटी जाती है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यापारियों और किसानों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों का आरोप है कि धान की रोपाई के महत्वपूर्ण समय में पर्याप्त बिजली न मिलने से सिंचाई प्रभावित हो रही है। यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है। इधर, लोगों ने ऊर्जा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार द्वारा निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दे रहे हैं। लोगों ने प्रभारी मंत्री एवं ऊर्जा विभाग से मामले का संज्ञान लेकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई

करने और बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की है। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर बिजली आपूर्ति सामान्य नहीं हुई और अघोषित कटौती पर रोक नहीं लगी, तो वे जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। लोगों का कहना है कि यह केवल शिकायत नहीं, बल्कि अपनी मूलभूत सुविधा के लिए उठाई गई चेतावनी है।

नीट में वैभव पांडेय ने लहराया परचम

जनरल कैटेगरी में 747वीं आल इंडिया रैंक

गोपीगंज। नीट यूजी 2026 की परीक्षा में स्थानीय छात्र वैभव पांडेय ने शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। गोपपुर स्थित प्रमुख कालीन कंपनी के अधिकारी विनोद पांडेय के पुत्र वैभव ने 21 जून 2026 को हुई परीक्षा में 611 अंक प्राप्त किए।16 जुलाई 2026 को घोषित परिणाम में वैभव को आल इंडिया रैंक 6969 और जनरल-ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में 747वीं रैंक मिली है।वैभव की इस सफलता से परिवार में हर्ष का माहौल है। परिजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है। वैभव की मेहनत और लगन से क्षेत्र के अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिली है।

नाबालिग बच्ची के साथ दरिंदगी, हिरासत में बाल अपचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही: जनपद के थाना भदोही क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ अमानवीय और गलत कार्य किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और इस घटना में शामिल आरोपी बाल अपचारी को पुलिस हिरासत में ले लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम फौरन मौके पर पहुँच गई थी। बच्ची को बिना किसी देरी के उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद स्पष्ट किया है कि बच्ची की स्थिति वर्तमान में सामान्य और खतरे से बाहर है।

स्थानीय पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए घटना में संलिप्त बाल अपचारी को तुरंत अपनी हिरासत में ले लिया है। थाना

भदोही पर आरोपी के खिलाफ सुसंगत और गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। आरोपी के नाबालिग होने के कारण पुलिस किशोर न्याय (जुवेनाइल जस्टिस) अधिनियम के नियमों का पालन करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। इस संवेदनशील प्रकरण को लेकर एएसपी शुभम अग्रवाल ने बताया कि पुलिस इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सभी आवश्यक वैधानिक एवं कानूनी कार्यवाही पूरी सख्ती और नियमानुसार की जा रही है, ताकि पीड़िता को त्वरित न्याय दिलाया जा सके।

केदारपुर में बी-पैक्स लिमिटेड का शुभारंभ

अब किसानों को गांव में मिलेगी खाद-बीज की सुविधा-राम प्रकाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। किसानों को खाद, बीज और कृषि संसाधन आसानी से उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार को भदोही जिले के डीघ ब्लॉक के केदारपुर ग्रामसभा में बी-पैक्स लिमिटेड का शुभारंभ किया गया। सहकारी समिति के सहायक निबंधक राम प्रकाश एवं सूर्यभानपुर सहकारी समिति के अध्यक्ष इन्द्र कुमार शुक्ला ने संयुक्त रूप से फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों और किसानों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सहायक निबंधक राम प्रकाश ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें खेती से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि खाद और बीज की कोई कमी नहीं है तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत किसानों को सब्सिडी का लाभ भी दिया जा रहा है। किसानों से उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग करने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ नैनो डीएपी और एनपीके उर्वरकों के प्रयोग की अपील की।

उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा प्रत्येक न्याय पंचायत में एक सहकारी केंद्र स्थापित करने की है, लेकिन उपयुक्त भूमि उपलब्ध न होने के कारण कुछ स्थानों पर कार्य में विलंब हो रहा है। सूर्यभानपुर सहकारी समिति के अध्यक्ष इन्द्र कुमार उर्फ़ बऊ शुक्ला ने कहा कि अब तक क्षेत्र के किसानों को खाद और बीज के लिए गोपीगंज, जंगीगंज, तिलंगा या सूर्यभानपुर जाना पड़ता था। केदारपुर में समिति खुलने से बैरीबीसा और इब्राहिमपुर न्याय पंचायत सहित कई दर्जन गांवों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। केदारपुर सहकारी समिति के सचिव राजेश सिंह ने बताया कि लंबे प्रयासों के बाद यहां बी-पैक्स लिमिटेड का संचालन शुरू हो सका है। इसके साथ ही डीघ ब्लॉक में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। उन्होंने बताया कि रैयापुर, भमौरी और नारेपार में भी नई समितियों का प्रस्ताव है, जिनका संचालन शीघ्र शुरू होने की उम्मीद है। इस अवसर पर इन्द्र कुमार उर्फ़ बऊ शुक्ला, प्रमोद सिंह, घनश्याम सिंह, राजकुमार सिंह, राज प्रताप सिंह, बच्चन यादव, शिव रक्षा यादव सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

ओवरटेक के दौरान अनियंत्रित होकर पलटा कंटेनर

चालक-खलासी सुरक्षित; समय रहते पुलिस ने बहाल कराया यातायात

गोपीगंज। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिराई पावर हाउस के समीप शुक्रवार को एक कंटेनर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए पलट गया। हादसे में चालक और खलासी बाल-बाल बच गए, जबकि कंटेनर का केबिन और इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही डायल 112 पीआरबी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा क्रेन की मदद से कंटेनर को हटवाकर यातायात सुचारु कराया।जानकारी के अनुसार चालक सुनील कुमार पुत्र शिवनाथ सिंह दिल्ली से कोलकाता नमक, मसाला व अन्य सामान लेकर जा रहा था। चालक ने बताया कि गिराई पावर हाउस के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने अचानक

ओवरटेक कर उसके वाहन के सामने कट मार दिया। टक्कर से बचने के प्रयास में उसने कंटेनर को दाहिनी ओर मोड़ा, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया और पलट गया।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों और स्थानीय ग्रामीणों ने चालक सुनील कुमार तथा खलासी रामू पुत्र मुलायम सिंह को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद राजमार्ग की क्रेन की सहायता से कंटेनर को हटाकर सड़क पर आवागमन सामान्य कराया गया। इस दुर्घटना में किसी के हताहत न होने से बड़ा हादसा टल गया।

लोन में कमीशन, खाद वितरण में गड़बड़ी का आरोप

मीरजापुर। सहकारी समिति गलरा खुटहा मे किसान खाद के लिए परेशान हैं किसानों ने मौके पर बताया कि 5% लेकर जिला सहकारी बैंक के द्वारा कैश लोन दिया जा रहा है बाकी चेक पर खाद नहीं मिल पा रहा है। जब खाद के लिए समिति पर जाते हैं तो चेक पर खाद नहीं मिल पाता है बताते हैं कि लोन हो गया जिसे समिति की स्थिति दिन पर दिन खराब होती जा रही है किसान लाइन में लगे हुए हैं उनका भरपूर खाद नहीं मिल पा रहा है मौके पर मौजूद किसान आशु सिंह ने बताया कि समिति के अधिकारी अशोक पांडे के द्वारा 5% लेकर लोन किसानों को दे दिया गया है बाकी चेक पर खाद नहीं मिल पा रहा जिससे किसान लाइन में खड़े होकर परेशान हो रहे हैं किसानों ने जिला प्रशासन में मांग करना चाहते हैं कि सरकारी समिति के तरफ ध्यान दिया जाए जिससे किसान सुरक्षित रह सके और किसानों को भरपूर खाद मिल सके।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी सुरियावाँ-भदोही

पत्रांक 1315 / चि0म0क्षे0वि0नि0यो0 / ई0ल0/सो0रट्र0/हे0प0/2026-27 दिनांक 17 जुलाई 2026

अल्पकालीन निविदा दर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विधान मण्डल क्षेत्र विकास योजनात्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में मा0 सदस्य विधान परिषद की संस्तुति पर प्रस्तावित / संस्तुत प्राप्त धनराशि से होने वाली धनराशि से प्राक्कलन के अनुसार कार्यो को पूर्ण कराने हेतु फर्मो से निविदा दर आमन्त्रित की जाती है, जिसका निविदा प्रपत्र का विकय दिनांक 18.07.2026 से 30.07.2026 को समय 10:00 बजे से 5:00 बजे तक विकास खण्ड के कैशियर से निविदा मूल्य जमा कर प्राप्त किया जा सकता है निविदा दर के साथ धरोहर के रूप निविदा के लागत 02 प्रतिशत घरोहर धनराशि का एफ0 डी0आर0 एन0एस0सी0 जो खण्ड विकास अधिकारी सुरियावों के नाम बन्धक संलग्न करना अनिवार्य होगा। अन्य नियम व शर्त की जानकारी कार्यालय अवधि में लेखाकार पटल से देखी व पढी जा सकती है। निविदा दिनांक 30.07.2025 को सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय में जगा कि जायेगीं। तथा खण्ड विकास अधिकारी द्वारा गठित निविदा समिति के समक्ष दिनांक 31.07.2026 को 3:00 बजे अपरान्ह यथा स्थान खोली जायेगी। निविदा स्वीकृति/अस्वीकृति करने एवं तिथि परिवर्तन का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित है।

क0 सं0	कार्य का नाम	ईकाई/मी0	लागत लाख में	लागत लाख में
1	विकास खण्ड सुरियावां में 40 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.60	दो माह
2	विकास खण्ड सुरियावां में 40 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.60	दो माह
3	विकास खण्ड सुरियावां में 40 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.60	दो माह
4	विकास खण्ड सुरियावां में 40 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.60	दो माह
5	विकास खण्ड सुरियावां में 40 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.60	दो माह
6	विकास खण्ड सुरियावां में 40 अद्ध सोलर रट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.60	दो माह
7	विकास खण्ड सुरियावां में 40 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.60	दो माह
8	विकास खण्ड सुरियावां में 38 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य।	40 नग	8.17	दो माह
9	विकास खण्ड सुरियावों ग्राम पंचायत सियरहां में मोढ सियरहां गार्ग से जिलेदार सिंह के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	105मी0	4.74	दो माह
10	विकास खण्ड सुरियावों ग्राम पंचायत मंगुरा मधुपट्टी में दुर्गा तिवारी के घर से प्रधानमंत्री रोड तक इण्टरलाकिंग कार्य।	110 मी0	4.96	दो माह
11	विकास खण्ड सुरियावों ग्राम पंचायत हरिहरपुर अबरना में सुरियावां - हरिहरपुर से सुशील उपाध्याय (डब्बू) (विशाल) के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	120मी0	5.41	दो माह
12	विकास खण्ड सुरियावों ग्राम पंचायत में 08 नग इण्डिया मार्का हैण्डपम्प का अधिष्ठापन कार्य।	08नग	4.35	दो माह

1. निविदा टेण्डर टेण्डर बाक्स में विकास खण्ड मुख्यालय पर निविदादाता फर्मो को डालना होगा।
2. निविदादाता द्वारा निविदा के साथ 2% की जगनात धनराशि उपरोक्त निर्देशो के तहत मूलरूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. निविदा के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो तथा नोटरी हलफनामा 100.00 रूपये के स्टाप पेपर पर इस आशय का देना होगा कि फर्म या फर्म के मालिक का संबंध विकास खण्ड में कार्यरत किसी भी अधिकारी / कर्मचारी मा0 प्रमुख से किसी प्रकार कोई संबंध नहीं हैं। तथा मेरे ऊपर किसी प्रकार का अपराधिक मुकदमा दर्ज नही है।
4. कोइ भी निविदादाता यदि किसी सरकारी विभाग नही होगी जब तक आयकार विभाग द्वारा व्यापारकर बाणिज्य कर विभाग द्वारा निविदादाता के पक्ष में बकाया का अनापत्ति प्रमाण पत्र निग्रत न कर दिया जाए।
5. कोइ भी निविदादाता यदि किसी सरकारी विभाग में काली सूची में है किसी अपराधिक मामले में वांछित है तो उसकी निविदा स्वीकृत नही की जायेगी।
6. निविदादाता द्वारा टी4, टी5 आयकर, वाणिज्यकर, रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र संलग्न कराना अनिवार्य होगा।
7. निविदादाता को जिलाधिकारी द्वारा जारी आर्थिक क्षमता का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
8. निविदादाता फर्म का टर्न ओवर विगत तीन वर्ष में कार्य हेतु एक करोड से कम नहीं होना चाहिएं। निविदा के साथ सी0ए0 द्वारा प्रमाणित वर्षवार बैलेन्स शीट जमा करना अनिवार्य होगा।
9. निविदादाता फर्म द्वारा फाईनेन्सीयल तथा टेक्नीकल विड अलग-अलग दो लिफाफे में डाला जायेंगा।
10. टेक्नीकल बीड में क्वालीफाई /उत्तीर्ण होने के उपरान्त ही संबंधित फर्म का फाईनेन्सीयल बीड खोला जायेंगा।
11. निविदा फार्म प्राप्त करने की धनराशि मु0 750.00रू0 निर्धारित है।
12. निविदा स्वीकृत के उपरान्त धरोहर धनराशि के अतिरिक्त 8% जमानत की धनराशि जमा होने के पश्चात् कार्यादेश निर्गत होगा।
13. नियमानुसार जी0स0टी0 देय होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
सुरियावों- भदोही।

पुलिस अधीक्षक का दरवाजा खटखटाने पर मजबूर है- पीड़ित

ड्रमंडगंज थाने पर नहीं होता है सुनवाई तो पुलिस अधीक्षक के यहा चक्कर लगाते हैं पीड़ित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। महिला ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मायके पक्ष के द्वारा घर में घुसकर मारने पीटने व मंगलसूत्र छिनने तथा अपहरण करने का प्रयास करते हुए जान से मारने की धमकी की लगायी गुहार। शीतल तिवारी उर्फ सौम्या पत्नी अधिर सिह निवासी महुगढी थाना ड्रमंडगंज ने पुलिस अधीक्षक मिरजापुर के यहा प्रार्थना पत्र देकर बताया की प्रर्थीनी ने हिन्दू रस्मों रिवाज से शंकर जी के मंदिर कोशगड़ करछना प्रयागराज में अधीर कुमार सिंह पुत्र कमला शंकर निवासी महुगढ़ी। थाना ड्रमंडगंज के साथ प्रेम विवाह दिनांक 14/05 /2026 को किया गया था तथा अगले दिन ससुराल पक्ष के द्वारा आपस में कोई विवाद ना हो हम पति-पत्नी माननीय उच्च न्यायालय में शीतल तिवारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य वगैरह वाद दाखिल किया जिसमें अगली तिथि। इसी बीच मेरे परिवार मायके को जानकारी हुई तो मेरे पिता नागेन्द्र तिवारी के कहने पर 1 मनिष तिवारी पुत्र हर्ष नारायण तिवारी पचेडा थाना कोराव जिला प्रयागराज 2 लवकुश मिश्रा पुत्र आदित्य मिश्रा निवासी बबुरा रघुनाथ सिंह थाना ड्रमंडगंज 3 अर्पित पांडे पुत्र रमाशंकर पांडे बोधीपुर थाना ड्रमंडगंज व कुछ अन्य अज्ञात लोग मेरे ससुराल में एक राय होकर हाथ में लाठी डंडा और लोहे के राड व तमंचा लेकर घर में घुस आए हम प्रार्थनी को देखते ही मेरा बाल पकड़ कर उखाडते हुए व थप्पड़ मारते हुए। मेरे गले में पहना हुआ मंगल सुत्र छिन लिए। प्रर्थीनी की चिख पुकार सुनकर मेरे सास और ससुर बाहर आए तो विपक्षियों ने मेरे साथ ससुर को भी थप्पड़ व लाठी से मार कर जमीन पर गिरा दिया हम लोगों की चीख पुकार सुनकर अगर बगल के लोग इकट्ठा होने लगे तो विपक्षी के घर प्रार्थनी को जबरन उठा ले जाना चाहते थे किंतु भीड़ इकट्ठा हो जाने के कारण विपक्षीगढ़ प्रार्थिनी का अपहरण करने में असफल हो गए विपक्षीगढ़ उग्र होकर सबके सामने धमकी दिए कि तुम्हारे पति व तुम्हारी हम लोग हत्या कर देंगे चुपचाप विवाह तोड़कर घर चली आओ नहीं तो इल्जाम भुगतना पड़ेगा प्रार्थनी ने तत्काल अपने पति को सूचना दिया तथा 112 पुलिस को बुलाया किंतु पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया गया माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी प्रार्थनी व ससुराल की लोगों की सुरक्षा नहीं हो पा रही है विपक्षीगढ़ गुंडा दबंग व सरंग किस्म के व्यक्ति हैं विपक्षिगण का मनोबल बढ़ा हुआ है प्रार्थनी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाइ है।

प्रधानमंत्री द्वारा अनेक महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओ का लोकार्पण एवं शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर, विंध्याचल। शुक्रवार को दोपहर 3 :30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा भारतीय रेल के विकास, आधुनिकीकरण एवं यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओ का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया गया। यह भारतीय रेल को आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण अनुकूल एवं विश्वस्तरीय परिवहन प्रणाली के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री जी ने देश के 20 राज्यों में पुनर्विकसित 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि इन 75 स्टेशनों में उत्तर प्रदेश के कुल 7 स्टेशन भी शामिल हैं। इनमें क्रमशः पनकी धाम, फतेहपुर, विंध्याचल, ऐशबाग, शामली, धामपुर तथा मोदीनगर रेलवे स्टेशन सम्मिलित हैं। इन 75 स्टेशनों में उत्तर मध्य रेलवे के 8 स्टेशन भी शामिल हैं। इनमें प्रयागराज मंडल के विंध्याचल, पनकी धाम एवं फतेहपुर, झांसी मंडल के भिंड, हरपालपुर, टीकमगढ़ एवं छतरपुर तथा आगरा मंडल के डीग स्टेशन सम्मिलित हैं। इन सभी स्टेशनों का लोकार्पण भी आज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विंध्याचल रेलवे स्टेशन का ?23.24 करोड की लागत पुनर्विकास किया गया है। विंध्याचल रेलवे स्टेशन पर कुल 3 प्लेटफॉर्म हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवर ब्रिज, तीनों प्लेटफॉर्म हेतु एस्केलेटर, लिफ्ट, बेहतर पार्किंग व्यवस्था, उन्नत साइनेज तथा अन्य आधुनिक यात्री सुविधाएँ विकसित की गई हैं। वर्तमान में विंध्याचल रेलवे स्टेशन से 22 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस एवं 3 पैसेंजर गाड़ियों का संचालन होता है। स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर एवं सुगम यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुगम रैम्प, व्हीलचेयर, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, उन्नत प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, आधुनिक साइनेज तथा डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली सहित सभी आवश्यक आधुनिक यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दौलतपुर चौक करतोली (पंजाब) नई रेल लाइन का उद्घाटन किया तथा करतोली अंबाला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। यह परियोजना क्षेत्रीय रेल संपर्क को सुदृढ़ करने तथा यात्रियों को बेहतर रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जींद सोनीपत के मध्य भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पूर्णतः स्वदेशी तकनीक से विकसित 10 कोचों वाली यह ट्रेन विश्व की सबसे लंबी तथा 3,200 हॉर्स पावर क्षमता के साथ सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित यह ट्रेन संचालन के दौरान शून्य कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करती है। यह उपलब्धि भारतीय रेल के हरित, स्वच्छ एवं सतत परिवहन तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। भारतीय रेल की ये उपलब्धियाँ देश में आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण अनुकूल एवं विश्वस्तरीय रेल अवसंरचना के निर्माण तथा यात्रियों को बेहतर, सुगम और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने के प्रति उसकी दृढ प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण हैं।

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ जी की शोभायात्रा

चुनार, मिर्जापुर। रथ यात्रा के अवसर पर गुरुवार को नगर में भगवान जगन्नाथ जी की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। यात्रा गंगेश्वर नाथ स्थित श्री राघव जी मंदिर से निकलकर सर्राफा बाजार, चौक, गोला बाजार, रस्तोगी तिराहा होते हुए पुनः श्री राघव जी मंदिर पर समाप्त हुई। इसके पूर्व राघव जी मंदिर के अर्चक श्रवण कुमार अवस्थी ने श्रद्धालुओं के साथ भगवान जगन्नाथ जी विधि विधान से आरती पूजन किया गया। और प्रसाद वितरण किया गया। जगन्नाथ जी के जयकारे से वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में बचाऊ लाल सेठ,राजू सेठ,प्रदीप रस्तोगी, मुरारी लाल सेठ, अंशु सेठ, नीरज सेठ,विजय बहादुर सिंह, अंशु अग्रवाल, धीरज सेठ, राजेश जायसवाल, कमला सेठ,दिनेश सेठ, चंदन सेठ, सत्येन्द्र दुबे, अमित सोनी, सुमित सेठ, राजेश साहू, शिवकुमार सेठ, जगदीश सेठ, पवन गुप्ता, गौतम जायसवाल, जवाहिर सेठ, नीलू सेठ सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। सुरक्षा की दृष्टिगत पुलिस प्रशासन मुस्तैद रही।

संक्षिप्त खबरें

सोशल मीडिया में वायरल प्रकरण में अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना दिलीपपुर पुलिस द्वारा दर्ज मुदकमा में वांछित अभियुक्त सूरज गौंड पुत्र रविशंकर गौंड, निवासी घोर का मुफरीद, थाना दिलीपपुर, जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 01 अवैध तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर तथा 01 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद हुआ। बरामद मोबाइल में घटना से संबंधित वीडियो प्राप्त होने तथा अवैध शस्त्र बरामद होने के आधार पर अभियोग में धारा 3/25 आयुध अधिनियम एवं धारा 67 आईटी एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई है। अभियुक्त को हवालात के हवाले कर दिया गया है।

लूट की झूठी सूचना देने वाले व्यक्ति के विरुद्ध की गई कार्रवाई

प्रतापगढ़ । पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा धारा 309(4) बीएनएस की विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों, सीडीआर, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तथ्यों का परीक्षण किया गया, जिसमें वादी लाल बहादुर सोनी पुत्र रामपाल सोनी, निवासी ग्राम भिटारा, थाना बाघराय, जनपद प्रतापगढ़ द्वारा दी गई लूट की सूचना असत्य पाई गई। उक्त परिस्थितियों में झूठी प्रथम सूचना रिपोर्ट लिखाए जाने के कारण वादी मुकदमा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राज्य आयुक्त ने मोबाईल कोर्ट मे दिव्यांगों के 71 शिकायतों का किया निस्तारण

प्रतापगढ़। राज्य आयुक्त दिव्यांगजन प्रो. हिमांशु शेखर झा की अध्यक्षता में शुक्रवार को अधिकार अधिनियम 2016 की बैठक अफीम कोठी में दिव्यांगजन मोबाईल कोर्ट मे दिव्यांगों से संबंधित 71 शिकायतों का निस्तारण किया। उन्होंने दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत करने के मामले में आने वाली समस्याओं की ओर सीएमओ डॉ अच्युत नारायण प्रसाद को निर्देश दिया कि प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु कम से कम सप्ताह में दो दिन दिव्यांग बोर्ड बैठाएं जिसमें 8 विशेषज्ञ चिकित्सक हों।उन्होंने भारत सरकार के 12 मार्च 24 के दिशा निर्देश के अनुसार 18 वर्ष से अधिक उम्र के दिव्यांजनों का अस्थाई दिव्यांग प्रमाण पत्र न निर्गत करें। दिव्यांगजनों के आवास राशन कार्ड आयुष्मान कार्ड शौचालय हैंड पंप आदि के लिए राज्य आयुक्त ने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग अधिशाषी अभियंता सुजीत कुमार राय, जिला आपूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी डीपीआरओ श्रीकांत दर्वे सीएमओ डॉ अच्युत नारायण प्रसाद जिला दिव्यांगजन अधिकारी कमलेश कुमार वर्मा को निर्देशित किया कि मोबाइल कोर्ट मे आने वाली समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करें।

खाते से उड़ाये तीन लाख इक्तीस हजार, केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। खाते से तीन लाख इक्कीस हजार रुपए हड़प लिए जाने को लेकर पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के शीतलमऊ निवासिनी सुनीता सोनी पत्नी स्व0 शंकर लाल सोनी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसके बेटे दीपक सोनी ने अपने बच्चे को इलाज के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। पीड़िता का आरोप है कि इसी बीच बीते वर्ष 18 अक्टूबर 2025 से लेकर कई बार में उसके बेटे के बैंक आफ बड़ौदा लालगंज के दो खातों से करीब तीन लाख इक्कीस हजार रूपये निकाल लिए गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़िता के खाते से लाखों हड़पे, अज्ञात पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। साइबर फ्राड करते हुए पीड़िता के खाता से चार लाख तैंतीस हजार रूपये हड़प लिए गए। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना के पूरब देउम गांव की अंजली मिश्रा पत्नी वैभव मिश्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती 24 अक्टूबर को उसके फोन पे खाते से साइबर फ्राड करते हुए आरोपियों ने दो बार में चार लाख तैंतीस हजार रूपये ट्रांसफर करा लिये। खाते से पैसा हड़प लिए जाने की जानकारी होने पर पीड़िता आवाक रह गयी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

दुकान में चोरी व आगजनी का आरोप, दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। दुकान में आगजनी व चोरी की घटना को लेकर पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। उदयपुर थाना के साल्हापुर आमीशंकरपुर गांव निवासी श्रवण कुमार यादव पुत्र पारसनाथ यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गांव समीप स्थित उसकी दुकान का दरवाजा तोड़कर अंदर रखा सामान चुरा लिया गया। इसके बाद दुकान में आग लगा दी गयी। सूचना पर पीड़ित पहुंचा और आसपास के लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया। घटना को लेकर पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक दीप नारायण का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में छूटी रूई; परिजनों का अस्पताल में किया हंगामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अलीगढ़। निजी अस्पतालों में प्रसव के दौरान ऑपरेशन की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मैरिस रोड स्थित निजी हॉस्पिटल में मंगलवार को उस समय हंगामा मच गया, जब एक महिला के स्वजन ने आरोप लगाया कि प्रसव के दौरान हुए ऑपरेशन में चिकित्सकों की लापरवाही से पेट के भीतर काटन (रूई) छूट गई। उनका दावा है कि करीब आठ महीने तक महिला असहनीय दर्द से जूझती रही और कई जांचों के बाद दूसरे अस्पताल में दोबारा ऑपरेशन कर काटन निकाली गई। इलाज का खर्च उठाने के आश्वासन से मुकरने का आरोप लगाते हुए स्वजन ने अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया।

मैरिस रोड स्थित निजी हॉस्पिटल में 10 माह पूर्व हुई थी डिलीवरी

अतरौली क्षेत्र के गांव चैढ़ोली बुजुर्ग निवासी पुष्पा देवी ने बताया कि लगभग आठ माह पहले उनकी बेटी जागृति का प्रसव मैरिस रोड स्थित हॉस्पिटल में ऑपरेशन से हुआ था। आरोप है कि आपरेशन के कुछ समय बाद से ही जागृति के पेट में लगातार दर्द रहने लगा। पांच-छह बार हॉस्पिटल आए, हर बार बिना जांच के ही दवा देकर लौटा दिया गया। इस दौरान तबीयत निरंतर बिगड़ती गई। चिकित्सकों की सलाह पर सीटी स्कैन और एमआरआई जांच कराई गई। आरोप है कि जांच में पेट के भीतर काटन जैसी सामग्री होने की जानकारी मिली तो फिर से हॉस्पिटल आए।

अस्पताल ने पहचानने से कर दिया इनकार

आरोप है कि चिकित्सक ने रामघाट रोड स्थित दूसरे निजी हॉस्पिटल में ऑपरेशन कराने की सलाह और खर्च देने का आश्वासन दिया। इसके बाद करीब 25 दिन पूर्व दोबारा ऑपरेशन कराया, जहां कथित रूप से रूई निकाली गई। पहले ऑपरेशन से अब तक साढ़े तीन लाख रुपये से अधिक खर्चा हो गया। दूसरे ऑपरेशन के बाद फिर हॉस्पिटल आकर खर्च के भुगतान की बात कही तो उन्हें पहचाने से ही इनकार कर दिया गया। इसी बात से नाराज होकर मंगलवार को स्वजन जागृति को लेकर हॉस्पटिल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया।

पुलिस मौके पर पहुंची

आरोप है कि हॉस्पिटल में कोई चिकित्सक नहीं मिला। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। स्वजन ने चिकित्सकीय लापरवाही की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की मांग की। पुलिस ने शिकायती पत्र मिलने पर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

झांसा देकर लाया था झोलाछाप

पुष्पा देवी व अन्य स्वजन के अनुसार, आठ माह पूर्व प्रसव पीड़ा होने पर क्षेत्र के एक कथित डॉक्टर नार्मल डिलीवरी का झांसा देकर इस हॉस्पिटल में लाए, लेकिन यहां पर आते ही चिकित्सकों ने डिलीवरी से ठीक पहले इतना डरा दिया कि ऑपरेशन कराना पड़ा।

लाखों की एफडी में धोखाधड़ी का आरोप, बैंककर्मियों पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। बैंक में की गयी लाखों की एफडी में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने बैंककर्मियों के खिलाफ तहरीर दी है। मामले मे पुलिस ने अज्ञात बैंककर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे गजा वैश्य राहाटीकर गांव निवासी संदीप सिंह पुत्र इन्द्र बहादुर सिंह ने बीती 16 जुलाई को पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसने रेहुआ लालगंज स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा में बीते वर्ष पांच अगस्त 2024 को चार सौ दिनों के लिए कुल तीन लाख रूपये की एफडी की। पीडित का आरोप है कि 09 सितंबर 2025 को एफडी की अवधि पूर्ण होने के बाद वह धनराशि वापस लेने बैंक पहुंचा तो बैंककर्मी तरह तरह के बहाने बताकर परेशान करने लगे और उसकी धनराशि वापस नहीं की गयी। बैंक प्रबंधक एवं कर्मचारियों पर धोखाधड़ी व साइबर षडयन्त्र का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने उसकी एफडी को ओडी एकाउन्ट बनाकर दो बार में निकाल लिए जाने का आरोप भी मढ़ा है। प्रभारी निरीक्षक दीप नारायण का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात बैंककर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

एलआईसी की यूनिट 31102 का शैक्षिक सेमिनार व पुरस्कार वितरण संपन्न

प्रतापगढ़। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रतापगढ़ की यूनिट 31102 के विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य के नेतृत्व में यूनिट का शैक्षिक सेमिनार एवं पुरस्कार वितरण समारोह बाबागंज के शशांक होटल में संपन्न हुआ।यूनिट के निर्देशन में बीमा व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धिधारी अभिकर्ता मीला शुक्ला पत्नी ओमप्रकाश शुक्ला, राजकुमार तिवारी, पुष्पेंद्र शुक्ला, किरन देवी मौर्य को उच्च कोटि के उपहार दिए गए। उनके अतिरिक्त मनीराम यादव, राघव सिंह, राकेश मिश्रा तथा राम सिंह यादव को भी मूल्यवान उपहार भेंट किए गए।उपहार प्रदान करते हुए यूनिट के विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य ने आगामी 20 जुलाई को एलआईसी द्वारा मनाए जा रहे महासक्रियता अभियान में टॉपर बनने का आह्वान किया। आगे कहा कि जीवन स्वर्णिम इतिहास बनाने के लिए है। जहां भी रहिए नंबर एक बनकर रहिए।एलआईसी की जनोपयोगी योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने की अपील किया। एलआईसी की प्रतापगढ़ शाखा के शाखा प्रबंधक नीरज कुमार ने कहा कि इंटरनेट के युग में एलआईसी के सारे कार्य डिजिटल हो रहे हैं। आगे बढ़ने के लिए डिजिटल जानकारी जरूरी है।एलायंस क्लब इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय निदेशक रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा एलआईसी के व्यवसाय के लिए समाज में अभिकर्ता अच्छा जनसंपर्क होना चाहिए। ईमानदारी से सेवाएं देने पर प्रगति निश्चित है। मुख्य शाखा प्रबंधक मनोज सिंगला ने पुरस्कृत लोगों को बधाई देते हुए प्रतिभागियों से कहा कि शाखा स्तर से ऊपर उठकर प्रदेश और देश स्तर के पुरस्कार जीतिए। आम लोगों को प्रेम और धैर्य से समझाइए। उनका विश्वास जीतिए इससे आपका व्यवसाय बढ़ेगा।

लोटन में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोटन(सिद्धार्थनगर)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत लोटन कस्बा के पास दक्षिण केजी बांध से सटे जगन्नाथ स्वामी मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण ,बलराम, सुभद्रा की झांकी एवं रथयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। उल्लेखनीय है कि अषाढ़ मास शुक्ल पक्ष द्वितीया को प्रत्येक वर्ष लोटन स्थित जगन्नाथ स्वामी मंदिर से भगवान कृष्ण, बलराम एंव सुभद्रा की रथयात्रा निकाली जाती है। रथयात्रा पूरे लोटन कस्बे में भ्रमण कराने के बाद पुनः मंदिर में वैदिक मंत्रोचार के साथ स्थापित कराया गया। वर्ष 2002से लोटन लोटन क्षेत्र में रथयात्रा निकाले जाने की परम्परा शुरू की गई। जो आज भी कायम है। आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष द्वितीया के दिन तीन अलग-अलग रथों पर भगवान कृष्ण, बलराम एवं सुभद्रा की मूर्तियों को सजाकर भ्रमण कराया जाता है।उसी कड़ी में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा निकाली गई जो केजी बांध होते हुए कोतवाली, खड़वा सहित पूरे कस्बे में

भ्रमण कराया गया। रथयात्रा के दौरान पूरा लोटन कस्बा भक्ति में सराबोर हो गया। गगनभेदी नारे,रंग,अबीर,गुलाल एवं डीजे की धुन पर लोग थिरकते रहे। प्रशासन की व्यवस्था भी चाक-चौबंद रहा।कई थानों की पुलिस फोर्स मुस्तैद रही। इस दौरान सदर विधायक श्यामधनी राही, विधायक प्रतिनिधि सत्यप्रकाश राही, ब्लाक प्रमुख आशीष सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता रामनिवास यादव, मंडल अध्यक्ष संजय शुक्ला, दृग्नारायण सिंह, प्रदीप मोदनवाल,श्रवण कुमार पाण्डेय, शिवम् विश्वास, अरविन्द कुमार, परशुराम यादव, अनिल सिंह आदि तमाम क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं भारी संख्या श्रृद्धालु मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक की मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी कोतवाली क्षेत्र के हयातनगर गांव के टोला बंजरही में शुक्रवार को खेत की जुताई करते समय अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों ने तत्काल दोनों को 50 शैय्या युक्त संयुक्त चिकित्सालय बांसी पहुंचाया। अस्पताल में डाक्टरों ने जांच के बाद दीपक(20) पुत्र बड़ियावन निवासी बंजरही को मृत घोषित कर दिया। जबकि बबलू (42) पुत्र मुन्नीलाल निवास हयातनगर, की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। खेत की जुताई करने के दौरान ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और वहां मौजूद दोनों उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची बांसी कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर ट्रैक्टर को कब्जे में लेने तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में प्रवेश काउंसलिंग प्रक्रिया का कुलपति ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित कला एवं विज्ञान संकाय के प्रवेश काउंसलिंग केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने प्रवेश प्रभारियों एवं संबंधित शिक्षकों को निर्देशित किया कि प्रवेशार्थियों एवं उनके अभिभावकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। उन्होंने कहा कि अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के साथ सम्मानजनक एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार किया जाए तथा उनके बैठने एवं आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रवेशार्थियों को उनके द्वारा चयनित विषयों एवं भविष्य की संभावनाओं के संबंध में संबंधित विषय विशेषज्ञों द्वारा उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाए, जिससे वे सही शैक्षणिक निर्णय ले सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अभ्यर्थियों के शैक्षणिक एवं अन्य प्रमाण-पत्रों का सूक्ष्म एवं सावधानीपूर्वक सत्यापन किया जाए ताकि प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनी रहे। कुलपति ने बताया कि वर्तमान में प्रथम मेरिट सूची के विद्यार्थियों की काउंसलिंग एवं प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसके उपरांत द्वितीय मेरिट सूची जारी की जाएगी तथा सीटें रिक्त रहने की स्थिति में आगे भी पंजीकरण एवं प्रवेश की संभावनाओं पर नियमानुसार विचार किया जाएगा। इस अवसर पर अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रोफेसर जितेंद्र कुमार सिंह, अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर नीता यादव एवं अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रोफेसर प्रकृति राय पूर्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर हरीश

कुमार शर्मा उपस्थित रहे। कला संकाय के प्रवेश प्रभारी डॉ. विशाल कुमार गुप्ता तथा उनकी पूरी टीम एवं विज्ञान संकाय के प्रवेश प्रभारी डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव तथा उनकी पूरी टीम प्रवेश कार्य में सक्रिय रूप से संलग्न रही। कुलपति ने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी एवं छात्रहितकारी बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार की कार्यसंस्कृति बनाए रखने का आह्वान किया।

नीट में मेधावियों ने लहराया परचम, माता -पिता और शिक्षकों ने मिठाई बांट कर दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम दुधवनिया बुजुर्ग की होनहार छात्रा सादिया खान ने नीट यूजी परीक्षा 2026 में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सादिया ने 720 में 598 अंक, 99.2887 पर्सेंटाइल, ऑल इंडिया रैंक (AIR) 10511 तथा जनरल कैटेगरी रैंक 4336 प्राप्त की है। हर्षित त्रिपाठी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2026 में शानदार सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हर्षित ने परीक्षा में 720 में से 566 अंक प्राप्त किए हैं तथा ऑल इंडिया रैंक 25,584 और जनरल कैटेगरी रैंक 9,454 हासिल की है। रोहित ने तीसरे प्रयास में पास किया नीट की परीक्षा जिनका आल इंडिया रेक 14195 लाकर अपना और अपने परिवार का नाम रोशन किया। रोहित का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। इनके पिता इंद्रकुमार चौरसिया मुंबई में ऑटो चालक हैं। राजेंद्र कुमार पुत्र शंकर निवासी सरौली टोला डोमिनगढ़ का चयन नीट में हुआ। कुल 581 नंबर मिला है। खुनियांव विकास खंड अंतर्गत स्थित मदरसा गौसिया अहले सुन्नत इमदादुल उलूम मटेहना के प्रधानाचार्य मौलाना बदरुद्दीन के दूसरे नंबर के सुपुत्र हाफिज मोहम्मद आसिफ़ ने नीट (नीट)वर्ष 2026 की परीक्षा में 720 अंकों की परीक्षा में 597 अंक अर्जित किया है। इटवा तहसील अंतर्गत ग्राम पकरैला निवासी होनहार छात्र अफसर आलम ने नीट (UG) 2026 परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर पूरे जिले का गौरव बढ़ाया है। अफसर ने 720 में 567 अंक प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक (AIR) 25262 हासिल की है। नगर पंचायत बिस्कोहर के वार्ड नंबर 5 अटल नगर बेलवा निवासी समाजसेवी संजय सिंह के पुत्र जतिन सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) में शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जतिन ने 720 में से 607 अंक प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 8092वीं रैंक हासिल की। यह सफलता उन्होंने दूसरे प्रयास में अर्जित की।

जनपद में छः एसडीएम एवं तीन तहसीलदारों का हुआ स्थानांतरण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय के आदेशानुसार प्रशासनिक एवं शासकीय कार्यहित के मद्देनजर जनपद छः डिप्टी कलेक्टर एवं तीन तहसीलदारों का इधर से उधर स्थानांतरित किया गया है। उप जिलाधिकारी वाचस्पति सिंह कुंडा से लालगंज, जितेंद्र कटिहार अपर उप जिलाधिकारी प्रथम प्रतापगढ़, उप जिलाधिकारी न्यायिक लालगंज अजय यादव उप जिलाधिकारी प्रतापगढ़ उप जिला मजिस्ट्रेट कुंडा, संजय यादव उप जिलाधिकारी उप जिलाधिकारी न्यायिक सदर,सुनील कुमार तृतीय उप जिलाधिकारी प्रतापगढ़ अपर उप जिलाधिकारी प्रथम प्रतापगढ़ एवं आकांक्षा जोशी अपर जिला अधिकारी न्यायिक सदर अब अपर उप जिलाधिकारी द्वितीय प्रतापगढ़ के पद पर स्थानांतरित किए गए हैं। इसी प्रकार तहसीलदारों में अलख शुक्ला तहसीलदार कुंडा अब तहसीलदार सदर, अनिल कुमार तहसीलदार सदर तहसीलदार कुंडा और रवि यादव नवांगतुक तहसीलदार लालगंज के पद पर तैनात किए गए हैं।

परिसीमन विधेयक पर विस्तृत चर्चा के लिए प्रधानमंत्री बुलाएं सर्वदलीय बैठक- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने परिसीमन विधेयक पर परामर्श के लिए प्रधानमंत्री से सर्वदलीय बैठक फौरन बुलाए जाने की मांग उठाई है। उन्होने कहा कि परिसीमन विधेयक लाने के लिये पीएम के द्वारा अलग- अलग दलों की बैठक बुलाया जाना औचित्यविहीन है।उन्होने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पीएम को पत्र लिखकर इस पर सर्वदलीय चर्चा का अनुरोध किया जा चुका है। उन्होने कहा कि भाजपा के पास इस प्रकार के निर्णय के लिए बहुमत नहीं है।उन्होने पार्टी का रूख महिला आरक्षण बिल पर स्पष्ट करते हुए साफ कहा है कि महिला आरक्षण के मुददे पर कांग्रेस सदैव समर्थन का ऐलान कर चुकी है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल के नाम पर यदि गुमराह कर परिसीमन विधेयक लाने का मोदी सरकार प्रयास करेगी तो कांग्रेस संसद

के दोनों सदनो मे इसका पुरजोर विरोध करेगी। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि संसद के मानसून सत्र में प्रतियोगी परीक्षाओ के पेपरलीक का मुद्दा अहम होगा। उन्होने कहा कि पेपरलीक की जिम्मेदारी लेते हुये केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री को नैतिक जिम्मेदारी के तहत त्याग पत्र दे देना चाहिए। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने अयोध्या में जमीन खरीदने में बेईमानी तथा भगवान श्रीराम के मंदिर में चंदा चढ़ावा चोरी के मुद्दे को भी संसद सत्र में विपक्ष का प्रमुख मुद्दा कहा है। सांसद प्रमोद तिवारी का बयान शुक्रवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

संगठन की मजबूती के लिये एकजुट हो शिक्षक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र इटवा के सभागार में शुक्रवार को इटवा, भनवापुर, खुनियांव, डुमरियागंजगंज के उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष और संघर्ष समिति के सदस्यों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए टीएफआई (टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि सभी शिक्षकों की एकजुटता से ही शिक्षक समस्याओं का स्थायी निदान होगा। सभी को संगठन की मजबूती के लिए एक मंच पर आने की आवश्यकता है। बैठक में वर्ष 2025और 2026 की सदस्यता शुल्क और सभी ब्लॉकों के आगामी चुनावों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने आश्वस्त किया कि संगठन को और विस्तार के लिए जल्द ही चुनाव तिथियों की घोषणा की जाएगी। बैठक में प्रांतीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद पाण्डेय ने शिक्षकों से संगठन पर अटूट विश्वास रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षक पूरी निष्ठा के साथ बच्चों को शिक्षा देने का कार्य करें, उनकी हर समस्या का समाधान संगठन अपनी एकता के बल पर कराएगा। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष करुणेश मौर्या, महामंत्री हरिश्चंद्र, राजकिशोर शर्मा,अजीत सिंह, राम प्रकाश मिश्रा, लालाजी यादव रमेश चन्द्र ,इकराम मोहम्मद, ओमप्रकाश, आनंद राय, शैलेन्द्र प्रकाश, दिनेश सिंह, जगदीश प्रसाद,रामफल चौहान,मो सलीम आदि शिक्षक मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर दी जान

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के ग्राम गोल्हौरा में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई, जहां एक 20 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों से गले में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम गोल्हौरा निवासी शिवा पांडेय पुत्र ओम प्रकाश पांडेय ने अपने घर में कमरे की छत की कुंडी से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। परिजनों को घटना की जानकारी तब हुई जब उन्होंने युवक को फंदे से लटकते हुए देखा। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सुचना पुलिस को दी,सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में थानाध्यक्ष रामदेव का कहना है कि मृतक के पिता के द्वारा दोपहर 11 बजे सूचना दिया गया जिसके आधार पर शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना बनी दर्पिता के सपनों की उड़ान

पिता के निधन के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवार को मिला सरकारी सहारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब सब कुछ समाप्त होता हुआ दिखाई देता है। परिवार का सहारा छिन जाने के बाद बच्चों की शिक्षा, उनका भविष्य और उनके सपने अधूरे रह जाने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे कठिन समय में यदि सरकार संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़कर सहयोग का हाथ थाम ले, तो वही सहायता किसी बच्चे के भविष्य को नई दिशा देने का माध्यम बन जाती है। उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) ऐसी ही एक जनकल्याणकारी पहल है, जो माता-पिता अथवा किसी एक अभिभावक को खो चुके बच्चों के जीवन में नई उम्मीद जगा रही है। संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत मार्च-2020 के बाद जिन बच्चों के माता, पिता अथवा दोनों का निधन हो गया है, उन्हें शिक्षा, पोषण एवं अन्य आवश्यक जरूरतों के लिए प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता बच्चों के 23 वर्ष की आयु तक शिक्षा ग्रहण करने की अवधि में उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन सके। इसी योजना ने जनपद प्रतापगढ़ की एक होनहार छात्रा दर्पिता सिंह के जीवन में भी नई रोशनी बिखेरी है। टक्करगंज निवासी दर्पिता सिंह के पिता स्वर्गीय प्रदीप सिंह का आकस्मिक निधन हो जाने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पिता की असमय मृत्यु से परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई। दर्पिता की माता प्रतिभा वर्मा के सामने सबसे बड़ी चिंता अपनी बेटी की पढ़ाई और उसके भविष्य को लेकर थी। सीमित संसाधनों के कारण ऐसा प्रतीत होने लगा था कि दर्पिता की शिक्षा बीच में ही रुक जाएगी और उसके सपने अधूरे रह जाएंगे। इसी दौरान उन्हें मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने महिला कल्याण विभाग से योजना की पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली तथा बेटी की शिक्षा के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दर्पिता का आवेदन स्वीकृत हो गया और उसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी। वर्तमान में दर्पिता कक्षा-8 की छात्रा है। वह भविष्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी बनकर समाज एवं देश की सेवा करना चाहती है। जनपद प्रतापगढ़ में महिला कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना में वित्तीय वर्ष 2026-27 में जून माह तक 471 नए लाभार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किया गया है, जबकि वर्तमान में जनपद के 2,907 बच्चे इस योजना के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं।

22 जुलाई को जनपद की सातों विधानसभाओं में होगा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन- कौशलेंद्र सिंह पटेल

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर आगामी बूथ अध्यक्ष सम्मेलन के निमित्त तैयारी बैठक जिला अध्यक्ष श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व महापौर वाराणसी एवं जिला प्रभारी श्री कौशलेंद्र सिंह पटेल उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि कौशलेंद्र सिंह पटेल, सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य तथा जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने आगामी 22 जुलाई को जनपद की सातों विधानसभा क्षेत्रों में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किए जाने की जानकारी दी।उन्होंने आगामी बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की रूपरेखा, कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए सभी पदाधिकारियों से अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सक्रियता एवं समन्वय के साथ करने का आग्रह किया।मुख्य अतिथि एवं जिला प्रभारी कौशलेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

संक्षिप्त खबरें

बरही में युद्ध स्तर पर चल रहा एसआईआर कार्य

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। सार्वजनिक अवकाश के दिन भी बीएलओ, सुपरवाइजर और वालंटियर अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर मतदाता सत्यापन कार्य में जुटे रहे। पूरे अभियान की लगातार निगरानी कर रहे प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो दिनभर विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते रहे और कार्य में लगे कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय कटिऔन स्थित बूथ संख्या-298 का एसआईआर कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया। इस कार्य को बीएलओ रूबी कुमारी सिंह, वालंटियर संजय कुमार सिंह तथा सुपरवाइजर उपेन्द्र कुमार दास की टीम ने कड़ी मेहनत और लगन के साथ पूरा किया। बीडीओ जयपाल महतो ने टीम की कार्यशैली की सराहना करते हुए सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने में टीमवर्क, समर्पण और जिम्मेदारी की भावना की अहम भूमिका है। उन्होंने सभी बीएलओ, सुपरवाइजर एवं वालंटियर से इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ शेष कार्य भी समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ अभियान चला रहा है।

भंडरा रथ मेले में जाम के बीच फंसी एंबुलेंस को AIMIM नेता आफताब आलम ने दिलाया रास्ता

भंडरा, लोहरदगा, झारखंडः- भंडरा रथ मेले में शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से मुख्य सड़क पर लंबा जाम लग गया। जाम के कारण आम लोगों के साथ एक 108 एंबुलेंस भी काफी देर तक फंसी रही, जिससे मौके पर चिंता का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए AIMIM के जिला संयोजक एवं प्रखंड सदर आफताब आलम मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के सहयोग से स्वयं यातायात व्यवस्था संभाली तथा भीड़ को व्यवस्थित कर एंबुलेंस के लिए रास्ता खाली कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आफताब आलम सड़क पर उतरकर लोगों से सहयोग की अपील करते रहे। उनके प्रयासों से कुछ ही देर में एंबुलेंस को सुरक्षित रूप से जाम से बाहर निकाल दिया गया, जिसके बाद वह अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सकी। स्थानीय लोगों ने इस त्वरित पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीड़भाड़ वाले आयोजनों में एंबुलेंस का जाम में फंसना किसी मरीज के लिए गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। ऐसे समय में समय रहते रास्ता दिलाना मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है। मेले में मौजूद लोगों ने प्रशासन से भविष्य में बेहतर यातायात प्रबंधन, पर्याप्त बैरिकेडिंग तथा अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि बड़े आयोजनों के दौरान जाम जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

सपा ने भाजपा सरकार की नीतियों के विरोध में दिया राज्यपाल के नाम ज्ञापन

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के समस्त पदाधिकारी और कार्यकर्ता, महानगर अध्यक्ष हाजी फज़ल महमूद के नेतृत्व में आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर महामहिम राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि ए.सी.एम प्रथम भगत सिंह को ज्ञापन सौपकर ध्यान आकर्षित किया। फज़ल महमूद ने कहा कि इस ज्ञापन के माध्यम से उत्तर प्रदेश की वर्तमान जनविरोधी, तानाशाही और दमनकारी भाजपा सरकार की विनाशकारी नीतियों के खिलाफ अपना सबसे कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहते हैं। रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी की 40 में से 38 इमारतों को अवैध घोषित कर 15 दिनों के भीतर पूरी तरह जमींदोज करने का जो आदेश दिया गया है, वह कानून का पालन नहीं है। यह सीधे तौर पर विपक्ष को राजनीतिक रूप से खत्म करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मलबे में तब्दील करने और जनता के बुनियादी अधिकारों को कुचलने की भाजपाइयों की एक सोची-समझी क्रूर साजिश है। इस संबंध में समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर निम्नलिखित सभी गंभीर, राजनैतिक, सामाजिक और कानूनी पक्षों की ओर आपका तुरंत ध्यान आकर्षित करना चाहती है। प्रतिनिधिमंडल मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, यूथ ब्रिगेड अध्यक्ष शादाब आलम, के के शुक्ला, दीपक खोटे, मो अकील, महेश कन्नौजिया, मरफी, चंदन कोरी, राजेश अब्बासी, अजय श्रीवास्तव, आलोक यादव आदि लोग मौजूद रहे।

जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के समर्थन में पहुंचे जयराम महतो

छात्रों के अधिकारों की बुलंद की आवाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखंडः- झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के प्रमुख एवं डुमरी विधायक जयराम महतो ने दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचकर 19 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक के आंदोलन का समर्थन किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और न्याय की मांग को लेकर अपनी बात प्रमुखता से रखी। जंतर-मंतर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जयराम महतो ने कहा, 'कोई भूख से मरेगा, कोई सत्ता के चाबुक से मरेगा, जो बच जाएगा, वह गोली और बारूद से मरेगा।' उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। जयराम महतो ने केंद्र सरकार से छात्रों की समस्याओं पर चुप्पी तोड़ने की अपील करते हुए कहा कि यदि कोई छात्रों के हक में आवाज उठाता है, तो उसे 'राष्ट्र-विरोधी' करार देना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है।

उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय संवाद और समाधान का रास्ता अपनाया जाना चाहिए। दिल्ली में दिए गए उनके संबोधन की चर्चा झारखंड, विशेषकर रांची में भी हो रही है। सोशल मीडिया और विभिन्न जनचर्चाओं में उनके बयान को लेकर लोगों के बीच व्यापक चर्चा देखी जा रही है। समर्थकों का कहना है कि जयराम महतो लगातार युवाओं और जनहित के मुद्दों को मुखरता से उठाते रहे हैं, जबकि राजनीतिक हलकों में भी उनके इस कदम को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार की दर्दनाक मौत

लखीमपुर खीरी- बीती शाम 4 बजे की घटना है ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक करते समय ट्रक्टर के पहिए के नीचे गिरा, मौके पर जान चली गई मृतक की पहचान शाहजहांपुर जिले के निगोही थाना क्षेत्र के ग्राम कजरी नूरपुर निवासी रूप में हुई है। पूरी घटना पसगवां क्षेत्र के बरवर कस्बे में हुई।जानकारी के अनुसार, सर्वेश त्रिपाठी अपने भाई विनय त्रिपाठी के साथ हरदोई के बरगवां गांव से अपने घर लौट रहे थे बरवर के सीतारम चौराहे के पास उन्होंने आगे चल रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर की चपेट में आ गई ट्रैक्टर के पहिए के नीचे गिरा, मौके पर गई जान हादसे में सर्वेश त्रिपाठी ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके भाई विनय त्रिपाठी दूर जा गिर, जिससे उन्हें मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सर्वेश ने हेलमेट पहना था, लेकिन सिर कुचल जाने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका हादसे की सूचना मिलते ही बरवर चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

PM मोदी का पंजाब सरकार पर तीखा हमला

बोले– 'कट्टर ईमानदार' नहीं, बल्कि 'कट्टर बेईमान पार्टी' की सरकार चल रही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जालंधर में आयोजित जनसभा के दौरान पंजाब की आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब में 'कट्टर ईमानदार' नहीं, बल्कि 'कट्टर बेईमान पार्टी' की सरकार चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में विज्ञापनों के जरिए वास्तविक स्थिति को छिपाने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'विज्ञापनों के दम पर विश्वासघात की तस्वीर छिपाई जा रही है। पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक है। कब, कहां और किस दिशा से गोलियां चलने लगें, कोई नहीं कह सकता।' इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी चंडीगढ़ से जालंधर पहुंचे, जहां उन्होंने 5,470 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने श्री गुरु गोविंद सिंह-वाराणसी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन अमृतसर के छेहरटा से वाराणसी तक चलेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने स्कूली बच्चों से भी बातचीत की और बाद में ट्रेन में ही डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास से मुलाकात की। जनसभा में प्रधानमंत्री ने किसानों के सम्मान में हरे रंग की पगड़ी पहनकर लोगों को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने पंजाब की कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या, भ्रष्टाचार और विकास कार्यों को लेकर राज्य सरकार पर कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब के विकास के लिए लगातार काम कर रही है और आने वाले समय में भी विकास परियोजनाओं का सिलसिला जारी रहेगा।

विश्व युवा कौशल दिवस पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। महिला कल्याण विभाग, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन (DHEW) एवं DISHA ChildrenÓs Program (ChildFund) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं, विशेषकर किशोरियों और युवा महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, कौशल विकास तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन की अधिकारी अनम अकाशा तथा पेस संस्था के अनुपम शर्मा के कुशल मार्गदर्शन एवं समन्वय में संपन्न हुआ। कार्यशाला में जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन की अधिकारी अनम अकाशा ने प्रतिभागियों को क्कह्रष्टस्ह्र ष्ह्र की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा और किशोरी अपने अधिकारों को जाने तथा किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न के खिलाफ बिना डर के आवाज उठाए। उन्होंने कहा कि 'आपके अधिकार ही आपकी सबसे बड़ी ताकत हैं। किसी भी गलत घटना पर चुप न रहें, तुरंत शिकायत करें।' उन्होंने 1090 (महिला हेल्पलाइन), 181 (महिला एकीकृत हेल्पलाइन) और 112 (आपातकालीन सेवा) सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर इन सेवाओं का निसंकोच उपयोग करें। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा वन स्टॉप सेंटर जैसी योजनाओं के लाभ, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। डीएचईडब्ल्यू की मोहिनी शर्मा (अकाउंट असिस्टेंट) ने भी उपस्थित युवाओं को महिला अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लड़कियों में आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना था। पूरे कार्यक्रम में 'चुप रहना खत्म, हक मांगना शुरू' का संदेश प्रमुखता से दिया गया। इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किया।

गांव का मुख्य मार्ग जल भराव व कीचड़ में तब्दील

लखीमपुर खीरी- विकासखंड रमिया बेहड़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत लबेदपुर गांव में सरकारी दावे पूरी तरह फेल होते नजर आ रहे हैं गांव के मुख्य मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है जहां जगह जल भराव और कीचड़ ने ग्रामीणों का जीना दूभर कर दिया है ग्रामीणों का आरोप है कि बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह अनजान बने हुए हैं हालात यह है कि गांव के लोग रोजाना कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरने को मजबूर हैं मुख्य मार्ग पर फैले कीचड़ के कारण राहगीरों और ग्रामीणों को भारी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है बच्चों को भारी दिक्कतो का सामना करना पड़ ख़तरे से खाली नहीं है कई बार लोग फिसल कर गिर भी चुके हैं ग्रामीणों का कहना है कि जल भराव और गंदगी के कारण गांव में संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है जिससे डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों का डर बना हुआ है स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है ग्रामीणो का कहना है कि अगर जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वो आंदोलन करने को मजबूर होंगे!

सड़क हादसे में कोयला लदी बाइक दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही। बरही थाना क्षेत्र के हजारीबाग रोड स्थित करसो पुल के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में कोयला लदी बाइक चला रहे एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़कागांव थाना क्षेत्र के बादम पंचायत अंतर्गत रूदी (चटनियां) गांव निवासी मुकीम मियां के 40 वर्षीय पुत्र तस्व्बर अंसारी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तस्व्बर अंसारी अपनी मोटरसाइकिल पर कई बोरा कोयला लादकर बरही चौक की ओर आ रहे थे। इसी दौरान करसो पुल के समीप पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर लगने के बाद वह संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना के दौरान बाइक की चेन लॉक हो गई, जिससे वह कुछ दूर तक सड़क पर घिसटते चले गए। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बरही थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर बिनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल को तत्काल एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल बरही लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बरही पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण बड़कागांव से बरही पहुंचे। पत्नी, दो पुत्र और दो पुत्रियों समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों ने बताया कि तस्व्बर अंसारी परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान करने तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। मामले की जांच जारी है।

हेलमेट पहनने पर बच सकती थी जान

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे में तस्व्बर अंसारी के सिर में गंभीर चोट लगी थी। उनका मानना है कि यदि उन्होंने हेलमेट पहन रखा होता तो संभवतः उनकी जान बच सकती थी। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा नियमों के पालन और हेलमेट के अनिवार्य उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

ओवरलोड कोयला ढोने पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों ने बताया कि बड़कागांव क्षेत्र से प्रतिदिन अहले सुबह सैकड़ों मोटरसाइकिलों पर कई-कई बोरा कोयला लादकर लोग इसी मार्ग से गुजरते हैं। अधिक भार और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने, ओवरलोडिंग पर रोक लगाने तथा हेलमेट पहनने के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है।

महिला अपराध, साइबर क्राइम और अवैध खनन पर सख्ती के निर्देश, एसपी ने की अपराध समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार ने शुक्रवार को जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षकों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, पुलिस निरीक्षकों तथा थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में कानून-व्यवस्था, लंबित मामलों के निष्पादन, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, अवैध खनन और संगठित अपराध पर विशेष चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। बैठक की शुरुआत में पुलिस अधीक्षक ने बकरीद एवं मुहर्रम जैसे संवेदनशील पर्वो को जिले में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को बधाई दी। उन्होंने आगामी सभी त्योहारों को भी इसी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सतर्क रहने और प्रभावी पुलिस व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

महिला अपराधों के त्वरित निष्पादन पर जोर

पुलिस अधीक्षक ने महिला उत्पीड़न, छेड़खानी, दुष्कर्म तथा पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन मामलों में लंबित सभी कांडों का अविलंब अनुसंधान कर 60 दिनों के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वर्ष 2025 से पूर्व लंबित सभी मामलों का भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।

जून में 357 नए मामले दर्ज, 710 मामलों का हुआ निष्पादन

बैठक में जिले की अपराध संबंधी समीक्षा प्रस्तुत की गई। जून 2026 के दौरान जिले के विभिन्न थानों में कुल 357 नए आपराधिक मामले दर्ज हुए, जबकि 710 मामलों का निष्पादन किया गया। इसके अलावा पुलिस ने 1,052 वारंट एवं कुर्की-जब्ती आदेशों का निष्पादन, 215 चरित्र सत्यापन तथा 1,306 पासपोर्ट सत्यापन भी पूरे किए।

वारंट, कुर्की और थाना दिवस पर विशेष अभियान

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि जमानती एवं गैर-जमानती वारंट, इश्तेहार तथा कुर्की-जब्ती से संबंधित लंबित मामलों के निष्पादन के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही प्रत्येक सप्ताह 'थाना दिवस' आयोजित कर स्थानीय अंचलाधिकारी के साथ भूमि विवाद से जुड़े मामलों का निपटारा किया जाए। आम लोगों को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष बल दिया गया।

नशा, अवैध खनन और संगठित अपराध पर सख्ती

बैठक में अवैध मादक पदार्थो की खरीद-बिक्री वाले स्थानों की पहचान कर विशेष अभियान चलाने तथा इसमें शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा संगठित अपराध गिरोहों, अवैध खनन में संलिप्त लोगों तथा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध सीसीए, थाना हाजिरी एवं गुंडा पंजी की कार्रवाई का प्रस्ताव भेजने को कहा गया। अवैध कोयला, बालू एवं पत्थर के उत्खनन पर पूर्ण रोक लगाने के लिए संबंधित अंचल अधिकारियों एवं जिला खनन पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया।

साइबर अपराध और जनता की शिकायतों पर प्राथमिकता

पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को लंबित साइबर अपराध मामलों का शीघ्र निष्पादन कर आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही थानों में आने वाले आम नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनने और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया।

जेल से बाहर आए अपराधियों पर रहेगी निगरानी

बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि पिछले पांच वर्षो के दौरान जेल से बाहर आए अपराधियों की सूची तैयार कर उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने सभी अधिकारियों को निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आम जनता में सुरक्षा का विश्वास कायम रखने के लिए सक्रियता से कार्य करने को कहा। मौके पर एडिशनल एसपी अमित कुमार, बरही एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, बड़कागांव एसडीपीओ अमित कुमार, सीसीटीएनएस डीएसपी अरमानुल हक़, पुनि सह थाना प्रभारी सदर चंद्रशेखर कुमार, थाना प्रभारी बरही बिनोद कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर बरही अनिल सिंह, बरकट्ठा सर्किल इंस्पेक्टर इमदाद अंसारी समेत जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

कारगिल विजय दिवस पर भगवा ध्वज समिति करेगी स्वतंत्र श्रद्धांजलि कार्यक्रम

संयुक्त आयोजन से अलग होने का निर्णय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई के अवसर पर आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम को लेकर भगवा ध्वज समिति ने बड़ा फैसला लिया है। शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 को आयोजित समिति की वर्चुअल बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समिति अब 'हो एंटरटेनमेंट' के साथ प्रस्तावित संयुक्त कार्यक्रम का हिस्सा नहीं रहेगी और अपना स्वतंत्र श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करेगी। समिति ने बताया कि 15 जुलाई 2026 को आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में 'हो एंटरटेनमेंट' और भगवा ध्वज समिति द्वारा श्रद्धांजलि-2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। हालांकि, अब उस संयुक्त घोषणा को निरस्त करते हुए समिति ने अलग से कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। भगवा ध्वज समिति के अध्यक्ष अनूप भाई ने बताया कि समिति का उद्देश्य कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं में राष्ट्रभक्ति और भारतीय सेना के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि समिति पहले से ही प्रतिदिन प्रातः शहीदों को पुष्पांजलि और संध्या के समय दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित करती रही है। समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 26 जुलाई को सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक वीर शहीदों की पवित्र आत्मा की शांति के लिए शांति हवन का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक हजारीबाग स्थित शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। वर्चुअल बैठक में समिति के अध्यक्ष अनूप भाई, उपाध्यक्ष नवीन सिंह, कोषाध्यक्ष अजीत भास्कर, उपाध्यक्ष प्रदीप मेहता, महिला प्रमुख भवंती देवी, ममता कुमारी, प्रतिमा कुमारी, अजीत चंद्रवंशी, संजू कुमार, नीरज चंद्रवंशी, अधिवक्ता प्रमोद वर्मा, रणधीर गुप्ता, इनकेसर मलिक सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। यह जानकारी भगवा ध्वज समिति के उपाध्यक्ष नवीन सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

मदन पांडेय की मनाई गई 27वीं पुण्यतिथि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय मदन पांडेय की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को नारायणपुर दुर्गा मंदिर के समीप स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर दुमका के पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सोरेन ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में भाजपा नेता तरुण कुमार गुप्ता, वीरेंद्र मंडल, महेंद्र मंडल, सुरेश राय, बबीता झा, स्वर्गीय मदन पांडेय के पुत्र पिंटू पांडेय, राजा मनमोहन सिंह सहित अन्य लोगों ने भी उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सोरेन ने कहा कि स्वर्गीय मदन पांडेय क्षेत्र में भाजपा के मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने सीमित संसाधनों में संघर्ष करते हुए संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनहित के कार्यों के दौरान 17 जुलाई 1999 को माओवादियों ने उनके घर में घुसकर उनकी नृशंस हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मदन पांडेय ने अपने व्यक्तिगत कष्टों की परवाह किए बिना समाज और संगठन के लिए निरंतर संघर्ष किया।

उनके समर्पण और त्याग से प्रेरणा लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने उन्हें इस क्षेत्र की मिट्टी का सच्चा सपूत बताते हुए कहा कि उनकी शहादत और वीरता की गाथा सदैव स्मरणीय रहेगी। इस अवसर पर उत्तम मंडल, आनंद पोद्दार, सुशील पोद्दार, चेतन मरांडी, संजय पोद्दार, बलदेव हांसदा, संजय मंडल, शुक्र राय, रमेश ओझा, निभाई सेन सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नारायणपुर में फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर के बावनबीघा मैदान में आयोजित शहीद मदन पांडेय मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का शुक्रवार को समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में बालक वर्ग में चिरूडीह बनाम कुरता के बीच मैच खेला गया, जिसमें चिरूडीह की टीम एक गोल से विजयी हुई। बालिका वर्ग में फाइनल मैच मधुपुर और जामताड़ा के बीच खेला गया, जिसमें पेलेंटी शूट से जामताड़ा की टीम तीन बनाम दो गोल से विजयी हुई। विजेता तथा उपविजेता टीम को पूर्व सांसद सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सोरेन व भाजपा नेता तरुण कुमार गुप्ता ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौके पर सुनील सोरेन ने कहा कि युवा पढ़ाई के साथ साथ खेल में ध्यान दें। पढ़ाई की ही भांति खेल से भी बढ़िया केरियर बनाया जा सकता है, इसके की उदाहरण है। भाजपा नेता तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि जितने वाली टीम को बधाई है, साथ ही हारने वाली टीम निराश ना हो। मेहनत करें ताकि अगली बार आप विजयी हों। कहा भी गया है कि असफलता ही सफलता की जननी होती है। इसलिए हार से निराश ना हो। इस अवसर पर राजपरिवार सदस्य मनमोहन सिंह, उत्तम मंडल, बमशंकर दुबे, जितेन्द्र मंडल,संजय मंडल, लखीराम मरांडी आदि उपस्थित थे।

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रिंकी बनीं आत्मनिर्भर

50 बॉक्स से शुरू किया सफर, आज 220 से अधिक बॉक्स के साथ बनीं महिला सशक्तिकरण की मिसाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। कहा जाता है कि किसी भी समाज की वास्तविक ताकत उसकी महिलाओं के सशक्त होने में निहित होती है। उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और जिला प्रशासन के प्रयासों से जनपद फिरोजाबाद की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी विकासखंड मदनपुर के ग्राम लखई (ग्राम पंचायत बाछेमई) निवासी रिंकी की है, जिन्होंने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी जिंदगी बदल दी। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली रिंकी आज 'राधा रानी स्वयं सहायता समूह' की सक्रिय सदस्य हैं और शहद उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर चुकी हैं। शुरुआत में उनकी आर्थिक स्थिति सामान्य थी, लेकिन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में नया मोड़ आया। उपायुक्त स्वतः रोजगार तुलिका श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में रिंकी ने आरसेटी के माध्यम से शहद उत्पादन का तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद बैंक एवं स्वयं सहायता समूह के सहयोग से उन्हें 1.20 लाख रुपये का ऋण मिला, जिससे उन्होंने 50 बॉक्स के साथ शहद उत्पादन का कार्य शुरू किया। रिंकी की मेहनत रंग लाई और पहले ही वर्ष उन्होंने लगभग 2 लाख रुपये का लाभ अर्जित किया। समय पर ऋण चुकाने के बाद उनके उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस सहायता से उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया और आज उनके पास 220 से अधिक शहद उत्पादन बॉक्स हैं, जिनसे बड़े पैमाने पर शुद्ध शहद का उत्पादन किया जा रहा है।

वर्तमान में रिंकी इस व्यवसाय से हर माह लगभग 1.20 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और उनके दो बेटियां एवं एक बेटा अच्छे विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। रिंकी बताती हैं कि पहले वह घर से बाहर निकलने में भी संकोच करती थीं, लेकिन स्वयं सहायता समूह से जुड़ने और व्यवसाय शुरू करने के बाद उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। आज पूरा परिवार उनके कार्य में सहयोग करता है और समाज में उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। राधा रानी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से रिंकी ने अपने गांव की 5 से 6 महिलाओं को भी शहद उत्पादन के व्यवसाय से जोड़ा है। ये महिलाएं अपनी क्षमता के अनुसार कार्य कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। रिंकी अपनी सफलता का श्रेय उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, जिला प्रशासन तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को देती हैं। उनका कहना है कि सही समय पर मिले प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने क्षेत्र की अन्य महिलाओं से भी स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर प्रशिक्षण लेने और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

विवाहिता को पीटकर घर से फेंका, जान से मारने की धमकी का आरोप

लखीमपुर खीरी– सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता को बेरहमी से पीटकर घर से बाहर निकाल दिया गया। इंसानियत को शर्मसार करने वाली इस घटना ने एक बार फिर दहेज लोभियों का असली चेहरा उजागर कर दिया है। ग्राम ओरीपुरवा मजरा खैरहना थाना मझगई निवासी शिवानी मौर्या ने मॉडर्न महिला थाना पलिया में तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी करीब 6 साल पहले अमित मौर्या के साथ हुई थी और उसके दो बच्चे भी हैं। लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष की असलियत सामने आ गई। पीड़िता के मुताबिक पति अमित, ससुर शत्रोहन लाल, जेठ जसवंत कुमार और जेठानी रूबी देवी ने मिलकर उस पर सोने की चेन और 1 लाख रुपये नगद की मांग का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मांग पूरी न होने पर उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। हद तो तब हो गई जब 15 जुलाई 2026 की शाम करीब 7:30 बजे दहेज की मांग पूरी न होने पर आरोपियों ने शिवानी को गालियां देते हुए बेरहमी से पीटा और सिर्फ पहने हुए कपड़ों में घर से बाहर निकाल दिया। इतना ही नहीं, उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। मारपीट में शिवानी के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। पीड़िता का कहना है कि उसने पहले भी थाना मझगई में शिकायत की थी, लेकिन वहां से कोई सुनवाई नहीं हुई। मजबूर होकर अब उसने मॉडर्न महिला थाना पलिया में न्याय की गुहार लगाई है।

कन्हैया इंटर कालेज बेहजम के पढ़े छात्र धीरज बने एस. आई.

बेहजम खीरी– कठिन परिश्रम और अटूट लगन से नामुमकिन को भी मुमकिन किया जा सकता है। इसका जीता-जागता उदाहरण पेश किया है बेहजम कस्बे के धीरज कुमार ने। गुदड़ी के इस लाल ने लगातार तीन वर्षों में तीन बड़ी सरकारी भर्तियों में चयनित होकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। धीरज ने वर्ष 2023 में रेलवे की परीक्षा पास कर सरकारी नौकरी की शुरुआत की। इसके बाद 2025 में उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल* पद पर चयन हुआ और अब 2026 में उत्तर प्रदेश सब इंस्पेक्टर के पद पर भी सफलता हासिल कर ली है। तीन अलग-अलग वर्षों में लगातार सफलता पाकर धीरज ने साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से हर मंजिल पाई जा सकती है। धीरज बेहजम के एक साधारण किसान परिवार से हैं। उनके पिता *इतवारी लाल* खेती कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद धीरज ने हार नहीं मानी। कोचिंग और महंगे संसाधनों के अभाव के बावजूद अपने आत्मविश्वास और मेहनत के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। आज वह पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं।धीरज कन्हैया इंटर कॉलेज बेहजम* के पूर्व छात्र हैं। स्कूल के दिनों से ही वह पढ़ाई में तेज और अनुशासित रहे।

समरसता और राष्ट्र जागरण का संदेश देगा 'ऑपरेशन सिंदूर' कार्यक्रम

गोला गोकर्णनाथ खीरी– समाज में समरसता, सेवा, राष्ट्रभक्ति एवं सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'मेरा गाँव मेरा तीर्थ सेवा समिति' द्वारा 19 जुलाई 2026 (रविवार) को सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज, गोला गोकर्णनाथ में 'भारत की समरसता का स्वर्णिम अध्याय, ऑपरेशन सिंदूर' विषय पर एक भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4:00 बजे से होगा। आयोजन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ते हुए सेवा, समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा भारतीय संस्कृति के मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाना है।कार्यक्रम में हनुमानगढ़ी, अयोध्या के पूज्य संत राजूदास महाराज का प्रेरणादायी आशीर्वचन प्राप्त होगा।

दिल्ली हाई कोर्ट का एक्शन

शरजील इमाम की अर्जी पर पुलिस को नोटिस; 27 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली दंगा से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में जमानत देने से इन्कार करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली जेएनयू पूर्व छात्र शरजील इमाम की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने पुलिस को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी। दिल्ली दंगा के बड़ी साजिश मामले में शरजील इमाम, उमर खालिद सहित कई आरोपितों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शरजील इमाम की दूसरी नियमित जमानत याचिका को चार जुलाई को ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दी थी। शरजील इमाम को 25 अगस्त 2020 को गिरफ्तार किया गया था। शरजील पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड में से एक होने का आरोप था। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि गुलफिशा फातिमा और सैयद इफ्तिखार अंद्राबी के मामले में आए फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया है। इसलिए, जब तक यह मुद्दा सुलझ नहीं जाता, तब तक वह किसी भी आधार पर शरजील इमाम की जमानत अर्जी पर विचार नहीं कर सकती। जमानत की मांग करते हुए शरजील इमाम ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने नियमित जमानत की उनकी अर्जी की स्वतंत्र रूप से जांच न करके गलती की है। उन्होंने कहा कि छह साल बीत जाने के बाद भी, ट्रायल कोर्ट में कार्यवाही अभी तक आरोप तय करने की जिरह से आगे नहीं बढ़ पाई है। पांच जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इन्कार कर दिया था, जबकि सह-आरोपित गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान सहित अन्य आरोपितों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

विजिलेंस ब्यूरो ने इंस्पेक्टर को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

पटियाला– राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के दौरान, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने कोऑपरेटिव सोसाइटी तपा, जिला बरनाला में तैनात इंस्पेक्टर हर्ष बंसल को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। इस बारे में बताते हुए, स्टेट विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी को कोऑपरेटिव सोसाइटी तपा के रिटायर्ड सेक्रेटरी जंग सिंह की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के खिलाफ अभी डिपार्टमेंटल जांच चल रही है। आरोपी इंस्पेक्टर ने कथित तौर पर रिटायरमेंट का बकाया चुकाने और शिकायतकर्ता के पक्ष में जांच का फैसला करने के बदले में 1,00,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी और बाद में सौदा 50,000 रुपये में तय हुआ। रिश्वत न देने पर सहमत होने पर, शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज पटियाला से संपर्क किया। उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, विजिलेंस ब्यूरो टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी इंस्पेक्टर को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उसके पास से रिश्वत वाले करेंसी नोट भी बरामद किए गए हैं। इस संबंध में, आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो पुलिस स्टेशन पटियाला में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच चल रही है।

बठिंडा में राष्ट्रीय महिला आयोग की जनसुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को 'राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार' अभियान के तहत बठिंडा में जनसुनवाई कर महिलाओं से जुड़े मामलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं को सरल, संवेदनशील और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन अपराध तथा महिलाओं से जुड़े अन्य मामलों की सुनवाई की गई। कई मामलों में अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त राजेश धीमान, एसएसपी बठिंडा डॉ. ज्योति यादव बैंस तथा एसएसपी मानसा भागीरथ सिंह मीणा मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में विजया रहाटकर ने कहा कि महिलाओं के प्रति अपमानजनक भाषा, चरित्र हनन और असंवेदनशील व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी विभागों से महिलाओं से जुड़े मामलों के निस्तारण में संवेदनशील और जवाबदेह दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। इससे पहले उन्होंने बठिंडा केंद्रीय जेल का दौरा कर महिला बंदियों से संवाद किया। इसके अलावा राजिंद्रा कॉलेज में आयोजित 'शी सर्व्स' सेमिनार को संबोधित करते हुए सशस्त्र बलों में महिलाओं के लिए उपलब्ध करियर अवसरों पर प्रकाश डाला। वहीं डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने नशे और मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव तथा महिलाओं पर उसके प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की। जनसुनवाई के बाद उन्होंने बठिंडा रेंज के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में महिलाओं से संबंधित मामलों के शीघ्र निस्तारण, पुलिस एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय तथा शिकायतों की नियमित समीक्षा पर विशेष जोर दिया गया। विजया रहाटकर ने आयोग की 'तेरे मेरे सपने' पहल को जिला स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने का सुझाव देते हुए अधिकारियों से महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने नशे और साइबर अपराध से प्रभावित महिलाओं के मुद्दे पर भी चिंता जताई और आयोग की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

शातिर वाहन चोर और मोबाइल चोर गिरफ्तार, चोरी की स्कूटी व चार मोबाइल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस की ऑटो एंटी थेफ्ट स्क्वॉड एएटीएस ने एक शातिर वाहन चोर और मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक होंडा एक्टिवा स्कूटी और चार चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से चोरी के पांच मामलों का खुलासा हुआ है। आरोपी के खिलाफ पहले भी लूट, झपटमारी, चोरी और सेंधमारी के कई मामले दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार 15 जुलाई को एएटीएस को सूचना मिली थी कि एक सक्रिय वाहन चोर और मोबाइल चोर क्षेत्र में आने वाला है। सूचना के आधार पर निरीक्षक अमित दत्त शर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक शाजिद हुसैन, सहायक उपनिरीक्षक रविंदर सिंह, कांस्टेबल काना राम और कांस्टेबल राम दयाल की टीम ने जाल बिछाकर लाल रंग की होंडा एक्टिवा पर सवार एक युवक को पकड़ लिया।पूछताछ और वाहन की जांच में पता चला कि स्कूटी साकेत थाना क्षेत्र में दर्ज ई-एफआईआर संख्या 010989/2026 के तहत चोरी हुई थी। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से चार चोरी के मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने साकेत, नेब सराय, अंबेडकर नगर और मैदानगढ़ी थानों में दर्ज कुल पांच चोरी के मामलों का खुलासा किया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप उर्फ परवीन 26 वर्ष निवासी मदनगीर, अंबेडकर नगर, नई दिल्ली के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लावारिस खड़े दोपहिया वाहनों और लोगों के मोबाइल फोन चोरी करता था। चोरी के बाद वह सामान बेचकर रुपये हासिल कर लेता था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदलता रहता था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी

के खिलाफ अमर कॉलोनी, ग्रेटर कैलाश, मालवीय नगर, साकेत और अंबेडकर नगर सहित विभिन्न थानों में लूट, झपटमारी, चोरी और सेंधमारी के एक दर्जन से अधिक मामले पहले से दर्ज हैं।दक्षिणी जिला पुलिस का कहना है कि आरोपी से बरामद चोरी के सामान के आधार पर पांच मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा हुआ है। पुलिस अब चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। मामले की आगे की जांच जारी है।

'पुरानी दिल्ली के बाजारों का नहीं होगा स्थानांतरण', बोले बीजेपी सांसद प्रवीन खंडेलवाल

नई दिल्ली। चांदनी चौक के साथ प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली के किसी बाजार का कहीं स्थानांतरण नहीं होगा, बल्कि उन्हें वहीं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। ताकि दिल्ली का बाजार, व्यापार फले फूले तथा समृद्ध हो। सदर बाजार के कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात में उन्होंने कहा कि जल्द ही दिल्ली सरकार तथा विभिन्न एजेंसियों के उच्चाधिकारियों के साथ व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक होगी। जिसमें विकास का रोडमैप तय किया जाएगा। उन्होंने व्यापारी प्रतिनिधियों को बताया कि इस संबंध में उनकी विस्तार से चर्चा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी हुई है। हाल ही में दिल्ली के सातों सांसदों के साथ मुख्यमंत्री की बैठक हुई थी, जिसमें दिल्ली के सभी थोक बाजारों की वस्तुस्थिति तथा विकास से जुड़े कामों पर मंथन हुआ है। बैठक बाद फेडरेशन आफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि थोक बाजारों के कुछ व्यापारियों द्वारा बाजारों के हरियाणा में स्थानांतरण की चर्चा पर जोर दिया जा रहा है। जिससे यहां के दुकानदारों में चिंता के साथ आशंका की लहर है।उन्होंने कहा कि दिल्ली के बाजारों को आकार देने में उनकी पीढ़ियों का बड़ा योगदान है।

निजता के अधिकार का हनन?

प्रदर्शनकारियों की वीडियोग्राफी के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचीं आइशे घोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों की लगातार निगरानी करने का पुलिस पर आरोप लगाते हुए दायर की गई जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट सुनवाई करेगा। याचिका को स्वीकार करते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने मामले को सोमवार को सुनवाई के लिए तय किया।

आइशे घोष ने दायर की याचिका

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी छात्र संघ (जेएनयूएसयू) की पूर्व अध्यक्ष आइशे घोष ने याचिका दायर कर कहा कि यह प्रदर्शनकारियों की निजता, सम्मान, अभिव्यक्ति की आजादी और शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।

घोष ने आरोप लगाया कि 20 जून को जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के धरने और भूख हड़ताल की शुरुआत के बाद से ही प्रदर्शनकारियों की लगातार फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की जा रही है। याचिका में कहा गया कि निगरानी की इस व्यवस्था का इस्तेमाल छात्र प्रदर्शनकारियों को डराने और रोकने के लिए किया जा रहा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने बार-बार विरोध स्थल के अंदर मार्च किया और प्रदर्शनकारियों को ले जा रही गाड़ियों को रोककर पूछताछ की।

विश्व बैंक टीम ने लुधियाना नहर जलापूर्ति परियोजना की समीक्षा की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– विश्व बैंक के वरिष्ठ जल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ तथा पंजाब म्युनिसिपल सर्विसेज इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट के सह-टास्क टीम लीडर श्रीनिवास पोडिपिरेड्डी ने गुरुवार को लुधियाना नहर जलापूर्ति परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। विश्व बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) के वित्तीय सहयोग से संचालित इस परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया गया। पंजाब की सबसे बड़ी शहरी आधारभूत संरचना परियोजनाओं में शामिल इस योजना का क्रियान्वयन नगर निगम लुधियाना द्वारा महापौर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर और नगर निगम आयुक्त ओजस्वी अलंकार के नेतृत्व में किया जा रहा है। दौरे के दौरान श्रीनिवास पोडिपिरेड्डी ने नगर निगम के संयुक्त आयुक्त एवं लुधियाना अर्बन वाटर एंड वेस्टवाटर मैनेजमेंट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनीत कुमार (पीसीएस) के साथ बैठक कर परियोजना की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में मुख्य अभियंता रविंदर गर्ग, अधीक्षण अभियंता डॉ. पारुल गोयल, परियोजना प्रबंधक गुरविंदर पाल सिंह, पीआईयू अधिकारी, परामर्शदाता तथा कार्यदायी एजेंसियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने गांव बिलगा स्थित 58 करोड़ लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले जल शोधन संयंत्र, शहर में निर्माणाधीन ट्रांसमिशन पाइपलाइन कॉरिडोर तथा विभिन्न जलाशयों और पानी की टंकियों का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्यों की प्रगति, कार्ययोजना, परियोजना की समय-सीमा और आगामी चरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) ने पाइपलाइन बिछाने, जलाशयों एवं पानी की टंकियों के निर्माण, मौजूदा जलाशयों के पुनर्विकास, खरीद प्रक्रिया तथा आगामी निर्माण लक्ष्यों की जानकारी दी। साथ ही निर्माण कार्यों में आ रही तकनीकी चुनौतियों, उपयोगिताओं के स्थानांतरण तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। श्रीनिवास पोडिपिरेड्डी ने नगर निगम लुधियाना द्वारा परियोजना के तेज गति से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रभावी योजना, समय पर निर्णय और सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय से ही परियोजना को निर्धारित समय में पूरा किया जा सकता है।

लुधियाना में 'सफाई अपनाएं, बीमारी भगाएं' अभियान शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– शहर में स्वच्छता अभियान को गति देने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से नगर निगम ने गुरुवार को 'सफाई अपनाएं, बीमारी भगाएं' अभियान की शुरुआत की। यह अभियान अब हर पखवाड़े आयोजित किया जाएगा। महापौर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर और नगर निगम आयुक्त ओजस्वी अलंकार के नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान 31 जुलाई तक चलेगा। इसके तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, पौधरोपण अभियान और जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), शिक्षण संस्थानों और बाजार संघों को भी जोड़ेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। अभियान के पहले दिन आवासीय क्षेत्रों और विभिन्न शिक्षण संस्थानों में लोगों एवं विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा पृथक्करण, स्वच्छता के महत्व तथा आसपास के वातावरण को साफ और रोगमुक्त बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। महापौर इंदरजीत कौर और नगर निगम आयुक्त ओजस्वी अलंकार ने कहा कि शहर की स्वच्छता सुनिश्चित करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के बिना स्वच्छ शहर का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता, इसलिए ऐसे अभियान समय-समय पर चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जोनल आयुक्तों सहित वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्रीय निरीक्षण कर रहे हैं। स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खुफिया एजेंसी के पूर्व प्रमुख अनुराग कुमार बनाए गए दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर

नई दिल्ली। आईपीएस अनुराग कुमार दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर नियुक्त किए गए हैं। 1994 बैच के आईपीएस अनुराग कुमार IPS सतीश गोलछा की जगह लेंगे। बता दें कि आईपीएस अनुराग कुमार अभी तक आईबी में स्पेशल डायरेक्टर थे। शुक्रवार को गृह मंत्रालय की ओर से एक पत्र जारी किया गया, जिसमें अनुराग कुमार को दिल्ली के नए कमिश्नर नियुक्त किए जाने की जानकारी दी गई है। अनुराग कुमार ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचकर नए आयुक्त के रूप में कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है। यह पहला मौका है, जब दिल्ली पुलिस के किसी आयुक्त को अचानक पद से हटाने का ऑर्डर जारी करने के दो घंटे के अंदर नए आयुक्त ने पदभार भी ग्रहण कर लिया। एक ऑफिशियल ऑर्डर में कहा गया, 'कॉम्पिटेंट अथॉरिटी की मंजूरी से अनुराग कुमार, IPS (AGMUT:1994) को चार्ज संभालने की तारीख से और अगले ऑर्डर तक दिल्ली का पुलिस कमिश्नर बनाया जाता है।' गृह मंत्रालय ने यूटी कैडर के 1992 बैच के आईपीएस सतीश गोलछा को दिल्ली पुलिस के आयुक्त पद से हटा दिया है।

दिल्ली: दुष्कर्म के बाद घोंट दिया था IRS की बेटी का गला, 900 पन्नों की चार्जशीट में 70 गवाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित कैलाश हिल्स में आइआरएस की बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में लगभग तीन महीने बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को आरोपित राहुल मीणा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोपित आइआरएस का पूर्व घरेलू सहायक था। लगभग 900 पन्नों की चार्जशीट में पुलिस ने 70 से अधिक गवाहों के बयान हैं। फोरेंसिक जांच का भी हवाला दिया है, जिसमें शव पर आरोपित के ब्लड व सीमेन की पुष्टि हुई है। चार्जशीट के मुताबिक, 22 अप्रैल की सुबह जब यूपीएससी की तैयारी करने वाली युवती घर में अकेली थी, तब आरोपित ने उसके साथ दुष्कर्म किया, मोबाइल के वायर से उसका गला घोंट दिया और लाखों रुपये की नकदी व कीमती सामान लूटकर फरार हो गया। पुलिस ने 12 घंटे से भी कम समय में उसे द्वारका के एक होटल से ढूंढ निकाला और तब से वह न्यायिक हिरासत में है। मामले में 18 जुलाई को सुनवाई होगी।

70 से अधिक गवाहों का हवाला

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने 70 से अधिक गवाहों का हवाला देते हुए अदालत में अपनी रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें जघन्य अपराध और डीएनए व फोरेंसिक मिलान रिपोर्ट सहित सबूतों का विस्तृत विवरण दिया गया है। पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि इस कृत्य के पीछे का मकसद लूट और प्रतिशोध की भावना थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि आइआरएस अधिकारी ने राहुल मीणा को लगभग दो महीने पहले उसके गलत व्यवहार और वित्तीय हेराफेरी के कारण नौकरी से निकाल दिया था। वह जुए की लत के कारण भारी कर्ज में डूबा हुआ था और उसे पैसों की सख्त जरूरत थी। चार्जशीट के अनुसार, इसी वजह से और बदला लेने की इच्छा के चलते वह वापस आया था। सीसीटीवी फुटेज से उसकी मुख्य संदिग्ध के रूप में पुष्टि होने के बाद जांच राजस्थान के अलवर तक पहुंची। वहां मामला और भी हैरान कर देने वाला रहा।

22 अप्रैल को सुबह 5 बजे दिल्ली आया

राजस्थान पुलिस ने बताया कि आरोपित ने पिछली रात अलवर में दोस्त के पत्नी को ही अपनी हवस का शिकार बनाया था और फरार हो गया था। अलवर में उसने एक खाली एम्बुलेंस के चालक से लिफ्ट मांगी और 22 अप्रैल को सुबह पांच बजे दिल्ली आ गया। वह आस्था कुंज पार्क में छिपा रहा और आइआरएस दंपती के जिम जाने का इंतजार करता रहा। सुबह 6:30 बजे दंपती के घर के बाहर निकलते ही वह घर के पास आया। गेट के बाहर छिपाकर रखी गई चाभी के बारे में उसे पहले से पता था। उसने चाभी निकाली और लॉक खोलकर चुपके से घर में घुसा। उसने पहले तिजोरी का लॉक खोलने की कोशिश की, पर बायोमैट्रिक होने की वजह से वह विफल हुई।

सीढ़ियों से नीचे के एक कमरे में घसीट लाया

बताया कि ऊपर की मंजिल पर बने स्टडी रूम में युवती सोई थी। लैंप लाइट युवती के सिर पर दे मारा और उसके साथ क्रूर तरीके से दुष्कर्म किया। फिर मोबाइल फोन के चार्जिंग केबल से उसका गला घोंट दिया और उसके शरीर को सीढ़ियों से नीचे के एक कमरे में घसीट लाया ताकि वह उसके फिंगरप्रिंट का उपयोग करके तिजोरी खोल सके। पर युवती की मृत्यु हो जाने के चलते बायोमैट्रिक लॉक नहीं खुला। उसने अपार्टमेंट की तलाशी ली और नकदी और कीमती सामान एक बैग में भर लिया।

असम विश्वविद्यालय में 20 जुलाई से लैंगिक संवेदनशीलता व POSH अधिनियम पर सप्ताहव्यापी कार्यशाला

देशभर के शिक्षाविद्, प्रशासक और विषय-विशेषज्ञ होंगे शामिल, 20 से 25 जुलाई तक चलेगा आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः असम विश्वविद्यालय में 20 से 25 जुलाई तक 'जेंडर सेंसिटाइजेशन, POSH अधिनियम एवं महिला सशक्तिकरण' विषय पर सप्ताहव्यापी कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (ICC) तथा मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC), असम विश्वविद्यालय चैप्टर द्वारा किया जा रहा है। कार्यशाला में देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, प्रशासक और विषय-विशेषज्ञ भाग लेंगे। कार्यशाला का उद्घाटन 20 जुलाई को प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के बिपिन चंद्र पाल सेमिनार हॉल में होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत करेंगे, जबकि डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता मुख्य अतिथि होंगी। स्वागत भाषण आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष प्रो. करबी दत्ता चौधरी देंगी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदोष किरण नाथ, एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. रमैया बालकृष्णन, उपनिदेशक प्रो. अजय कुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलसचिव प्रो. एम. डी. महताब आलम रिज़वी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मानबेन्द्र दत्ता चौधरी, कलकत्ता विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. शांता दत्ता डे, नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सेक्रेटेरियट ट्रेनिंग एंड मैनेजमेंट (ISTM) की संयुक्त निदेशक नमिता मलिक, जादवपुर विश्वविद्यालय की आईसीसी की बाह्य सदस्य डॉ. अनिंदिता बंद्योपाध्याय तम्टा, एनआईटी दुर्गापुर की आईसीसी अध्यक्ष प्रो. सीमा सरकार, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल तथा सेवानिवृत्त शिक्षाविद् प्रो. विनोद नौटियाल संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अपने विचार साझा करेंगे। आयोजकों की ओर से डॉ. सोभन कुमार बेदाज्ञा ने बताया कि कार्यशाला के दौरान लैंगिक संवेदनशीलता, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH) अधिनियम, महिला अधिकार, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और अन्य प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी से यह कार्यशाला जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित एवं समावेशी शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उच्च शिक्षा में नए आयाम स्थापित कर रही है नारी शक्ति :राज्यपाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 21वां दीक्षान्त समारोह शुक्रवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि पद्मश्री मालिनी अवस्थी, प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय एवं लोक गायिका ने दीक्षान्त उद्बोधन दिया। कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार विशिष्ट अतिथि के रूप में दीक्षान्त समारोह में शामिल हुये। 21वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 26 स्वर्ण पदक प्रदान किये गयें, जिनमें 20 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 06 स्वर्ण पदक छात्रों की झोली में गये। दीक्षान्त समारोह में सत्र

दिसम्बर-2025 तथा जून-2026 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 30886 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिसमें 17778 पुरूष तथा 13098 महिला शिक्षार्थी रहे। इस अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 21वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग केवल रोजगार तक सीमित न रखें, बल्कि समाज की समस्याओं के समाधान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। राज्यपाल ने इस उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने उन लाखों लोगों तक शिक्षा पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है, जो किसी कारणवश अपनी नियमित शिक्षा पूरी नहीं कर सके। उन्होंने विशेष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष सम्मानित 18 मेधावी विद्यार्थियों में 12 छात्राएँ और 6 छात्र हैं। यह उपलब्धि नए भारत में नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी और उत्कृष्टता का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जब बेटियाँ अवसर प्राप्त करती हैं तो वे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का गौरव बढ़ाती हैं। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रारम्भिक शिक्षा मातृभाषा में उपलब्ध कराने तथा कक्षा 6 से ही कौशल विकास आधारित शिक्षा प्रारम्भ करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यवहारिक, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि उसे जीवन कौशल, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित अटल विद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

धर्म परिवर्तन के प्रयास के मामले में दो वांछित गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। थाना फाफामऊ पुलिस ने धर्म परिवर्तन के प्रयास से जुड़े मामले में दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों पर एक युवती को शादी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 17 जुलाई 2026 को थाना फाफामऊ पुलिस टीम ने नव जीवन हॉस्पिटल से बेला कछार जाने वाली सड़क के पास घेराबंदी कर दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरताज अली (25 वर्ष) पुत्र रमजान अली तथा मो. इरफान (20 वर्ष) पुत्र मो. हारून के

रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से जनपद बहराइच के निवासी हैं और वर्तमान में शान्तिपुरम चौराहा, फाफामऊ स्थित एक बिरयानी की दुकान पर रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में थाना फाफामऊ में मु0अ0सं0-155/26 के तहत धारा 352, 351(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/5(1) के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़िता के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी मो. इरफान ने युवती को शादी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाया। आरोप है कि धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। इसी मामले में पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही थी

झूंसी में तेज रफ्तार कार ने खेल रहे मासूम को रौंदा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। झूंसी स्थित एक पेट्रोल पंप के बगल में त्रिपाल डालकर रहने वाले गरीब परिवार का एक मासूम बच्चा खेलते समय तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गया। हादसे में बच्चे की मौके पर ही गंभीर चोटें आई और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का पूरा दृश्य आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पेट्रोल पंप के समीप रहने वाले गरीब परिवारों के बच्चे रोज की तरह खेल रहे थे। इसी दौरान एक मासूम खेलते-खेलते सड़क पर गिर गया। तभी सामने से तेज गति से आ रही एक कार ने बच्चे को संभलने का मौका दिए बिना उसे कुचल दिया और आगे बढ़ गई। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। घटना के तुरंत बाद परिजन और

स्थानीय लोग गंभीर रूप से घायल बच्चे को लेकर नजदीकी अस्पताल पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही झूंसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर कार और चालक की पहचान शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण हुआ।

करैली पुलिस ने गोवंश बरामद किया, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। करैली थाना पुलिस ने चोरी किया गया एक गोवंश बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, करैली थाना पुलिस टीम ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र स्थित बकरीदी चाय वाली गली में घेराबंदी कर दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी का एक गोवंश बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फैजान पुत्र अनीस उर्फ कल्लू (22 वर्ष) निवासी इलेक्ट्रॉनिक

बाजार, थाना शाहगंज तथा साहिल पुत्र सलीम (21 वर्ष) निवासी शाहगंज, प्रयागराज के रूप में हुई है। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना करैली में मु0अ0सं0 147/2026 के तहत धारा 303(2), 317(2) बीएनएस तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि गोवंश चोरी की अन्य घटनाओं एवं संभावित गिरोह के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

जल संरक्षण का दिया गया संदेश भूजल रिचार्ज तकनीकों की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। भूजल सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को जनपद में भूजल संरक्षण एवं जल संसाधनों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सीबीएल कॉन्वेंट विद्यालय एवं गुरु तेग बहादुर खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज में सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को भूजल के महत्व, गिरते भूजल स्तर, भूजल दोहन के दुष्परिणाम, जल की उपलब्धता तथा भूजल रिचार्ज की आधुनिक एवं पारंपरिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। सेमिनार के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि लगातार बढ़ते भूजल दोहन और वर्षा जल के समुचित संरक्षण के अभाव में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में पेयजल संकट और गंभीर हो सकता है।

उन्होंने छात्राओं से वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा जल संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ निबंध लेखन, पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं ने जल संरक्षण के महत्व और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की रचनात्मक प्रस्तुतियों की शिक्षकों एवं अतिथियों ने सराहना की।

अटल आवासीय विद्यालय में कढ़ी-चावल खाने से 49 छात्र-छात्राएं बीमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले के ग्राम धौर्रा स्थित अटल आवासीय विद्यालय में परोसे गए दोपहर के भोजन के बाद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया। विद्यालय में कढ़ी-चावल खाने के बाद 49 छात्र-छात्राएं बीमार हो गए। सभी को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक तौर पर मामले की जांच चल रही है, हालांकि वास्तविक कारण खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। बताया गया है कि गुरुवार दोपहर करीब 1.30 बजे विद्यालय में बच्चों को दोपहर के भोजन में कढ़ी-चावल परोसा गया था। भोजन करने के कुछ ही समय बाद कई

बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और बेचैनी की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते बच्चों की संख्या बढ़ने लगी, जिसके बाद विद्यालय प्रशासन ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन को सूचना दी। शाम करीब 6 बजे बीमार बच्चों को एंबुलेंस और अन्य वाहनों से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। बताया गया कि गुरुवार देर रात तक 46 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार सुबह तीन अन्य बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें भी अस्पताल लाया गया, जिससे बीमार छात्रों की संख्या बढ़कर 49 हो गई। चिकित्सकों की निगरानी में सभी बच्चों का उपचार जारी है और अधिकांश की हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही राज्यमंत्री मनोहर लाल मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती बच्चों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को सभी बच्चों का समुचित एवं बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने कहा कि भोजन की गुणवत्ता की जांच कराई जा रही है और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार दोपहर झांसी मंडल के आयुक्त विमल कुमार दुबे ने भी मेडिकल कॉलेज पहुंचकर भर्ती बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने डॉक्टरों से उपचार व्यवस्था की जानकारी ली और अधिकारियों को बच्चों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने बताया कि बच्चों के बताए अनुसार भोजन करने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा भोजन के नमूने लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और विद्यालय प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

खेत के रास्ते के विवाद में घर में घुसकर युवक से मारपीट, जान से मारने की धमकी

ललितपुर। कोतवाली सदर क्षेत्र के ग्राम झरकौन में खेत के रास्ते को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि गांव के ही दो लोगों ने घर में घुसकर गाली-गलौज की, विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट की और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने कोतवाली प्रभारी को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम झरकौन निवासी कमल, नीलेश, दीपचंद, भालचंद्र, माखन, शोभारानी सहित अन्य परिजनों ने बताया कि 15 जुलाई 2026 की सुबह करीब 9 बजे सभी लोग अपने घर पर मौजूद थे।

श्रृंग्वेरपुरधाम में 11 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का राज्यपाल को निमंत्रण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। श्रृंग्वेरपुरधाम में आगामी 10 से 14 अगस्त तक आयोजित होने वाले 11 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ के लिए शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया। यह निमंत्रण 6 वर्षीय श्रीश बाहुबली महाराज ने भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। आयोजकों के अनुसार, श्रृंग्वेरपुरधाम में आयोजित होने वाला यह धार्मिक अनुष्ठान सनातन धर्म की आस्था और भगवान शिव की उपासना को समर्पित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रृंग्वेरपुरधाम की उस पौराणिक परंपरा को आगे बढ़ाना है,

जिसमें मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने यहां पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव की आराधना की थी। इसी परंपरा के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए 11 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण का विशाल आयोजन किया जा रहा है।

राहुल गांधी को राहत, कोर्ट ने खारिज की निगरानी याचिका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। गृहमंत्री अमित शाह पर कथित विवादित टिप्पणी से जुड़े मानहानि के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एमपी-एमएलए कोर्ट से राहत मिली है। स्पेशल जज राकेश यादव की अदालत ने भाजपा नेता विजय मिश्र की निगरानी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इन्कार किया। इस फैसले से स्पेशल मजिस्ट्रेट की अदालत में लंबित मानहानि मुकदमे की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। अब मामले में 18 जुलाई को सुनवाई होगी। स्पेशल जज ने अपने आदेश में कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट में लंबित अंतिम बहस की कार्यवाही को रोकना उचित नहीं था। अदालत ने माना कि परिवादी की ओर से दायर निगरानी याचिका स्वीकार करने योग्य नहीं है। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्र ने वर्ष 2018 में दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने अमित शाह के संबंध में विवादित टिप्पणी की थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान विजय मिश्र ने 12 मार्च को राहुल गांधी की आवाज का नमूना जांच कराने की मांग की थी। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने 2 मई को यह अर्जी खारिज कर दी थी। उन्होंने जमानतनामा प्रस्तुत करने और अंतिम बहस आगे बढ़ाने का आदेश दिया था। विजय मिश्र ने इस आदेश को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी। बुधवार को

आरोप है कि राहुल गांधी ने अमित शाह के संबंध में विवादित टिप्पणी की थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान विजय मिश्र ने 12 मार्च को राहुल गांधी की आवाज का नमूना जांच कराने की मांग की थी। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने 2 मई को यह अर्जी खारिज कर दी थी। उन्होंने जमानतनामा प्रस्तुत करने और अंतिम बहस आगे बढ़ाने का आदेश दिया था।

स्पेशल जज ने उनकी याचिका खारिज कर दी राहुल गांधी की आवाज के नमूने की जांच कराने की मांग पहले स्पेशल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खारिज की थी। अब उसी आदेश के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका भी एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने निरस्त कर दी। लगातार दो अदालतों से राहत नहीं मिलने के बाद परिवादी भाजपा नेता को कानूनी झटका माना जा रहा है।

शुक्रवार परेड में एसपी मो. मुश्ताक ने परखा पुलिस बल का अनुशासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइंस में आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण कर पुलिस बल की कार्यकुशलता, अनुशासन और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनुशासन, समयपालन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। एसपी ने सबसे पहले परेड की सलामी ली और परेड में शामिल पुलिसकर्मियों की ड्रिल, टर्नआउट, ड्रेस कोड, शारीरिक दक्षता तथा सामूहिक तालमेल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक ड्रिल का अभ्यास भी कराया और पुलिस बल को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। परेड के बाद एसपी ने रिजर्व पुलिस लाइंस परिसर में स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, क्वार्टर गार्ड, पुलिस कैंटीन, कंट्रोल रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव, उपलब्ध संसाधनों की स्थिति और उनके प्रभावी उपयोग का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रखने तथा अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन करने के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने डायल-112 के पीआरवी वाहनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों की साफ-सफाई, वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आपातकालीन उपकरणों की कार्यशीलता की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी उपकरण हर समय पूरी तरह क्रियाशील अवस्था में रहें ताकि किसी भी आपात स्थिति में आमजन को तत्काल और प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा सके। एसपी मो. मुश्ताक ने पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आमजन के प्रति संवेदनशील, शालीन एवं सेवा-भाव से कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सूचना पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाकर आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखी जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परेड में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों से उनकी व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

राज्यपाल ने इलाहाबाद संग्रहालय में सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका का किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल एवं इलाहाबाद संग्रहालय समिति की अध्यक्ष आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को इलाहाबाद संग्रहालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका का विधिवत उद्घाटन किया और वीथिका के पूर्ण डिजिटलीकरण के निर्देश दिए, ताकि साहित्य प्रेमी एवं शोधार्थी आधुनिक तकनीक के माध्यम से महान साहित्यकार के जीवन, कृतित्व और साहित्यिक योगदान से आसानी से परिचित हो सकें। राज्यपाल ने वीथिका का अवलोकन करते हुए प्रदर्शित दुर्लभ साहित्यिक सामग्री, पांडुलिपियों, चित्रों एवं अन्य संग्रहों की सराहना की। उन्होंने कहा

कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से संग्रहालयों को अधिक आकर्षक और ज्ञानवर्धक बनाया जाना चाहिए, जिससे नई पीढ़ी भारतीय साहित्य और संस्कृति से जुड़ सके। दौरे के दौरान राज्यपाल ने संग्रहालय की अनुभव वीथिका का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विभिन्न दिव्यांग विद्यालयों से आए बच्चों से आत्मीय संवाद किया, उनकी शिक्षा, रुचियों और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। बच्चों से बातचीत के दौरान उन्होंने उनके उत्साह की सराहना करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांग बच्चों के लिए वाइल्डलाइफ सेंचुरी एवं अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के शैक्षणिक एवं प्रेरणादायी भ्रमण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर राज्यपाल ने सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका पर आधारित कैटलॉग का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह कैटलॉग शोधार्थियों, विद्यार्थियों और साहित्य प्रेमियों के लिए उपयोगी साबित होगा तथा पंत जी के साहित्य और व्यक्तित्व को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

थाने के बाहर मां से छीन लिए दो मासूम बच्चे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जखौरा थाना क्षेत्र से दहेज प्रताड़ना और बच्चों को जबरन मां से अलग करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के चार लोगों पर दहेज की मांग को लेकर मारपीट करने, घर से निकालने तथा पुलिस थाने के बाहर से उसके दो मासूम बच्चों को जबरन छीनकर ले जाने का आरोप लगाया है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बच्चों की सकुशल बरामदगी और आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्राम घुरवारा निवासी प्रतीक्षा, पत्नी तुलाराम पुत्री फूलचंद वर्तमान निवासी ग्राम सुनौरा थाना तालबेहट का आरोप है कि 11 जुलाई 2026 की रात उसके पति तुलाराम, ससुर अजब सिंह, देवर दीपेन्द्र तथा सास बीरवती ने दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। अगले दिन 12 जुलाई को वह शिकायत

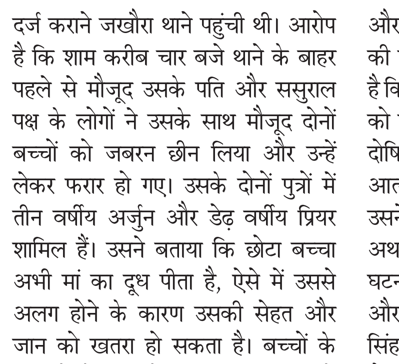

दर्ज कराने जखौरा थाने पहुंची थी। आरोप है कि शाम करीब चार बजे थाने के बाहर पहले से मौजूद उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मौजूद दोनों बच्चों को जबरन छीन लिया और उन्हें लेकर फरार हो गए। उसके दोनों पुत्रों में तीन वर्षीय अर्जुन और डेढ़ वर्षीय प्रियर शामिल हैं। उसने बताया कि छोटा बच्चा अभी मां का दूध पीता है, ऐसे में उससे अलग होने के कारण उसकी सेहत और जान को खतरा हो सकता है। बच्चों के बिछड़ने के बाद से वह मानसिक रूप से बेहद परेशान है और लगातार प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रही है। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि 14 जुलाई को उसने पुलिस अधीक्षक को भी लिखित प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन अब तक बच्चों की बरामदगी या आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे निराश होकर उसने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। प्रार्थना पत्र में चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उसके बच्चों को सकुशल वापस नहीं दिलाया गया और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई, तो वह आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर होगी। उसने कहा है कि ऐसी स्थिति में उसकी मौत अथवा बच्चों के साथ किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी जखौरा थाना पुलिस और उसके पति तुलाराम, ससुर अजब सिंह, देवर दीपेन्द्र तथा सास बीरवती की होगी।

सोनम वांगचुक के आंदोलन को कांग्रेस का समर्थन पवन खेड़ा ने धरनास्थल पहुंचकर जताई एकजुटता

अनशनरत वांगचुक से की मुलाकात, प्रदर्शनकारियों की मांगों का किया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोनम वांगचुक के समर्थन में चल रहे आंदोलन को शुक्रवार को कांग्रेस का भी साथ मिल गया। कई दिनों तक दूरी बनाए रखने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा धरनास्थल पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता जताते हुए उनकी मांगों का समर्थन किया। पवन खेड़ा ने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रतिनिधियों और अनशनरत सोनम वांगचुक से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस आंदोलनकारियों की मांगों के साथ मजबूती से खड़ी है और केंद्र सरकार को उनकी चिंताओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे अन्य छात्रों से भी बातचीत की। सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कांग्रेस के समर्थन का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन शुरू से चाहता था कि सभी राजनीतिक दल इस आंदोलन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जुड़ने से आंदोलन को नई मजबूती मिलेगी। इससे एक दिन पहले पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव भी धरनास्थल पहुंचकर सोनम वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। इस बीच कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि पार्टी पिछले एक महीने से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। उन्होंने सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त करते हुए उनसे अनशन समाप्त करने की अपील की और भरोसा दिलाया कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल उनकी मांगों को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाते रहेंगे। गौरतलब है कि सीजेपी का प्रदर्शन लगातार जारी है और आंदोलनकारी अपनी मांगों के समर्थन में व्यापक राजनीतिक समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस आंदोलनकारियों की मांगों के साथ मजबूती से खड़ी है और केंद्र सरकार को उनकी चिंताओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे अन्य छात्रों से भी बातचीत की। सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कांग्रेस के समर्थन का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन शुरू से चाहता था कि सभी राजनीतिक दल इस आंदोलन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जुड़ने से आंदोलन को नई मजबूती मिलेगी। इससे एक दिन पहले पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव भी धरनास्थल पहुंचकर सोनम वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों से मुलाकात कर चुके हैं।

अमेरिका ने छात्र और पत्रकार वीजा नियम किए सख्त, भारतीयों पर पड़ेगा असर

एफ, जे और आई वीजा धारकों के लिए तय होगी रहने की अवधि, ग्रेस पीरियड 60 से घटाकर 30 दिन

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका ने विदेशी छात्रों, विनिमय कार्यक्रम के तहत आने वाले लोगों और पत्रकारों के लिए वीजा नियमों को सख्त कर दिया है। नए नियमों के तहत अब एफ (छात्र), जे (विनिमय कार्यक्रम) और आई (पत्रकार) श्रेणी के गैर-प्रवासी वीजा धारकों के लिए अमेरिका में रहने की निश्चित समय-सीमा तय कर दी गई है। इस बदलाव का सबसे अधिक असर भारतीय छात्रों पर पड़ने की संभावना है, क्योंकि अमेरिका में पढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों में लगभग 31 प्रतिशत भारतीय हैं। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के अनुसार, एफ वीजा धारकों को पढ़ाई पूरी होने के बाद अमेरिका छोड़ने, संस्थान बदलने या वीजा श्रेणी बदलने के लिए मिलने वाला ग्रेस पीरियड 60 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दिया गया है। वहीं, छात्र और विनिमय कार्यक्रम के तहत आने वाले लोगों को अधिकतम चार वर्ष तक ही अमेरिका में रहने की अनुमति होगी। नए नियमों के तहत पत्रकारों के लिए जारी होने वाले आई वीजा की अधिकतम अवधि 240 दिन तय की गई है, जबकि चीनी नागरिकों के लिए यह अवधि 90 दिन होगी। पहले पत्रकार वीजा के लिए कोई निश्चित समय-सीमा नहीं थी और इसे वर्षों तक बढ़ाया जा सकता था। डीएचएस ने स्पष्ट किया कि जिन छात्रों को अपना शैक्षणिक कार्यक्रम पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए, उन्हें अमेरिका नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के माध्यम से औपचारिक आवेदन करना होगा। इसके लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, पृष्ठभूमि जांच और धोखाधड़ी संबंधी जांच अनिवार्य होगी। डीएचएस के सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा कि लंबे समय से कुछ विदेशी छात्र लगातार नए पाठ्यक्रमों में दाखिला लेकर अमेरिका में अनिश्चितकाल तक रहने का लाभ उठा रहे थे। नए नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने देश लौटें। नए प्रावधानों के लागू होने से विश्वविद्यालयों की बजाय संघीय एजेंसियां वीजा अवधि और अनुपालन की निगरानी करेंगी तथा अकादमिक कार्यक्रमों में बदलाव के नियम भी पहले की तुलना में अधिक सख्त होंगे।

बेबी केयर: बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए खुद से पूछें ये 4 जरूरी सवाल

नींद, पोषण, भावनात्मक जुड़ाव और विशेषज्ञ की सलाह पर दें विशेष ध्यान

लाइफस्टाइल डेस्क। नवजात और छोटे बच्चों की देखभाल हर माता-पिता के लिए जिम्मेदारी के साथ सीखने का भी अनुभव होती है। हर बच्चे की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए उसकी दिनचर्या, खानपान, नींद और व्यवहार पर नियमित नजर रखना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि माता-पिता समय-समय पर खुद से कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछें, तो वे बच्चे की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उसकी देखभाल को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि बच्चा अपनी उम्र के अनुसार पर्याप्त और नियमित नींद ले रहा है। यदि वह बार-बार जागता है, चिड़चिड़ा रहता है या उसकी नींद पूरी नहीं हो रही है, तो उसकी दिनचर्या पर ध्यान देना आवश्यक है। नियमित स्लीप रूटीन बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में मददगार होता है। इसके साथ ही यह भी देखें कि बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार संतुलित और पौष्टिक आहार मिल रहा है या नहीं। यदि बच्चा सीमित चीजें ही खाना पसंद करता है, तो धीरे-धीरे उसकी

डाइट में विविधता लाने का प्रयास करें। आहार में किसी बड़े बदलाव से पहले बाल रोग विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर माना जाता है। बच्चे के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी उतना ही जरूरी है। रोजाना कुछ समय मोबाइल और अन्य व्यस्तताओं से दूर रहकर बच्चे से बातचीत करें, उसके साथ खेलें और उसकी भावनाओं को समझें। माता-पिता का स्नेह और भावनात्मक जुड़ाव बच्चे के आत्मविश्वास और मानसिक विकास को मजबूत बनाता है। यदि बच्चे के स्वास्थ्य, विकास, खानपान, व्यवहार या नींद को लेकर कोई समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो स्वयं इलाज करने की बजाय बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह लें। नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर टीकाकरण भी बच्चे की बेहतर देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छे माता-पिता वही हैं जो बच्चे की जरूरतों को समझने के साथ समय पर सही सलाह लेने में संकोच नहीं करते। यही आदत बच्चे के सुरक्षित, स्वस्थ और संतुलित विकास की मजबूत नींव बनती है।

जैकलीन फर्नांडिस का एआई अवतार लॉन्च

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस अब एक नए डिजिटल अंदाज में अपने फैंस से जुड़ने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने अपना एआई आधारित डिजिटल अवतार लॉन्च किया है, जिसके जरिए अब प्रशंसक उनकी जिंदगी से जुड़े कई अनसुने किस्सों को भी करीब से जान सकेंगे। जैकलीन का कहना है कि यह सिर्फ तकनीक का इस्तेमाल नहीं, बल्कि लोगों से एक अलग स्तर पर जुड़ने की नई शुरुआत है। जैकलीन फर्नांडिस का यह एआई अवतार उनकी पर्सनैलिटी का डिजिटल विस्तार माना जा रहा है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि लोग इंटरैक्टिव तरीके से अभिनेत्री के विचारों, अनुभवों और पसंदीदा चीजों को जान सकें। अपने एआई अवतार को लेकर जैकलीन ने कहा, ''मुझे हमेशा उन चीजों को लोगों के साथ साझा करना पसंद रहा है, जो मुझे प्रेरित करती हैं। चाहे वह कोई किताब हो, कोई बातचीत, जिंदगी से सीखा गया कोई सबक या फिर कोई ऐसा विचार जो लंबे समय तक मेरे साथ रहा हो। यह एआई अवतार मुझे ऐसा करने का बिल्कुल नया तरीका देता है। इसके जरिए मैं लोगों से कहानियों, विचारों और अनुभवों के माध्यम से जुड़ सकती हूं।''इस डिजिटल प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी

खासियत इसका 'जैकलीन बुक क्लब' होगा। इसके जरिए वह समय-समय पर उन किताबों के बारे में बताएंगी, जिन्होंने उनकी सोच को नया नजरिया दिया, उनकी रचनात्मकता को बढ़ाया और उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। बुक क्लब के जरिए जैकलीन अपने अनुभव, विचार और चर्चाएं भी साझा करेंगी। एआई अवतार को इस तरह तैयार किया गया है कि वह जैकलीन के व्यक्तित्व और भावनात्मक पहलू को भी सामने लाए। इसमें उनकी '2 एएम थोट्स' यानी देर रात मन में आने वाले विचार और जिंदगी के अलग-अलग दौर से जुड़ी यादें भी शामिल होंगी। इस एआई अवतार को कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क के एआई स्टूडियो गैलरी5 ने विकसित किया है। इसे इंटरैक्टिव फॉर्मेट में डिजाइन किया गया है, ताकि फैंस जैकलीन की सोच, अनुभवों और पसंदीदा चीजों से पहले से कहीं ज्यादा करीब से जुड़ सकें जैकलीन का यह एआई अवतार विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगा। इसमें समय-समय पर नया कंटेंट, नई बातचीत और बुक क्लब से जुड़ी नई चीजें जोड़ी जाती रहेंगी।

जैकलीन फर्नांडिस का यह एआई अवतार उनकी पर्सनैलिटी का डिजिटल विस्तार माना जा रहा है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि लोग इंटरैक्टिव तरीके से अभिनेत्री के विचारों, अनुभवों और पसंदीदा चीजों को जान सकें। अपने एआई अवतार को लेकर जैकलीन ने कहा, 'मुझे हमेशा उन चीजों को लोगों के साथ साझा करना पसंद रहा है, जो मुझे प्रेरित करती हैं। चाहे वह कोई किताब हो, कोई बातचीत, जिंदगी से सीखा गया कोई सबक या फिर कोई ऐसा विचार जो लंबे समय तक मेरे साथ रहा हो। यह एआई अवतार मुझे ऐसा करने का बिल्कुल नया तरीका देता है। इसके जरिए मैं लोगों से कहानियों, विचारों और अनुभवों के माध्यम से जुड़ सकती हूं।''इस डिजिटल प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी खासियत इसका 'जैकलीन बुक क्लब' होगा। इसके जरिए वह समय-समय पर उन किताबों के बारे में बताएंगी, जिन्होंने उनकी सोच को नया नजरिया दिया, उनकी रचनात्मकता को बढ़ाया और उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला।

माय भारत राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सम्मेलन में जुटे 1500 युवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के युवा मामले विभाग द्वारा 'माय भारत' के माध्यम से शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए 1,500 से अधिक युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, स्वयंसेवा की भावना और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत बनाते हुए उन्हें विकसित भारत-2047 के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना था। सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि

अमृतकाल के अगले 25 वर्ष युवाओं के हैं। विकसित भारत को आज की पीढ़ी देखेगी, लेकिन उसमें जीवन युवा पीढ़ी जिएगी, इसलिए विकसित भारत के निर्माण का दायित्व भी युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का उल्लेख किया, जिसमें राजनीतिक या पारिवारिक पृष्ठभूमि से इतर एक लाख युवा नेताओं को तैयार करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व गांव, कस्बों, जनजातीय क्षेत्रों और शहरों से उभरना चाहिए। उन्होंने 'माय भारत' पोर्टल को युवाओं के लिए 'वन स्टॉप सॉल्यूशन' बताते हुए कहा कि यह मंच स्वयंसेवा, रोजगार, सामुदायिक सेवा, नवाचार और अनुभवात्मक शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होंने प्रत्येक स्वयंसेवक से अगले तीन महीनों में कम से कम 300 युवाओं को माय भारत मंच से जोड़ने तथा 100 सक्रिय युवा क्लबों का पंजीकरण कराने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक युवा क्लब सेवा, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण का केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे सेवा कार्य मिलकर विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार करेंगे। उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि माय भारत युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में संगठित करने का प्रभावी मंच बन चुका है।

नाबालिग के साथ गैंग-रेप के 47 साल बाद दोषी ठहराए जाने का फ़ैसला बरकरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को 1979 के नाबालिग के साथ गैंग-रेप के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने का फ़ैसला बरकरार रखा, लेकिन उसकी मुख्य सज़ा को 7.5 साल से घटाकर 4 साल की कठोर कारावास (RI) कर दिया। जस्टिस संतोष राय की बेंच ने आपराधिक अपील के 43 साल से लंबित रहने और जीवित दोषी की उम्र (71 साल) को ध्यान में रखते हुए सज़ा में बदलाव किया। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपी-अपीलकर्ता द्वारा दायर आपराधिक अपील को आंशिक रूप से मंज़ूरी दे दी। उसे सरेंडर करने और बाकी बची सज़ा काटने का निर्देश दिया गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 1979 की रात को नाबालिग पीड़िता (उम्र 15 से 17 साल के बीच) का गाँव के ही तीन लोगों – काली चरण, राम लाल और राम स्वरूप (हाई कोर्ट में अपीलकर्ता) – ने चाकू की नोक पर ज़बरदस्ती अपहरण कर लिया। उसे ट्रेन से शाहजहाँपुर होते हुए तिलहर के एक खाली घर में ले जाया गया, जहाँ उसे एक हफ्ते तक बंधक बनाकर रखा गया और बार-बार गैंग-रेप किया गया। इसके बाद उसे एक मेला दिखाने के लिए बिल्संडा लाया गया, जहां 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 1979 की रात को एक सब-इंस्पेक्टर ने उसे बचाया। इसके बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ़ चार्जशीट दायर की गई। 983 में पीलीभीत की असिस्टेंट सेशंस जज की कोर्ट ने तीनों को दोषी पाया और उन्हें अधिकतम साढ़े सात साल की सज़ा सुनाई। दोषियों ने 1983 में हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती दी। अपील लंबित रहने के दौरान, सह-अपीलकर्ता काली चरण और राम लाल की मौत हो गई और 2022 में उनके मामले में अपील खत्म हो गई। यह मामला सिर्फ अपीलकर्ता राम स्वरूप के लिए बचा रहा, जो ट्रायल के समय 27 साल के थे और अब 71 साल के हैं। जस्टिस राय ने कहा: 'ऐसे मामलों में, जहां पीड़ित की गवाही दोषसिद्धि का आधार होती है, दोषी के प्रति 'अत्यधिक सहानुभूति' दिखाना न्याय का घोर उल्लंघन होगा। सज़ा देना केवल बदला लेने की प्रक्रिया नहीं है; इसका मकसद अपराधी और दूसरों के लिए एक सबक होना चाहिए, और कमज़ोर लोगों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने वालों की मंशा को भी दिखाना चाहिए'।

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस, सोनिया गांधी के घर पर बैठक के बाद बड़ा एलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस ने कहा है कि संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने अपनी बैठक में कई प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा की और तय किया कि विपक्षी दलों के साथ मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। जयराम रमेश ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि केंद्रीय गृह मंत्री परिसीमन विधेयक को फिर से संसद में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 17 अप्रैल को सरकार इस विधेयक पर दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में असफल रही थी और उसे बड़ा झटका लगा था। अब सरकार इसे दोबारा लाना चाहती है। कांग्रेस इस विधेयक का पहले भी विरोध करती रही है और आगे भी करती रहेगी। साथ ही विपक्षी दलों की एकजुटता बनाए रखने की पूरी कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को हटाने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस विधेयक की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई गई है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका बहिष्कार किया है। कांग्रेस इस विधेयक का भी मजबूती से विरोध करेगी। जयराम रमेश ने बताया कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इस विषय पर बनी जेपीसी को 10 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। कांग्रेस इस प्रस्ताव का भी विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक' मानसून सत्र में लाती है तो कांग्रेस इसका पूरी तरह विरोध करेगी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक दोबारा लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी इस विधेयक का विरोध किया था, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा था। अगर इसे फिर पेश किया गया तो पार्टी दोबारा इसका विरोध करेगी। जयराम रमेश ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 में प्रस्तावित संशोधनों का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि यही कानून प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का आधार है। यदि इसमें बदलाव का विधेयक संसद में लाया गया तो कांग्रेस इसका भी कड़ा विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के मौजूदा विधायी एजेंडे में ऐसा कोई विधेयक नहीं दिख रहा है, जिसका कांग्रेस समर्थन कर सके। पार्टी संसद के भीतर और बाहर इन मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करेगी। कोर्ट ने इस बात पर ध्यान दिया कि घटना 1979 की, यानी लगभग 47 साल पुरानी है और अपील खुद इस कोर्ट में लगभग 43 साल से लंबित रही है, जिसमें अपीलकर्ता की कोई गलती नहीं थी। बेंच ने यह भी गौर किया कि अपीलकर्ता, जो ट्रायल के समय लगभग 27 साल का था, अभी लगभग 71 साल का है, और रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे पता चले कि वह इस घटना से पहले या बाद में किसी अन्य आपराधिक मामले में शामिल रहा हो।

धान खरीद में बड़ा फर्जीवाड़ा! डीएम के आदेश पर सेंटर प्रभारी पर एफआईआर के निर्देश

अभिलेख, फोटो और ऑनलाइन सत्यापन में गंभीर अनियमितताएं; आवश्यक वस्तु अधिनियम व बीएनएस की धाराओं में कार्रवाई की तैयारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राज्य ब्यूरो- विपिन शुक्ला

अम्बेडकरनगर। जिले में धान खरीद व्यवस्था में कथित गड़बड़ियों पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वीपीएफएस असाइदापुर कला विकास खंड कटेहरी के सचिव/क्रय केंद्र प्रभारी दुर्गा प्रसाद पाण्डेय के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर जारी आधिकारिक पत्र में प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। जांच में आरोप है कि केंद्र प्रभारी द्वारा अपने बचाव में क्रय पंजिका, स्टॉक रजिस्टर, सदस्यों का विवरण, कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका, विभागीय जांच रिपोर्ट, पूर्व विवाद से संबंधित

एफआईआर की प्रति तथा सात फोटो उपलब्ध कराए गए। लेकिन 18 जनवरी 2026 से 21 जनवरी 2026 के बीच भेजे गए धान के संबंध में कोई फोटोग्राफ प्रस्तुत नहीं किया गया, जबकि 19 जनवरी 2026 की दो तस्वीरों में केवल खाली ट्रक दिखाई दिए। इसके अलावा चार अन्य तस्वीरों से भी यह स्पष्ट नहीं हो सका कि धान का वास्तविक संपूर्ण लोडिंग कार्य हुआ था। पत्र में यह भी कहा गया है कि धान क्रय नीति 2025-26 के अनुसार ऑनलाइन चालान जारी करने से पहले केंद्र प्रभारी की ट्रक के साथ फोटो, आधी भरी ट्रक की फोटो तथा पूरी तरह लोड ट्रक की फोटो पोर्टल पर उपलब्ध होना अनिवार्य है। जांच में इन आवश्यक फोटो का अभाव पाया गया, जिसे शासनादेश का उल्लंघन माना गया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार प्रथम दृष्टया यह मामला धान क्रय नीति के विपरीत ऑनलाइन प्रेषण और शासकीय अभिलेखों के संचालन में कथित अनियमितता का संकेत देता है। पत्र में इसे आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 तथा भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316(5) के अंतर्गत दंडनीय मानते हुए कार्रवाई की संस्तुति की गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता को आदेश दिया गया है कि केंद्र प्रभारी दुर्गा प्रसाद पाण्डेय के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए।